बोर्ड परीक्षा परिणाम उन्नयन हेतु ऐतिहासिक पहल ...

शेखावाटी मिशन 100

सत्र: 2024-25

(कक्षा: 12)

इतिहास

पढ़ेगा राजस्थान

बढ़ेगा राजस्थान

विभिन्न विषयों की नवीनतम बुकलेट डाउनलोड करने हेतु टेलीग्राम QR CODE स्कैन करें

कार्यालय: संयुक्त निदेशक स्कूल शिक्षा, चूरू संभाग, चूरू (राज.)

संयोजक कार्यालय – संयुक्त निदेशक कार्यालय, चूरू संभाग, चूरू

शेखावाटी मिशन - 100 मार्गदर्शक

बजरंग लाल

संयुक्त निदेशक (स्कूल शिक्षा)
चूरू संभाग, चूरू

महेन्द्र सिंह बड़सरा

संभागीय कॉडिनेटर, शेखावाटी मिशन 100
संयुक्त निदेशक कार्यालय, चूरू संभाग, चूरू

संकलनकर्त्ता टीम : इतिहास

रामावतार भदाला

तकनीकी सहयोगी शेखावाटी मिशन 100

साकेत कुमार दुलड़

रा.उ.मा.वि. - भाल
(झुंझुनूं)

सुभाष सिंह बिजारणियां

रा.उ.मा.वि. - मंडा मदनी
(सीकर)

राजेन्द्र घठाला

रा.उ.मा.वि. - तपीपन्या
(सीकर)

ओम प्रकाश बगड़िया

रा.उ.मा.वि. - रूपगढ़
दांतारामगढ़, (सीकर)

विकास आर्य

रा.उ.मा.वि. - बजावा सूरोंका
(झुंझुनूं)

सोनाली चौधरी

रा.उ.मा.वि. - कालेरा का बास
जैतपुरा (झुंझुनूं)

सुभाष मील

रा.उ.मा.वि. - दांदिया
(सीकर)

कार्यालय: संयुक्त निदेशक स्कूल शिक्षा, चूरू संभाग, चूरू (राज.)

प्रश्न–पत्र की योजना2024–2025

कक्षा – XII
विषय –इतिहास
अवधि – 3 घण्टे 15 मिनट पूर्णांक– 80

1. उद्देश्य हेतु अंकभार–

क्र.सं.	उद्देश्य	अंकभार	प्रतिशत
1.	ज्ञान	24	30
2.	अवबोध	24	30
3.	ज्ञानोपयोग	16	20
4.	कौशल	8	10
5.	विश्लेषण	8	10
योग		80	100 %

2. प्रश्नों के प्रकार वार अंकभार–

क्र.सं.	प्रश्नों का प्रकार	प्रश्नों की संख्या	अंक प्रतिप्रश्न	कुल अंक	प्रतिशत (अंकों का)	प्रतिशत (प्रश्नों का)	संभावित समय
1.	बहुविकल्पात्मक	18	1	18	22.5	34.62	24
2.	रिक्तस्थान	6	1	6	7.5	11.54	6
3.	अतिलघूत्तरात्मक	11	1	11	13.75	21.15	24
4.	लघूत्तरात्मक	10	2	20	25.0	19.23	50
5.	दीर्घउत्तरात्मक	4	3	12	15.0	7.69	40
6.	निबंधात्मक	3	2x4,1x5	13	16.25	5.77	51
	योग	52		80	100	100	195 मिनट

विकल्प योजना : खण्ड 'स' एवं 'द' में हैं

3. विषय वस्तु का अंकभार–

क्र.सं.	विषय वस्तु	अंक भार	प्रतिशत
1	ईंटें, मनके तथा अस्थियां	6	7.50
2	राजा, किसान और नगर	6	7.50
3	बन्धुत्व, जाति तथा वर्ग (लगभग 600ई.पू.से 600ई.)	6	7.50
4	विचारक, विश्वास और इमारतें	7	8.75
5	यात्रियों के नजरिए	6	7.50
6	भक्ति सूफी परम्पराएँ	7	8.75
7	एक साम्राज्य की राजधानी : विजयनगर	6	7.50
8	किसान, जमींदार और राज्य	6	7.50
9	उपनिवेशवाद और देहात	6	7.50
10	विद्रोही और राज	6	7.50
11	महात्मा गांधी और राष्ट्रीय आन्दोलन	7	8.75
12	संविधान का निर्माण	6	7.50
13	मानचित्र कार्य	5	6.25
		80	100

BSER

प्रश्न–पत्र ब्ल्यूप्रिन्ट 2024–2025

कक्षा – XII | विषय :– इतिहास | समय: 03:घंटे 15 मिनट | पूर्णांक– 80

क्र. सं.	उद्देश्य इकाई / उपइकाई	ज्ञान						अवबोध						ज्ञानोपयोग						कौशल						विश्लेषण						योग
		बहुविकल्पात्मक	रिक्तस्थान	अतिलघुत्तरात्मक	लघुत्तरात्मक	दीर्घउत्तरात्मक	निबन्धात्मक	बहुविकल्पात्मक	रिक्तस्थान	अतिलघुत्तरात्मक	लघुत्तरात्मक	दीर्घउत्तरात्मक	निबन्धात्मक	बहुविकल्पात्मक	रिक्तस्थान	अतिलघुत्तरात्मक	लघुत्तरात्मक	दीर्घउत्तरात्मक	निबन्धात्मक	बहुविकल्पात्मक	रिक्तस्थान	अतिलघुत्तरात्मक	लघुत्तरात्मक	दीर्घउत्तरात्मक	निबन्धात्मक	बहुविकल्पात्मक	रिक्तस्थान	अतिलघुत्तरात्मक	लघुत्तरात्मक	दीर्घउत्तरात्मक	निबन्धात्मक	
1	ईंटें, मनके तथा अस्थियां	1(1)		1(1)								3(1)*		1(1)																		6(4)
2	राजा, किसान और नगर	1(1)			2(1)						2(1)				1(1)																	6(4)
3	बन्धुत्व, जाति तथा वर्ग (लगभग 600ई.पू.से 600ई.)	1(1)								1(1)	2(1)				1(1)	1(1)																6(5)
4	विचारक, विश्वास और इमारतें	1(1)						1(1)							1(1)																4(1)*	7(4)
5	यात्रियों के नजरिए	1(1)		1(1)							2(1)				1(1)	1(1)																6(5)
6	भक्ति सूफी परम्पराएँ	1(1)		1(1)				1(1)				3(1)*				1(1)																7(5)
7	एक साम्राज्य की राजधानी : विजयनगर	1(1)			2(1)						2(1)			1(1)																		6(4)
8	किसान, जमींदार और राज्य	1(1)							1(1)					1(1)		1(1)													2(1)			6(5)
9	उपनिवेशवाद और देहात	1(1)	1(1)					1(1)								1(1)													2(1)			6(5)
10	विद्रोही और राज	1(1)									2(1)													3(1)*								6(3)
11	महात्मा गांधी और राष्ट्रीय आन्दोलन			1(1)			4(1)*	1(1)						1(1)																		7(4)
12	संविधान का निर्माण			1(1)							2(1)							3(1)*														6(3)
13	मानचित्र कार्य																								5(1)*							5(1)
	योग	10(10)	1(1)	5(5)	4(2)		4(1)	4(4)	1(1)	1(1)	12(6)	6(2)		4(4)	4(4)	5(5)		3(1)						3(1)	5(1)				4(2)		4(1)	80(52)
	सर्वयोग	24(19)						24(14)						16(14)						8(2)						8(3)						80(52)

विकल्पों की योजना :– खण्ड 'स' एवं 'द' में प्रत्येक में एक आंतरिक विकल्प है नोट:–कोष्ठक के बाहर की संख्या 'अंकों' की तथा अंदर की संख्या 'प्रश्नों' की द्योतक है।

यह ब्लू प्रिंट केवल मॉडल प्रश्न पत्र का है, बोर्ड का प्रश्न पत्र निर्धारित पाठ्यक्रम एवं अंक योजनानुसार ही होगा।

BSER

बोर्ड परीक्षा परिणाम उन्नयन हेतु ऐतिहासिक पहल ...

शेखावाटी मिशन 100

सत्र: 2024-25

विभिन्न विषयों की नवीनतम PDF डाउनलोड करने हेतु QR CODE स्कैन करें

पढ़ेगा राजस्थान

बढ़ेगा राजस्थान

कार्यालय: संयुक्त निदेशक स्कूल शिक्षा, चूरू संभाग, चूरू (राज.)

SHEKHAWATI MISSION-100 : 2024-25

अध्याय–1 हड़प्पा सभ्यता–ईंट, मनके व अस्थियां
अंक भार 6

वस्तुनिष्ठ प्रश्नः–

1. कौनसा हड़प्पाई स्थल मनके निर्माण के लिए प्रसिद्ध था –

(a) कालीबंगा (b) चन्हूदड़ो (c) धोलावीरा (d) राखीगढ़ी (b)

उत्तर – (b) चन्हूदड़ो

2. 1944 ई. में भारतीय पुरातत्व एवं सर्वेक्षण विभाग के डायरेक्टर जनरल कौन बने –

(a) दयाराम साहनी (b) सर जॉन मार्शल (c) आई. एम. व्हीलर (d) अलेक्जेंडर कनिंघम (c)

उत्तर – (c) आई. एम. व्हीलर।

3. आद्य शिव मुहर कौनसे पुरास्थल से प्राप्त हुई–

(a) कालीबंगा (b) हड़प्पा (c) मोहनजोदड़ो (d) राखीगढ़ी (c)

उत्तर – (c) मोहनजोदड़ो।

4. कौनसे स्थान से बाजरे के दानों के पुरावशेष प्राप्त हुए –

(a) पंजाब (b) राजस्थान (c) गुजरात (d) हरियाणा (c)

उत्तर – (c) गुजरात।

5. किस पुरातत्ववेत्ता के नेतृत्व में धोलावीरा में उत्खनन प्रारंभ हुआ –

(a) एस. आर. राव (b) आर. एस. बिष्ट (c) आई. एम. व्हीलर (d) मैके (b)

उत्तर – (b) आर. एस. बिष्ट।

6. हड़प्पा सभ्यता के नगरों के भवन किससे बने होते थे –

(a) पक्की ईंटों से (b) पत्थर से (c) लकड़ी से (d) कच्ची ईंटों से (a)

उत्तर – (a) पक्की ईंटों से।

7. सिंधु घाटी सभ्यता में सड़कों का निर्माण किस पद्धति से किया गया –

(a) ग्रिड (b) वृत्ताकार (c) त्रिकोणीय (d) इनमें से कोई नहीं (a)

उत्तर – (a) ग्रिड।

8. मोहनजोदड़ो में कुओं की कुल संख्या कितनी थी –

(a) 200 (b) 70 (c) 700 (d) 1000 (c)

उत्तर – (c) 700

9. कौनसे हड़प्पाई पुरास्थल से एक साथ दो अलग–अलग फसलें उगाने के अवशेष प्राप्त हुए हैं–

(a) कालीबंगा (b) चन्हूदड़ो (c) धोलावीरा (d) राखीगढ़ी (a)

उत्तर – (a) कालीबंगा

10. मोहनजोदड़ो के विशाल स्नानागार के जलाशय के तल में जाने के लिए कौनसे भाग में सीढ़ियां बनी हुई थी –

(a) उत्तरी (b) दक्षिणी (c) (a) एवं (b) दोनों (d) पश्चिमी (c)

उत्तर – (c) (a) एवं (b) दोनों।

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न–

1. पुरातत्वविद् 'संस्कृति' शब्द का प्रयोग किसके लिए करते हैं?

उत्तर –पुरातत्वविद् 'संस्कृति' शब्द का प्रयोग पुरावस्तुओं के ऐसे समूह के लिए करते हैं जो एक विशिष्ट शैली से निर्मित होते हैं और सामान्यतः एक साथ, एक विशेष भौगोलिक क्षेत्र तथा कालखंड से संबंधित होते हैं।

2. हड़प्पा सभ्यता की प्रमुख पुरावस्तुओं के नाम बताइए।

उत्तर– मुहरें, मनकें, बाट, पत्थर के फलक और पकी हुई ईंटें।

3. हड़प्पा सभ्यता के पुरास्थलों से कौनसे अनाजों के अवशेष प्राप्त हुए हैं ?

उत्तर – गेहूं, जौ, दाल, सफेद चना, तिल, बाजरा और चावल।

4. हड़प्पा स्थलों से मिली हड्डियों के आधार पर मवेशी व जंगली जानवरों के नाम बताइए।

उत्तर – (अ) मवेशी – भेड़, बकरी, भैंस तथा सूअर

(ब) जंगली जानवर– वराह (सूअर), हिरण तथा घड़ियाल

5. हड़प्पावासी खेत जोतने के लिए कौनसे साधनों का प्रयोग करते थे?

उत्तर – बैल व हल।

6. मिट्टी से बने हल के प्रतिरूप कहां से प्राप्त हुए हैं ?

उत्तर –बनवाली (हरियाणा)।

7. कौनसे पुरास्थल से जुते हुए खेत के साक्ष्य प्राप्त हुए हैं?

उत्तर– कालीबंगन (राजस्थान)।

8. हड़प्पावासियों द्वारा फसल कटाई के लिए प्रयुक्त औजारों के नाम बताइए।

उत्तर – लकड़ी के हत्थों में बैठाए गए पत्थर के फलक व धातु के औजार।

9. उन दो पुरास्थलों के नाम बताइए जिनके आधार पर पुरातत्ववेत्ता यह मानते हैं कि हड़प्पाई लोगों द्वारा कृषि के लिए जल संचय किया जाता था।

उत्तर –(1) नहर के अवशेष– अफगानिस्तान में शोर्तुघई

(2) जलाशय के अवशेष – गुजरात में धोलावीरा।

10. सिंधु घाटी सभ्यता में अनाज पीसने का एकमात्र साधन क्या था ?

उत्तर– अवतल चक्कियां

11. किन्हीं दो आरंभिक हड़प्पा संस्कृति के स्थलों के नाम बताइए।

उत्तर – आमरी नाल व कोटदीजी।

12.. किन्ही दो विकसित हड़प्पा पुरास्थलों के नाम बताइए।

उत्तर – हड़प्पा व मोहनजोदड़ो।

13. सिंधु घाटी सभ्यता की खोज की घोषणा कब और किसके द्वारा की गई?

उत्तर – 1924 ईस्वी में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग के महानिदेशक जॉन मार्शल द्वारा।

14. सिंधु घाटी सभ्यता की सबसे विशिष्ट पुरावस्तु क्या है?

उत्तर – हड़प्पाई मुहर (सेलखड़ी नामक पत्थर से निर्मित)।

15. भारतीय पुरातात्विक सर्वेक्षण विभाग के प्रथम डायरेक्टर जनरल कौन थे /भारतीय पुरातत्व का जनक किसे कहा जाता है?

उत्तर – अलेक्जेंडर कनिंघम (1875 ई.)

16. अवतल चक्कियां हड़प्पा सभ्यता के किस स्थल से प्राप्त हुई है ?

उत्तर – मोहनजोदड़ो ।

17. शंख से वस्तुएं बनाने के दो प्रमुख केंद्रों के नाम बताइए।

उत्तर – नागेश्वर व बालाकोट।

18. परिपक्व हड़प्पा सभ्यता का काल निर्धारण कितना किया गया है ?

उत्तर – 2600 ई. पू. से 1900 ई. पू. के मध्य।

19. कौनसे हड़प्पाई स्थलों में पूरी बस्ती किलेबंद थी ?

उत्तर – धोलावीरा व लोथल (गुजरात)।

20. मनके निर्माण में किन पदार्थों का प्रयोग किया जाता था ?

उत्तर – कार्नीलियन, जैस्पर, स्फटिक, क्वार्टज तथा सेलखड़ी, तांबा, कांसा व सोना ।

21. हड़प्पा कालीन भवनों में भूमि तल पर बनी दीवारों में खिड़कियों की अनुपस्थिति किस बात की ओर इशारा करती है ?

उत्तर–हड़प्पाई लोगों द्वारा अपनी एकांतता को दिए जाने वाले महत्व को।

22. मोहनजोदड़ो की ऐसी सार्वजनिक संरचनाएं कौनसी हैं जिनका प्रयोग विशिष्ट सार्वजनिक प्रयोजन के लिए किया जाता था?

उत्तर–मालगोदाम और विशाल स्नानागार।

23. फॉयान्स क्या हैं?

उत्तर– घीसी हुई रेत अथवा बालू तथा रंग और चिपचिपे पदार्थ के मिश्रण को पकाकर बनाए गए पदार्थ जिनसे कीमती छोटे पात्र बनाए जाते थे।

24. पूरी तरह से शिल्प उत्पादन मे संलग्न बस्ती कौनसी थी?

उत्तर– चन्हूदड़ो।

25. मनको में छेद करने के उपकरण कहां से मिले है ?

उत्तर– चन्हूदड़ो, लोथल तथा धोलावीरा में।

26. लाजवर्द मणि का सबसे अच्छा स्रोत था ?

उत्तर–सुदूर अफगानिस्तान में शोर्तुघई के निकट।

27. कार्नेलियन कहां से प्राप्त किया जाता था?

उत्तर–गुजरात के भडौच में स्थित लोथल से।

28. हड़प्पा काल में मोहर निर्माण हेतु सेलखड़ी कहां से प्राप्त की जाती थी ?

उत्तरः–दक्षिणी राजस्थान तथा उत्तरी गुजरात से।

29. तांबे की असाधारण संपदा कहां से मिली है?

उत्तरः–गणेश्वर–जोधपुरा (खेतड़ी क्षेत्र) से।

30. हड़प्पावासी तांबा कहां से प्राप्त करते थे?

उत्तरः–खेतड़ी क्षेत्र के गणेश्वर–जोधपुरा से तथा अरब प्रायद्वीप के दक्षिण पूर्वी छोर पर स्थित ओमान से।

31. मेसोपोटामिया के लेखों में मगान का उल्लेख किसके लिए हुआ है ?

उत्तर–ओमान के लिए तांबे के एक स्रोत के संदर्भ में।

32. मेसोपोटामिया के लेख में दिलमून शब्द किसके लिए प्रयुक्त हुआ है ?

उत्तर– बहरीन द्वीप के लिए।

33. मेसोपोटामिया के लेखों में मेलूहा शब्द किसके लिए प्रयुक्त हुआ है?

उत्तर– हड़प्पा सभ्यता के लिए (शाब्दिक अर्थ– नाविकों का देश)।

34. पुरातत्वविदों के अनुसार मेलूहा का हाजा पक्षी क्या था?

उत्तर–मोर।

35. मेसोपोटामिया के लेखों में नाविकों का देश किसे कहा गया है?

उत्तर–मेलूहा (हड़प्पा/सिंधु सभ्यता) को।

36. ऋग्वेद में उल्लेखित "पुर" शब्द का अर्थ है?

उत्तर– प्राचीन किला या गढ़।

37. पुरंदर किसे कहा गया है ?

उत्तर– आर्यों के युद्ध के देवता इन्द्र को पुरंदर अर्थात गढ़ विध्वंसक कहा गया है।

38. हड़प्पा के समान मुहरें मोहनजोदड़ो से किस पुरातत्ववेता ने खोजी ?

उत्तर–राखलदास बनर्जी।

39. खुदाई में एक समान क्षैतिज इकाइयों के बजाय नई तकनीक टिले के स्तर विन्यास का अनुसरण का आरंभ किसके द्वारा किया गया?

उत्तर–आर ई एम व्हीलर द्वारा।

40. वेदियों के साक्ष्य कहां से मिले हैं ?

उत्तर–कालीबंगा और लोथल से।

41. किन संरचनाओं को अनुष्ठान के महत्व का माना गया है ?

उत्तर–मोहनजोदड़ो के विशाल स्नानागार तथा कालीबंगा व लोथल की वेदियों को।

42. ऋग्वेद का संकलन काल कब माना गया है ?

उत्तर–लगभग 1500 ई.पू. से 1000 ईसा पूर्व।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्नः–

1. सिंधु घाटी सभ्यता के संदर्भ में निम्न में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए –

(i) जल निकास प्रणाली (ii) गणेश्वर– जोधपुरा संस्कृति

(iii) हड़प्पा लिपि (iv) बाट प्रणाली

उत्तर –**(i) जल निकास प्रणाली –**

हड़प्पा शहरों की सबसे अनूठी विशेषता उनकी नियोजित जल निकास प्रणाली थी। सड़कों और गलियों को ग्रिड पद्धति से बनाया गया था और यह एक दूसरे को समकोण पर काटती थी। ऐसा प्रतीत होता है कि पहले नालियों के साथ गलियों/सड़कों को बनाया गया था और फिर उनके अगल–बगल में आवासों का निर्माण किया गया था। आवासों को गली की नालियों से जोड़ा गया था। घरों की नालियां पहले एक हौदी या मलकुंड में खाली होती थी और गंदा पानी गली की नालियों में बह जाता था।

(ii) गणेश्वर–जोधपुरा संस्कृति –

राजस्थान के खेतड़ी क्षेत्र में मिले साक्ष्यों को पुरातत्ववेत्ताओं ने गणेश्वर–जोधपुरा संस्कृति के नाम से पुकारा है। इस संस्कृति के विशिष्ट मृदभांड हड़प्पाई मर्दभांडों से भिन्न हैं तथा यहां तांबे की वस्तुओं की विपुल संपदा मिली है। राजस्थान के खेतड़ी क्षेत्र से हड़प्पा सभ्यता के लोग तांबा आयात करते थे।

(iii) हड़प्पा लिपि –

सिंधु घाटी सभ्यता की लिपि को अभी तक पढ़ा नहीं जा सका है अतः इसे रहस्यमयी लिपि के नाम से जाना जाता है। सिंधु घाटी सभ्यता के अधिकांश अभिलेख संक्षिप्त हैं तथा सबसे लंबे अभिलेख में लगभग 26 चिन्ह हैं। सिंधु घाटी सभ्यता की लिपि में कोई निश्चित वर्णमाला नहीं थी, इसमें चिन्हों की संख्या लगभग 375 से 400 के मध्य है। यह लिपि दाएं से बांये लिखी जाती थी।

(iv) बाट प्रणाली –

सिंधु घाटी सभ्यता के बाट एक सूक्ष्म या परिशुद्ध प्रणाली द्वारा नियंत्रित थे। यह बाट चर्ट नामक पत्थर से बनाए जाते थे। सामान्यतः यह किसी भी प्रकार के निशान से रहित और घनाकार होते थे। इन बाटों के निचले मानदंड द्विआधारी (1,2,4,8,16,32 इत्यादि 12800 तक) थे, जबकि ऊपरी मानदंड दशमलव प्रणाली के अनुसार थे।

2. आप किस आधार पर कह सकते हैं कि सिंधु सभ्यता में आंतरिक और विदेशी व्यापार दोनों ही उन्नत अवस्था में थे ?

उत्तर – सिंधु घाटी सभ्यता में व्यापार एवं वाणिज्य की स्थिति–

(i) आंतरिक व्यापार –

सिंधु घाटी सभ्यता में आंतरिक व्यापार उन्नत अवस्था में था। हड़प्पावासी शिल्प उत्पादन हेतु माल प्राप्त करने के लिए कई तरीके अपनाते थे, उदाहरण के लिए, उन्होंने नागेश्वर और बालाकोट में जहां शंख आसानी से उपलब्ध था, बस्तियां स्थापित की। अत्यंत कीमती माने जाने वाले नीले रंग के पत्थर लाजवर्द मणि के प्राप्ति स्थल के निकट सुदूर अफगानिस्तान में शोर्तुघई नामक बस्ती का निर्माण किया गया। सिंधुवासी कार्नीलियन गुजरात के भड़ौच क्षेत्र (लोथल), सेलखड़ी नामक पत्थर दक्षिणी राजस्थान और उत्तरी गुजरात से तथा तांबा राजस्थान के खेतड़ी से आयात करते थे। सिंधु वासी सोने का आयात दक्षिण भारत से करते थे। इन क्षेत्रों में यदा–कदा प्राप्त होने वाली हड़प्पाई पुरावस्तुएं आंतरिक व्यापार की पुष्टि करती हैं।

(ii) सुदूर क्षेत्रों से संपर्क/ विदेशी व्यापार –

सिंधुवासियों के अपने समकालीन विदेशी सभ्यताओं के साथ घनिष्ठ व्यापारिक संबंध थे। सिंधुवासी तांबे का आयात खेतड़ी क्षेत्र के अलावा मगान (ओमान) से भी करते थे। मेसोपोटामिया के पुरास्थलों से प्राप्त हड़प्पाई मुहर, बाट और मनके विदेशी व्यापार की पुष्टि करते हैं। प्राचीन मेसोपोटामिया के लेखों में हड़प्पा को मेलूहा नाम से संबोधित किया गया है जिसका शाब्दिक अर्थ होता है – नाविकों का देश। मुहरों पर जहाज तथा नावों का चित्रांकन इस बात की पुष्टि करता है कि हड़प्पा काल में सामुद्रिक व्यापार उन्नत अवस्था में था।

3. मनके निर्माण की प्रक्रिया का वर्णन कीजिए।

उत्तर– मनके निर्माण की प्रक्रिया/विधि–

मनके का कार्य सिंधु निवासियों के प्रमुख शिल्प कार्यों में से एक था। मनके बनाने की तकनीकों में प्रयुक्त पदार्थ के अनुसार भिन्नताएं थी –

(i) सेलखड़ी एक मुलायम पत्थर था। सेलखड़ी चूर्ण के लेप को सांचे में डालकर सूक्ष्म मनकों का निर्माण किया जाता था।

(ii) कार्नीलियन का लाल रंग, पीले रंग के कच्चे माल तथा उत्पादन के विभिन्न चरणों में मनकों को आग में पकाकर प्राप्त किया जाता था।

(iii) पत्थर के पिंडों को पहले अपरिष्कृत आकारों में तोड़ा जाता था फिर बारीकी से शल्क निकालकर इन्हें अंतिम रूप दिया जाता था। घिसाई, पॉलिश और इनमें छेद करने के साथ ही यह प्रक्रिया पूरी होती थी।

महत्वपूर्ण तथ्य – चन्हूदड़ो, लोथल तथा धोलावीरा से मनके निर्माण के उपकरणों के साक्ष्य प्राप्त हुए हैं।

4. हड़प्पा सभ्यता का अंत किन कारणों से हुआ ? उल्लेख कीजिए। (कोई तीन कारण)

उत्तर – हड़प्पा सभ्यता के अंत के संभावित कारण–

(i) सिंधु नदी के मार्ग बदलने और जलवायु परिवर्तन से संभवतः हड़प्पा सभ्यता नष्ट हो गई।

(ii) सिंधु नदी की बाढ़।

(iii) नदियों के सूख जाने के कारण रेगिस्तान का प्रसार।

(iv) वनों की कटाई के कारण भूमि में नमी की कमी, से रेगिस्तान का प्रसार।

(v) सुदृढ़ एकीकरण के अभाव में संभवतः हड़प्पाई राज्य का अंत हो गया।

5. मोहनजोदड़ो के संदर्भ में निम्नलिखित प्रमुख विशेषताओं पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए–

(i) एक नियोजित शहरी केंद्र **(ii)** गृह स्थापत्य

अथवा

'मोहनजोदड़ो एक नियोजित शहरी केंद्र था।' व्याख्या कीजिए।

अथवा

मोहनजोदड़ो के गृह स्थापत्य की तीन विशेषताएं बताइए।

उत्तर – **(i) मोहनजोदड़ो का एक नियोजित शहरी केंद्र के रूप में मूल्यांकन –**

हड़प्पा सभ्यता का सबसे अनूठा पहलू शहरी केंद्रों का विकास था। हड़प्पा सभ्यता का सबसे प्रसिद्ध पुरास्थल मोहनजोदड़ो में बस्ती दो भागों में विभाजित थी – दुर्ग और निचला शहर। दुर्ग की ऊंचाई का कारण यह था कि यहां की संरचना कच्ची ईंटों के चबूतरे पर बनी थी। दुर्ग को दीवार से घेरकर निचले शहर से अलग किया गया था। निचला शहर भी दीवार से घेरा गया था। एक बार चबूतरों के यथास्थान बनने के बाद शहर का सारा भवन– निर्माण कार्य चबूतरों पर एक निश्चित क्षेत्र तक सीमित था। इसलिए ऐसा प्रतीत होता है कि पहले बस्ती का नियोजन किया गया था और फिर उसके अनुसार क्रियान्वयन। मोहनजोदड़ो में दुर्ग भाग की प्रमुख इमारतें माल गोदाम एवं विशाल स्नानागार मानी जाती हैं।

(ii) मोहनजोदड़ो के गृह स्थापत्य की प्रमुख विशेषताएं –

(a) मोहनजोदड़ो का निचला शहर आवासीय भवनों के उदाहरण प्रस्तुत करता है इनके भवन प्रायः पक्की ईंटों से बने होते थे। इनमें से कई आवास एक आंगन पर केंद्रित थे जिसके चारों ओर कमरें बने थे। संभवतः आंगन गर्म और शुष्क मौसम में खाना पकाने और कताई करने जैसी गतिविधियों का केंद्र था।

(b) मोहनजोदड़ो के घरों में भूमि तल पर बनी दीवारों में खिड़कियां नहीं थी। इसका कारण इनके द्वारा अपने एकांत को दिए जाने वाला महत्व था। इसके अतिरिक्त मुख्य द्वार से आंतरिक भाग और आंगन को नहीं देखा जा सकता था।

(c) प्रत्येक घर का ईंटों के फर्श से बना अपना स्नानागार होता था जिसकी नालियां दीवार के माध्यम से सड़क की नालियों से जुड़ी हुई थी।

6. मोहनजोदड़ो के दुर्ग भाग की प्रमुख संरचनाओं पर प्रकाश डालिए।

उत्तर – मोहनजोदड़ो पुरास्थल के दुर्ग भाग से हमें जिन संरचनाओं के साक्ष्य मिलते हैं, उनमें से सबसे प्रमुख संरचनाएं माल गोदाम और विशाल स्नानागार हैं। जिनका प्रयोग संभवतः विशिष्ट सार्वजनिक प्रयोजनों के लिए किया जाता था –

(i) माल गोदाम –

माल गोदाम एक ऐसी विशाल संरचना है जिसके ईंटों से बने केवल निचले हिस्से शेष हैं जबकि ऊपरी हिस्से जो संभवतः लकड़ी से बने थे, बहुत पहले ही नष्ट हो गए।

(ii) विशाल स्नानागार–

विशाल स्नानागार विशाल आंगन में बना एक आयताकार जलाशय है जो चारों ओर से एक गलियारे से घिरा हुआ है। जलाशय के तल तक जाने के लिए इसके उत्तरी और दक्षिणी भाग में सीढ़ियां बनी हुई थी। जलाशय के किनारों पर ईंटों को जमा कर तथा जिप्सम के गारे के प्रयोग से इसे जलबद्ध किया गया था। इसके तीनों ओर कक्ष बने थे जिनमें से एक बड़ा कुआं था। एक गलियारे के दोनों ओर चार–चार स्नानागार बने थे। संभवतः इस स्नानागार का प्रयोग किसी विशेष अनुष्ठानिक स्नान के लिए किया जाता था।

अध्याय –2 आरंभिक राज्य और अर्थव्यवस्थाएं– (राजा, किसान और किसान) अंक भार (6)

वस्तुनिष्ठ प्रश्नः–

1. ब्राह्मी व खरोष्ठी लिपियों को पढ़ने वाला था–
   (a) जौन मार्शल (b) कनिन्नम (d)
   (c) व्हीलर (d) प्रिंसेप
2. बौद्ध और जैन धर्म के आरम्भिक ग्रन्थों मे कितने महाजनपदों का उल्लेख मिलता है?
   (a) 8 (b) 18 (c)
   (c) 16 (d) 14
3. अशोक के अधिकांश अभिलेखो की भाषा व लिपि हैः–
   (a) ब्राह्मी, प्राकृत (b) ब्राह्मी, पालि (a)
   (c) हिन्दी, प्राकृत (d) खरोष्ठी, प्राकत
4. अर्थशास्त्र का रचियता कौन था ?
   (a) बाणभट्ट (b) चाणक्य (b)
   (c) कल्हण (d) मेगस्थनीज
5. महानपदों में सबसे शक्तिशाली महाजनपद कौनसा था–
   (a) मगध (b) अंग (a)
   (c) काशि (d) चम्पा
6. मगध की प्रारम्भिक राजधानी थी–
   (a) राजगाह (b) पाटलीपुत्र (a)
   (c) वाराणसी (d) चम्पा
7. मौर्य शासको की राजधानी पाटलीपुत्र का वर्तमान नाम क्या है?
   (a) पटना (बिहार) (b) वाराणसी (उ.प्र.) (b)
   (c) उज्जैन (म.प्र.) (d) मथुरा (उ.प्र.)

8. शासको की प्रतिमा और नाम के सिक्के सर्वप्रथम किस राजवंश के राजाओं ने जारी किये थे?

उत्तर– हिंद–यूनानी शासक

9. कौनसे शासक अपने नाम के आगे 'देवपुत्र' की उपाधि लगाते थे ?

(a) कुषाण शासक (b) शुंग शासक (a)

(c) सातवाहन शासक (d) मौर्य शासक

10. मौर्य साम्राज्य का सबसे महत्वपूर्ण राजनीतिक केन्द्र था–

(a) तक्षशिला (b) उज्जयिनी (a)

(c) पाटलीपुत्र (d) सुवर्णगिरी

11. आरंभिक भारत का सबसे प्रसिद्ध विधिग्रथ है–

(a) सामवेद (b) मनुस्मृति (b)

(c) रामायण (d) महाभारत

12. चाँदी और ताँबे से बने प्राचीनत्तम सिक्के है–

(a) आहत (b) मुहर (a)

(b) दीनार (d) दाम

13. सर्वप्रथम सोने के सिक्के किन शासको ने जारी किए ?

(a) शक (b) कुषाण (b)

(c) मौर्य (d) गुप्त

14. किस शासक के लिए देवनांप्रिय उपाधि का प्रयोग हुआ है?

(a) समुद्रगुप्त (b) चन्द्रगुप्त (d)

(c) अकबर (d) अशोक

15. कलिंग विजय किस शासक ने की?

(a) अशोक (b) चन्द्रगुप्त (a)

(c) समुद्रगुप्त (d) वाराणसी

16. मौर्य साम्राज्य (मगध) की राजधानी बताइए–

(a) पाटलिपुत्र (b) विराटनगर (a)

(c) मथुरा (d) वाराणसी

17. मौर्य साम्राज्य का संस्थापक कौन था ?

(a) चन्द्रगुप्त मौर्य (321 ई.पू.) (b) अशोक (a)

(c) समुद्रगुप्त (d) अकबर

18. बुद्ध के पूर्व जन्म की कहानियां है–

(a) जातक कथाएं (b) आगम (a)

(c) पूर्व (d) पिटक

19. 'हर्षचरित' की रचना किसने की थी ?

(a) बाणभट्ट (b) कालिदास (a)

(c) चाणक्य (d) कौटिल्य

शेखावाटी मिशन–100

20. उत्पादकों और व्यापरियों के संघ क्या कहलाते है?
(a) श्रेणी (b) समुह (a)
(b) विभाग (d) समुदाय

21. कौनसे ग्रन्थ में यह बताया गया है कि एक कुटिल राजा की प्रजा किस प्रकार दुःखी रहती है?
(a) गंदतिन्दु जातक (b) मनुस्मृति (a)
(c) प्रयाग प्रशस्ति (d) पिटक

22. ऐसा राज्य जहां कई लोगों का समूह शासन करता तथा इस समूह का प्रत्येक व्यक्ति राजा कहलाता था, वे किस नाम से प्रसिद्ध थे–
(a) गण और संघ (b) संघ (a)
(c) जन (d) नगर

23. जातक कथाओं की भाषा है–
(a) पालि (b) प्राकृत (a)
(c) हिन्दी (d) संस्कृत

24. सिक्कों का अध्ययन कहलाता है–
(a) मुद्रशास्त्र (b) वनस्पती शास्त्र (a)
(c) रसायन शास्त्र (d) एपिग्राफी

25. ईस्ट इंडिया कंपनी के एक अधिकारी जेम्स प्रिंसेप के संबंध में सत्य कथन हैः–
(a) जेम्स प्रिंसेप ने खरोष्ठी लिपि का अर्थ निकाला।
(b) अधिकांश अभिलेखों और सिक्कों पर पियदस्सी यानी मनोहर मुखाकृति वाले राजा का नाम लिखा है।
(b) कुछ अभिलेखों पर राजा का नाम अशोक भी लिखा है।
(d) उपरोक्त सभी। (d)

26. छठी शताब्दी ईसा पूर्व के संबंध में सत्य कथन हैः–
(a) भारतीय इतिहास में इसे एक महत्वपूर्ण परिवर्तनकारी काल माना जाता है।
(b) इसे आरंभिक राज्य, नगरों तथा लोहे के बढ़ते प्रयोग और सिक्कों के विकास के साथ जोड़कर देखा जाता है।
(c) इसी काल में बौद्ध एवं जैन सहित विभिन्न दार्शनिक विचारधाराओं का विकास हुआ।
(d) उपरोक्त सभी। (d)

27. मेगस्थनीज ने सैनिक गतिविधियों के संचालन के लिए एक समिति और ..... उप समितियों का उल्लेख किया है–
(a) 5 (b) 6 (c) 8 (d) 10 (b)

28. दक्कन और उससे दक्षिण के क्षेत्र में स्थित तमिलकम में किन सरदारों का उद्‌भव हुआ–
(a) चोल (b) चेर (c) पाण्डेय (d) उपरोक्त सभी। (d)

29. आधुनिक भारतीय भाषाओं में प्रयुक्त लगभग सभी लिपियों का मूल..... है –

(a) ब्राह्मी लिपि (b) खरोष्ठी (c) अरामईक (d) यूनानी (a)

30. पश्चिमोत्तर अभिलेखों में प्रयुक्त लिपि है–

(a) खरोष्ठी (b) प्राकृत (c) पाली (d) संस्कृत (a)

अति लघुत्तरात्मक प्रश्नः–

1. ..... के नाम से प्रसिद्ध राज्यों में कई लोगों का समूह शासन करता था।

उत्तर– गण और संघ।

2. भगवान महावीर और भगवान बुद्ध ..... से संबंधित थे।

उत्तर– गणों।

3. छठी शताब्दी ईसा पूर्व से संस्कृत में ब्राह्मणों ने ..... नामक ग्रंथों की रचना शुरु की।

उत्तर– धर्मशास्त्र।

4. मौर्य साम्राज्य के संस्थापक ..... का शासन पश्चिमोत्तर ..... तक फैला था।

उत्तर–चंद्रगुप्त मौर्य, अफगानिस्तान और बलूचिस्तान।

5. धम्म के प्रचार के लिए अशोक ने..... नामक विशेष अधिकारियों की नियुक्ति की।

उत्तर– धम्म महामात्त।

6. सिलप्पादिकारम .....है।

उत्तर– तमिल महाकाव्य।

7. कुषाण शासकों की विशालकाय मूर्तियां कहां लगाई गई थी?

उत्तर– उत्तर प्रदेश में मथुरा के पास माट में।

8. कुषाण शासको को प्रेरित करने वाले चीनी शासक स्वयं को ..... कहते थे।

उत्तर– स्वर्ग–पुत्र।

9. गुप्त शासकों का इतिहास किन स्त्रोतों की सहायता से लिखा गया है?

उत्तर–साहित्य, सिक्कों और अभिलेखों तथा कवियों द्वारा अपने राजा या स्वामी की प्रशंसा में लिखी गई प्रशस्तियों की सहायता से।

10. इलाहाबाद स्तंभ लेख..... के नाम से प्रसिद्ध है।

उत्तर– प्रयाग प्रशस्ति।

11. हरिषेण कौन था ?

उत्तर–समुद्रगुप्त का राजकवि जिसने प्रयाग प्रशस्ति की रचना संस्कृत भाषा में की।

12. सुदर्शन झील का पुनर्निर्माण किसने करवाया ? ?

उत्तर– शक शासक रुद्रदामन ने।

13. किसान खासतौर पर क्यों त्रस्त रहते थे?

उत्तर–क्योंकि शासक अपने राजकोष को भरने के लिए बड़े बड़े करो की मांग करते थे।

14. पाली भाषा में गणपति का प्रयोग किसके लिए किया जाता है ?

उत्तर–छोटे किसानों और जमीदारों के लिए।

15. आरंभिक तमिल संगम साहित्य में गांव के किन वर्गों का उल्लेख है?

उत्तर–वेल्लालर (बड़े जमीदार), उल्वर (हलवाहा) और दास अणिमई जैसे वर्गों का।

16. मनुस्मृति क्या है?

उत्तर–आरंभिक भारत का सबसे प्रसिद्ध विधि ग्रंथ जिसे संस्कृत भाषा में दूसरी शताब्दी ईसा पूर्व से दूसरी शताब्दी ईस्वी के बीच लिखा गया।

17. जातक कथाओं के अनुसार करों के बचने के लिए जनता क्या उपाय करती थी ?

उत्तर–इससे बचने के लिए एक उपाय जंगल की ओर भाग जाना होता था।

18. भूमि दान क्या थे ?

उत्तर–वे साधारण तौर पर धार्मिक संस्थाओं या ब्राह्मणों को दिए गए दान थे।

19. प्रभावती गुप्ता कौन थी ?

उत्तर–आरंभिक भारत के सबसे महत्वपूर्ण शासक चंद्रगुप्त द्वितीय की पुत्री जिसने अपने पति की मृत्यु के बाद शासन किया।

20. हर्षचरित के लेखक कौन थे ?

उत्तर– हर्षवर्धन के राजकवि बाणभट्ट।

21. किन लोगों पर अधिकारियों, सामंतों का नियंत्रण नहीं था ?

उत्तर–पशुपालक, संग्राहक, शिकारी, मछुआरे, शिल्पकार, घुमक्कड़ तथा एक ही स्थान पर रहने वाले और जगह–जगह घूम कर खेती करने वाले लोग।

22. उत्तरी कृष्ण मार्जित पात्र किसे कहा गया है?

उत्तर–उत्कृष्ट श्रेणी के मिट्टी के कटोरे और थालियां जिन पर चमकदार कली चढ़ी है।

23. श्रेणी क्या थी?

उत्तर– उत्पादकों और व्यापारियों के संघ।

24. मस्तथुवन, सत्थवाह और सेट्टी कौन थे ?

उत्तर–बड़े, सफल और धनी व्यापारी।

25. सबसे पहले कौन से सिक्के प्रयोग में लाए गए?

उत्तर–चांदी और तांबे के आहत सिक्के।

26. पंजाब और हरियाणा जैसे क्षेत्रों में.....ने भी अपने सिक्के जारी किए थे?

उत्तर–यौधेय कबायली गणराज्यों।

27. प्राचीनतम अभिलेख वस्तुतः..... में थे।

उत्तर– प्राकृत।

28. प्रतिवेदक कौन थे और इनकी नियुक्ति किसने आरंभ की?

उत्तर–सम्राट अशोक द्वारा नियुक्त लोगों के समाचार राजा तक पहुंचाने वाले संवाददाता।

29. अशोक के धर्म के सिद्धांत ..... थे।

उत्तर–सरल और सार्वभौमिक।

30. प्रभावती गुप्त द्वारा दंगुन गांव का दान किसे किया गया ?

उत्तर–आचार्य चनालस्वामी को।

31. कुटुंबिन कौन होते थे ?

उत्तर–गांव के गृहस्थ और कृषक।

32. मौर्यकालीन सैनिक और प्रशासनिक संगठन के बारे में विस्तृत विवरण किस ग्रंथ में मिलते हैं?

उत्तर–अर्थशास्त्र में (चाणक्य/कौटिल्य द्वारा लिखित)

लघुतरात्मक प्रश्न–

1. मौर्यवंश की जानकारी के प्रमुख स्रोत कौन–कौनसे थे?

उत्तर– (i) चन्द्रगुप्त के दरबारी विद्वान व यूनानी राजदूत मेगस्थनीज की पुस्तक इण्डिका।

(ii) चद्रगुप्त के मंत्री कौटिल्य/चाणक्य की पुस्तक अर्थशास्त्र।

(iii) अशोक के अभिलेख।

(iv) जैन, बौद्ध पौराणिक ग्रन्थ।

2. 'प्रयाग प्रशस्ति' पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

उत्तर– अन्य नाम – इलाहाबाद स्तंभ अभिलेख

रचयिता – हरिषेण (गुप्त शासक समुद्रगुप्त के राजकवि।)

भाषा– संस्कृत

'प्रयाग प्रशस्ति' से हमें समुद्रगुप्त के जीवन, विजयों, व्यक्तिगत गुणों, तत्कालीन राजनीतिक दशा आदि के बारे मे जानकारी मिलती है।

3. अभिलेखों से प्रभावती गुप्त के भूमिदान किए जाने के बारे क्या जानकारी मिलती है?

उत्तर– प्रभावती गुप्त सम्राट चन्द्रगुप्त द्वितीय (लगभग 375–415 ई.) की पुत्री थी। संस्कृत धर्मशास्त्रों के अनुसार स्त्रियों को भूमि जैसी सम्पति पर स्वतन्त्र अधिकार नहीं था। परन्तु एक अभिलेख से ज्ञात होता है कि प्रभावती गुप्त भूमि की स्वामिनी थी और उसने भूमिदान भी किया था। (दंगुन गाँव)

4. 'हर्षचरित' पर टिप्पणी लिखो।

उत्तर– हर्षचरित संस्कृत मे लिखी गई कन्नौज के शासक हर्षवर्धन की जीवनी है। इसके लेखक बाणभट्ट (लगभग सातवीं शताब्दी ई.) हर्षवर्धन के राजकवि थे।

5. छठी शताब्दी ई. पूर्व में उपज बढ़ाने के तरीकों का उल्लेख करो।

उत्तर– (i) लोहे के फाल वाले हलों का प्रचलन।

(ii) गंगा घाटी में धान की रोपाई।

(iii) सिचाई के लिए कुओं, तालाबों और नहरों का निर्माण।

शेखावाटी मिशन–100

6. अभिलेख आज भी इतिहास की जानकारी के महत्त्वपूर्ण साधन है। स्पष्ट कीजिए।

अथवा

वर्तमान इतिहास लेखन में अभिलेखों की उपादेयता सिद्ध कीजिए।

उत्तर–(i) अभिलेखों में उन लोगों की उपलब्धियों, क्रियाकलापों तथा विचारो का उल्लेख मिलता है जो उन्हें बनवाते हैं।

(ii) इनमें राजाओं के क्रियाकलापों तथा महिलाओं और पुरुष द्वारा धार्मिक संस्थाओं को दिए दान का विवरण होता है।

7. मगध के शक्तिशाली महाजनपद के रूप में उदय के प्रमुख कारण लिखिए (कोई दो कारण)

उत्तर– (i) मगध क्षेत्र में लोहे की खदान भी सरलता से उपलब्ध थी अतः लोहे से कृषि उपकरण और हथियार बनाना आसान होता है।

(ii) मगध के जंगलो में बड़ी संख्या में हाथी उपलब्ध थे। ये हाथी मगध राज्य की सेना के एक महत्वपूर्ण अंग थे।

8. अशोक के धम्म से आप क्या समझते हैं?

उत्तर– अशोक ने प्रजा के नैतिक उत्थान के लिए जिन नियमों व आदर्शो की संहिता प्रस्तुत की, वे 'धम्म' कहलाए।

(i) अशोक के धम्म के सिद्धान्त बहुत ही सरल और सार्वभौमिक थे।

9. अभिलेखो से प्राप्त जानकारी की कोई दो सीमा बताइए।

उत्तर– (i) अभिलेख हमेशा केवल उन्हीं व्यक्तियों के विचार व्यक्त करते है जो उन्हे बनवाते थे। इस कारण अन्य पहलुओं के बारे में जानकारी प्राप्त नहीं होती है।

(ii) अभिलेखों के शब्दों के वास्तविक अर्थ के बारे मे पूर्ण रूप से ज्ञान हो पाना सदैव सरल नहीं होता क्योंकि कुछ अर्थ किसी विशेष स्थान या समय से संबधित होते है।

10. हरिषेण द्वारा 'प्रयाग––प्रशस्ति' में समुद्रगुप्त की चारित्रिक विशेषताओं का किस प्रकार वर्णन किया गया है ?

या

समुद्रगुप्त एक बहुआयामी प्रतिभा से युक्त महान शासक था। उक्त कथन की व्याख्या करो।

उत्तर– प्रयाग–प्रशस्ति में हरिषेण ने समुद्रगुप्त के लिए लिखा है कि "धरती पर उनका कोई प्रतिद्वन्द्वी नहीं था। उनके गुणों और शुभ कार्यों से सम्पन्न उन्होने अपने पैर के तलवे से अन्य राजाओं के यश को मिटा दिया है। वे परमात्मा पुरूष हैं, साधु (भले) की समृद्धि और असाधु (बुरे) के विनाश के कारण हैं। वे करूणा से भरे हुए है। उनके मस्तिष्क की दीक्षा दीन–दुःखियों, विरहणियों और पीड़ितो के उद्धार के लिए की गई है। वे देवताओं में कुबेर (धन–देव), वरूण (समुद्र देव) इन्द्र (वर्षा के देवता) और यम (मृत्यु–देव) के तुल्य हैं।

11. शक शासक रूद्रामान के अभिलेख में सुदर्शन झील के बारे में क्या विवरण दिया गया है?

या

आप यह कैसे कह सकते हैं कि रूद्रदामन ने संस्कृत भाषा को बढ़ावा देने का प्रयास किया।

उत्तर– शक शासक रूद्रदामन ने संस्कृत भाषा में जूनागढ़ अभिलेख लिखवाया जिसमें सुदर्शन झील के बारे मे वर्णन है कि जलद्वारों और तटबन्धों वाली इस झील का निर्माण मौर्यकाल में एक स्थानीय राज्यपाल द्वारा किया गया था। परन्तु एक भीषण तुफान के कारण इसके तटबन्ध टुट गए और सारा पानी बह गया। तत्कालीन शासक रूद्रदामन

ने इस झील की मरम्मत अपने खर्च से करवाई थी और इसके लिए अपनी प्रजा से कर भी नहीं लिया था।

12. सुम्मेलित करो–

उत्तर–	महाजनपद	राजधानी
(i)	गांधार	तक्षशिला
(ii)	कोशल	श्रावस्ती
(iii)	काशी	वाराणसी
(iv)	मगध	राजगीर
(v)	कुरू	इन्द्रप्रस्थ
(vi)	पाचाल	अहिच्छत्र
(vii)	अवन्ति	उज्जयिनी
(viii)	शूरसेन	मथुरा

13. महाजनपदों की प्रमुख विशेषताओं की व्याख्या कीजिए।

उत्तर– छठी शताब्दी ईस्वी पूर्व से अस्तित्व में आये अधिकांश महाजनपद राजा द्वारा शासित होते थे लेकिन कुछ महाजनपदों में गण और संघ के नाम से समूह शासन भी होता था। भूमि सहित अनेक आर्थिक स्रोतों पर राजा /गण का सामूहिक नियंत्रण होता था। प्रत्येक महाजनपद की किलेबंद राजधानी होती थी, जिसमें सुरक्षा एवं राज्य कार्य हेतु सेना व व्यवस्थित नौकरशाही होती थी। उस काल में रचित धर्मशास्त्रों के अनुसार राजा क्षत्रिय वर्ण से ही होना चाहिए था तथा अन्य सभी के लिए नियम निर्धारित थे। आर्थिक स्रोत के रूप में राजा किसानों, व्यापारियों और शिल्प कारों से कर वसूलते थे तथा पड़ोसी राज्यों पर आक्रमण भी संपत्ति जुटाने का एक वैध उपाय माना जाता था। कुछ महाजनपदों में स्थाई सेनाएं थी जबकि कुछ राज्य अभी भी कृषक वर्ग से की जाने वाली सहायक सेना पर निर्भर थे।

14. अशोक द्वारा लागू किए गए प्रशासनिक सुधारों के बारे में बताइए।

उत्तर– अशोक मौर्य वंश का सबसे प्रतापी शासक था तथा उसने एक विशाल साम्राज्य की स्थापना की। अशोक ने साम्राज्य में विभिन्न स्थानों पर शिलालेख लगवा कर नागरिकों से संपर्क स्थापित किया और प्रतिवेदकों के माध्यम से जनता की सूचना एकत्र करने की व्यवस्था की। अशोक ने युद्ध नीति का त्याग कर धम्म नीति का अनुसरण किया। जनता के लिए कल्याणकारी कार्य करवाए एवं धम्म प्रचार के लिए धम्म महामात्त नामक विशेष अधिकारियों की नियुक्ति की तथा अपने धम्म के प्रचार के माध्यम से साम्राज्य को अखंड बनाए रखने का प्रयास किया।

15. भारतीय राजनीतिक इतिहास के अध्ययन में जेम्स प्रिंसेप के शोध कार्यों का योगदान बताइए।

उत्तर– जेम्स प्रिंसेप ईस्ट इंडिया कंपनी का अधिकारी था जिसने 1838 ई. में अशोककालीन ब्राह्मी लिपि का अर्थ निकाला तथा शिलालेख प्राप्त किए, जिनमें सम्राट अशोक का वर्णन था एवं बौद्ध ग्रंथों के सर्वाधिक लोकप्रिय शासक अशोक देवानां पियदस्सी के साथ उनका संबंध स्थापित किया। उनके शोध कार्य से भारतीय राजनीतिक इतिहास के अध्ययन को नई दिशा मिली क्योंकि विद्वानों ने प्रमुख राजवंशों की वंशावली की पुनर्रचना के लिए और अन्य भाषाओं के अभिलेखों तथा ग्रंथों के अध्ययन हेतु इसका उपयोग किया। जिसके परिणाम स्वरूप

बीसवीं शताब्दी तक भारत के इतिहास की राजनीतिक रूपरेखा स्पष्ट होकर हमारे सामने आई।

16. छठी शताब्दी ईस्वी पूर्व से छठी शताब्दी ईस्वी तक कृषि के क्षेत्रों में आए मुख्य परिवर्तनों पर चर्चा कीजिए ?

उत्तर– छठी शताब्दी ईसा पूर्व से छठी शताब्दी ईस्वी में उत्पादकता को बढ़ाने के लिए लोहे के फाल वाले हल का प्रयोग, गंगा की घाटी में धान की रोपाई, सिंचाई के लिए कुओं, तालाबों, नहरों का निर्माण एवम् पंजाब और राजस्थान जैसे अर्द्धशुष्क जमीन वाले क्षेत्रों में खेती के लिए कुदाल का प्रयोग महत्वपूर्ण परिवर्तन थे जो इस काल में दृष्टिगोचर होते हैं। उपज बढ़ाने के साधनों पर नियंत्रण के कारण बड़े–बड़े जमींदार और ग्राम प्रधान अधिक शक्तिशाली हो गए तथा किसानों पर अधिक नियंत्रण स्थापित हुआ। शासक वर्ग ने भूमि दान के द्वारा कृषि के नए क्षेत्रों को प्रोत्साहित करने की नीति अपनाई।

17. आरंभिक इतिहासकारों के लिए मौर्य साम्राज्य क्यों महत्वपूर्ण था?

अथवा

मौर्य साम्राज्य का महत्व बताइए?

अथवा

बीसवीं सदी के राष्ट्रवादी नेताओं ने अशोक को प्रेरणा स्रोत क्यों माना?

उत्तर– इतिहासकारों ने जब भारत के आरंभिक इतिहास की रचना शुरू की तो मौर्य साम्राज्य को इतिहास का एक प्रमुख काल माना गया। इस समय भारत ब्रिटिश साम्राज्य के अधीन एक औपनिवेशिक देश था। उन्नीसवीं और आरंभिक बीसवीं सदी के भारतीय इतिहासकारों को प्राचीन भारत में एक ऐसे साम्राज्य की स्थापना की संभावना बहुत चुनौतीपूर्ण तथा उत्साहवर्धक लगी। साथ ही प्रस्तर मूर्तियों सहित मौर्यकालीन सभी पुरातत्व एक अद्भुत कला के प्रमाण थे जो साम्राज्य की पहचान माने जाते थे। अभिलेखों पर लिखें संदेश से इतिहासकारों को अनुभव हुआ कि अन्य राजाओं के अपेक्षा अशोक एक बहुत शक्तिशाली और परिश्रमी तथा लोक कल्याणकारी शासक था। यही कारण है कि बीसवीं सदी के राष्ट्रवादी नेताओं ने भी अशोक को प्रेरणा स्रोत माना।

अध्याय–3 बंधुत्व जाति तथा वर्गः– आरंभिक समाज
अंक भार 6

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. महाभारत का समालोचनात्मक संस्करण तैयार करने की महत्वाकांक्षी परियोजना ..... में आरंभ हुई ।

(a) 1919 (b) 1920 (c) 1930 (d) 1922 (a)

2. समालोचनात्मक संस्करण हेतु महाभारत की विभिन्न लिपियों में लिखी गई .....पांडुलिपियों को एकत्रित किया गया।

(a) तमिल (b) हिंदी (c) संस्कृत (d) पाली (c)

3. महाभारत की मूल भाषा ..... है।

(a) संस्कृत (b) हिंदी (c) तमिल (d) पाली (a)

4. किन शासको को उनके मातृनाम से जाना जाता था ? अथवा किस राजवंश में राजाओं के नाम से पूर्व मातृनाम

(माता का नाम) लिखा जाता था?

(a) गुप्त (b) मौर्य (c) सातवाहन (d) शक (c)

5. स्वयं को अनूठा ब्राह्मण और क्षत्रियों के दर्प का हनन करने वाला किस शासक ने बताया / सातवाहन राजवंश का सबसे प्रसिद्ध शासक कौन था / किस शासक ने यह दावा किया कि उसने चारों वर्णों के बीच विवाह संबंध होने पर रोक लगाई / किस शासक ने शक शासक रुद्रदमन के परिवार से विवाह संबंध स्थापित किया?

(a) गौतमी–पुत सिरी– सातकनि (b) वसिथि पुत– पुलूमावि (a)

(c) यज्ञ सिरी–सातकनी (d) बल – सिरी – सातकनी।

6. मनुस्मृति का संकलन किस भाषा में हुआ था –

(a) हिंदी (b) पाली (c) तमिल (d) संस्कृत (d)

7. धर्म सूत्र और धर्मशास्त्र विवाह के प्रकारों को अपनी स्वीकृति देते हैं –

(a) 5 (b) 6 (c) 8 (d) 10 (c)

8. आरंभिक संस्कृत परंपरा में महाभारत को किस श्रेणी में रखा जाता है?

(a) विज्ञान (b) इतिहास (c) भूगोल (d) गणित (b)

9. विशाल महाकाव्य महाभारत में वर्तमान में कितने श्लोक हैं ?

(a) एक लाख से अधिक (b) दस हजार से अधिक (a)

(c) पचास हजार से अधिक (d) दो लाख से अधिक।

10. वर्ण व्यवस्था को दैवीय व्यवस्था प्रमाणित करने के लिए किस वेद का उदाहरण दिया जाता था –

(a) ऋग्वेद (b) यजुर्वेद (c) सामवेद (d) अथर्ववेद (a)

11. साहित्य परंपरा में महाभारत के रचयिता कौन हैं –

(a) वेदव्यास (b) भाट सारथी (c) सूत (d) वाल्मीकि (a)

12. चांडलों के बारे में कौन सा कथन सत्य नहीं है–

(a) गांव से बाहर रहना (b) लोहे के आभूषण पहनना

(c) फेंके हुए बर्तन इस्तेमाल करना। (d) यज्ञ में भाग लेना (d)

13. कौरवों में ज्येष्ठ / गांधारी का ज्येष्ठ पुत्र कौन था ?

(a) दुर्योधन (b) अर्जुन (c) भीम (d) युधिष्ठिर (a)

14. मनुस्मृति में पुरुषों के लिए धन अर्जित करने के ..... तरीकों का वर्णन है।

(a) 5 (b) 6 (c) 7 (d) 8 (c)

15. मनुस्मृति में स्त्रियों के लिए धन अर्जित करने के तरीकों का वर्णन है।

(a) 3 (b) 6 (c) 8 (d) 5 (b)

17. शास्त्रों के अनुसार केवल ..... राजा हो सकते थे।

(a) क्षत्रिय (b) ब्राह्मण (c) शुद्र (d) वैश्य (a)

रिक्त स्थानों की पूर्ति करो।

1. महाभारत के समालोचनात्मक संस्करण को तैयार करने में ..... का समय लगा।

उत्तर– 47 वर्ष।

2. संस्कृत ग्रंथों में..... शब्द का प्रयोग परिवार के लिए और..... का बांधवों के बड़े समूह के लिए होता है।

उत्तर–कुल, जाति।

3. पिता से पुत्र, फिर पौत्र, प्रपौत्र को संपत्ति ..... व्यवस्था के तहत मिलती है।

उत्तर– पितृवंशिकता।

4. कौरव और पांडव ..... वंश से संबंधित है।

उत्तर–कुरुवंश।

5. ..... में वैवाहिक संबंध समूह के मध्य ही होते हैं।

उत्तर– अंतर्विवाह।

6. अधिकतर राजवंश लगभग (छठी शताब्दी ई. पू. से) ..... प्रणाली का अनुसरण करते थे।

उत्तर– पितृवंशिकता।

7. ..... शौर्य, युद्ध और वर्षा के एक प्रमुख देवता थे।

उत्तर– इंद्र।

8. धर्मसूत्रों और धर्मशास्त्रों में ..... के लिए आदर्श जीविका से जुड़े कई नियम मिलते हैं।

उत्तर– चारों वर्णों।

9. आरंभिक अभिलेखों में से एक में प्रसिद्ध शक राजा..... द्वारा सुदर्शन सरोवर के जीर्णोद्धार का वर्णन मिलता है।

उत्तर– रुद्रदमन/रुद्रदामन।

10. पांचाल नरेश.....ने एक स्वयंवर का आयोजन किया ।

उत्तर– द्रुपद।

11. महाश्वेता देवी की लघु कथा का शीर्षक.....है।

उत्तर– कुंती औ निषादी।

12. शवों की अंत्येष्टि और मृत पशुओं को छूने वालों को ..... कहा जाता है।

उत्तर– चांडाल।

13. .....में चांडलो के कर्तव्यों की सूची मिलती है।

उत्तर – मनुस्मृति ।

14. महाभारत की मुख्य कथा ..... के बीच हुए युद्ध का चित्रण है।

शेखावाटी मिशन-100

उत्तर– दो परिवारों (कौरव और पांडव)।

15. गोत्र प्रणाली ..... प्रचलन में आई।

उत्तर– 1000 ईसवी पूर्व के बाद

18. परिवार एक बड़े समूह का हिस्सा होते हैं, जिन्हें हम ..... कहते हैं।

उत्तर–संबंधी

19. प्रत्येक गोत्र एक ..... के नाम पर होता था।

उत्तर– वैदिक ऋषि।

20. सातवाहन शासक ..... भारत पर शासन करते थे।

उत्तर– दक्षिण–पश्चिम।

21. आप जाति शब्द से परिचित होंगे जो एक ..... वर्गीकरण को दर्शाता है।

उत्तर –सोपानात्मक सामाजिक ।

22. आख्यान में ..... का संग्रह है।

उत्तर– कहानियों।

23. उपदेशात्मकता भाग में ..... के मानदंडों का चित्रण है।

उत्तर– सामाजिक आचार–विचार।

24. महाभारत की मूल कथा के रचयिता.....थे।

उत्तर– भाट सारथी।

25. महाभारत की मूल कथा के रचयिता भाट सारथी थे, जिन्हें ..... कहा जाता था।

उत्तर– सूत।

26. ..... में पुरातत्ववेता ..... ने मेरठ जिले के ..... नामक गांव में उत्खनन किया ।

उत्तर– 1951–52 ई., बी. बी. लाल, हस्तिनापुर।

27. जाति ..... पर आधारित थी।

उत्तर– जन्म।

28. .....को शंका की दृष्टि से देखा जाता था। इन्हें असंस्कृत भाषी ..... समझा जाता था।

उत्तर– यायावर पशुपालकों, मलेच्छ।

29. ..... कुरु वंश के राजकुमारों को धनुर्विद्या की शिक्षा देने वाले गुरु थे।

उत्तर– द्रोणाचार्य।

30. द्रोणाचार्य के प्रिय शिष्य ..... थे।

उत्तर– अर्जुन।

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न–

1. महाभारत के समालोचनात्मक संस्करण को तैयार करने का कार्य कब व किसके नेतृत्व में प्रारंभ हुआ ?

शेखावाटी मिशन–100

उत्तर– 1919 ईस्वी में, प्रसिद्ध संस्कृत विद्वान वी. एस. सुकथांकर के नेतृत्व में।

2. इतिहासकार महाभारत ग्रंथ की विषय वस्तु को किन दो मुख्य शीर्षकों के अंतर्गत रखते हैं?

उत्तर– इतिहासकार महाभारत ग्रंथ की विषय वस्तु को दो मुख्य शीर्षकों के अंतर्गत रखते हैं–

(i) आख्यान– इसमें कहानियों का संग्रह है।

(ii) उपदेशात्मक – इसमें सामाजिक आचार विचार के मानदंडों का चित्रण है।

3. महाभारत का सबसे महत्वपूर्ण उपदेशात्मक अंश कौन सा है?

उत्तर– महाभारत का सबसे महत्वपूर्ण उपदेशात्मक अंश भगवत गीता है, जहां कुरुक्षेत्र की युद्ध भूमि में श्रीकृष्ण अर्जुन को उपदेश देते हैं।

4. महाभारत की सबसे चुनौतीपूर्ण उपकथा कौन सी है ?

उत्तर– महाभारत की सबसे चुनौतीपूर्ण उपकथा द्रोपदी के पांडवों से विवाह की है।

5. लगभग पांचवीं शताब्दी ईस्वी में चीन से भारत आए किस बौद्ध भिक्षु का कहना था कि अस्पृश्यों को सड़क पर चलते हुए करताल बजाकर अपने होने की सूचना देनी पड़ती थी ?

उत्तर– फा–शिएन।

6. लगभग सातवीं शताब्दी ईस्वी में चीन से भारत आए किस चीनी यात्री ने कहा कि वधिक और सफाई करने वाले वालों को नगर से बाहर रहना पड़ता था ?

उत्तर– त्वैन–त्सांग ने ।

7. बहिर्विवाह पद्धति से आप क्या समझते हैं ?

उत्तर– अपने गोत्र से बाहर विवाह करने को बहिर्विवाह पद्धति कहते हैं।

8. मनुस्मृति का संकलन कब और किस भाषा में हुआ।

उत्तर– लगभग 200 ई. पूर्व से 200 ई. के मध्य, संस्कृत भाषा में।

9. सातवाहन राजाओं को उनके मातृनाम (माता के नाम से अद्भुत) से चिन्हित किया जाता था, तो क्या सातवाहन राजवंश में राज सिंहासन का उत्तराधिकार मातृवंशिक होता था?

उत्तर– नहीं, सातवाहन राजाओं में राजसिंहासन का उत्तराधिकार पितृवंशिक होता था।

10. स्त्रीधन को परिभाषित कीजिए ।

उत्तर– विवाह के समय मिले उपहार पर स्त्री का स्वामित्व माना जाता था, इसे स्त्रीधन की संज्ञा दी जाती थी।

11. लगभग पांचवीं शताब्दी ईस्वी के किस अभिलेख से रेशम बुनकरों की एक श्रेणी का वर्णन मिलता है ?

उत्तर– मंदसौर (मध्य प्रदेश) अभिलेख से।

12. दशपुर के नाम से किसे जाना जाता था?

उत्तर– मंदसौर को।

13. महाभारत का प्रथम पर्व/अध्याय कौन सा है?

उत्तर– महाभारत का प्रथम अध्याय आदि पर्वन है।

14. पुरुष सूक्त कहां से लिया गया है ?

उत्तर– पुरुष सूक्त ऋग्वेद की दसवें मंडल से लिया गया है।

15. मंदसौर अभिलेख के अनुसार मंदसौर (मध्यप्रदेश) आई रेशम बुनकरों की एक श्रेणी मूलतः कहां की निवासी थी ?

उत्तर– रेशम बुनकरों की एक श्रेणी मूलतः लाट (गुजरात) प्रदेश की निवासी थे और वहां से मंदसौर चले गए थे। मंदसौर को उसे समय दशपुर के नाम से जाना जाता था।

16. ब्राह्मण ऋग्वेद के पुरुष सूक्त को वर्ण व्यवस्था को दैवीय व्यवस्था बताने के लिए बहुधा/प्रायः क्यों प्रयोग करते थे ?

उत्तर– अपनी मान्यता को प्रमाणित करने के लिए ब्राह्मण बहुधा ऋग्वेद के पुरुष सूक्त को इसलिए प्रयोग करते थे क्योंकि यह सूक्त उनकी श्रेष्ठता को प्रमाणित करता था । पुरुष सूक्त के अनुसार ब्राह्मण की उत्पत्ति ब्रह्मा के मुख से हुई इसलिए वह अन्य तीन वर्णों से श्रेष्ठ हैं।

17. ब्राह्मणों द्वारा स्थापित दैवीय व्यवस्था में वर्ण कौन–कौन से थे?

उत्तर – (1) ब्राह्मण (2) क्षत्रिय (3) वैश्य (4) शूद्र ।

18. कुरुओं की राजधानी का नाम बताइए?

उत्तर– हस्तिनापुर।

19. पांडवों की पत्नी द्रोपदी किसकी पुत्री थी?

उत्तर– पांचाल नरेश द्रुपद की।

20. कौरव किसके पुत्र थे ?

उत्तर– कौरव धृतराष्ट्र और गांधारी के पुत्र थे।

21. पांडव किसके पुत्र थे ?

उत्तर– पांडव पांडू एवं कुंती, माद्री के पुत्र थे।

22. सातवाहन राजाओं से विवाह करने वाली रानियों के नाम किन गोत्रों से अद्भूत थे?

उत्तर – सातवाहन राजाओं से विवाह करने वाली रानियों के नाम का विश्लेषण करने पर पता चलता है कि उनके नाम गौतम और वशिष्ठ गोत्रों से अद्भूत थे जो उनके पिता के गोत्र थे।

23. कुरु जनपद के दो दलों, कौरव और पांडवों के बीच महाभारत का युद्ध क्यों हुआ ?

उत्तर– भूमि और सत्ता को लेकर ।

24. मज्झिमनिकाय किस भाषा में रचित है और किस धर्म से संबंधित है ?

उत्तर– पाली भाषा में रचित है और बौद्ध धर्म से संबंधित है।

25. किस बौद्ध ग्रंथ से राजा अवन्तिपुत्र और बुद्ध के अनुयाई कच्चन के बीच हुए संवाद का उल्लेख मिलता है?

उत्तर – बौद्ध ग्रंथ मज्झिमनिकाय से।

लघुत्तरात्मक प्रश्न –

1. बहिर्विवाह पद्धति और अंतर्विवाह पद्धति में अंतर स्पष्ट कीजिए? या बहिर्विवाह पद्धति, अंतर्विवाह पद्धति से किस प्रकार

भिन्न है?

उत्तर– अपने गोत्र से बाहर विवाह करने को बहिर्विवाह पद्धति कहते हैं, जबकि अंतर्विवाह पद्धति में वैवाहिक संबंध अपने ही गोत्र, कुल में स्थापित होते हैं।

2. बहिर्विवाह पद्धति की कोई दो विशेषताएं बताइये।

उत्तर– (1) इस विवाह पद्धति में वैवाहिक संबंध अपने गोत्र से बाहर स्थापित किए जाते हैं।

(2) इस विवाह पद्धति में कन्यादान अर्थात विवाह में कन्या की भेंट को पिता का महत्वपूर्ण धार्मिक कर्तव्य माना गया।

3. मनुस्मृति में उल्लेखित पहली और चौथी विवाह पद्धति को समझाइये।

उत्तर– पहली विवाह पद्धति/ब्रह्म विवाह– इसमें पिता वर को घर बुलाकर अपनी कन्या को सौंप देता था।

चौथी विवाह पद्धति/प्रजापत्य विवाह– इस विवाह के अन्तर्गत कन्या का पिता वर को कन्या प्रदान करते हुए यह आदेश देता था कि दोनों साथ–साथ मिलकर अपने कर्तव्यों का निर्वाह करें।

4. मनुस्मृति में उल्लेखित पाँचवी और छठीं विवाह पद्धति को समझाइये।

उत्तर– पाँचवी विवाह पद्धति /असुर विवाह– यह विक्रय विवाह था। इसमें कन्या का पिता वर से कन्या का मूल्य लेकर बेच देता था। छठीं विवाह पद्धति/गंधर्व विवाह– यह प्रेम विवाह था। इसमें स्त्री और पुरुष के बीच अपनी इच्छा से संयोग होता था।

5. धर्मसूत्र एवं धर्मशास्त्र विवाह के आठ प्रकारों को अपनी स्वीकृत्ति देते हैं। इनमें से कौन–से विवाह उत्तम तथा कौनसे विवाह निन्दित माने गए हैं?

उत्तर– धर्मसूत्र एवं धर्मशास्त्र विवाह के आठ प्रकारों को अपनी स्वीकृति देते हैं। विवाह के आठ प्रकारों में से प्रथम चार– ब्रह्म विवाह, दैव विवाह, आर्ष विवाह, प्रजापत्य विवाह उत्तम मानें जाते थे। अंतिम चार– असुर विवाह, राक्षस विवाह, गंधर्व विवाह, पैशाच विवाह को निन्दित माना गया।

6. गोत्र व्यवस्था को समझाइये।

उत्तरः– 1000 ई०पू० के लगभग गोत्र प्रणाली प्रचलन में आयी। इसमें लोगों को वैदिक ऋषियों के नाम पर अलग–अलग गोत्रों में बांटा गया।

गोत्र प्रणाली/गोत्रों के दो नियम महत्वपूर्ण थे–

(1) विवाह के पश्चात स्त्रियों को पिता के स्थान पर पति के गोत्र का माना जाता था।

(2) एक ही गोत्र के सदस्य आपस में विवाह संबंध नहीं रख सकते थे ।

7. क्या अधिकतर राजवंश पितृवंशिकता प्रणाली का अनुसरण करते थे? इस प्रणाली में क्या विभिन्नताएं थी ?

उत्तर– हाँ, अधिकतर राजवंश पितृवंशिकता प्रणाली का अनुसरण करते थे। हालांकि इस प्रथा में विभिन्नता थी कि कभी पुत्र के न होने पर एक भाई दूसरे का उतराधिकारी हो जाता था तो कभी बंधु–बांधव सिंहासन पर अपना अधिकार जमाते थे। कुछ विशेष परिस्थितियों में स्त्रियां, जैसे –प्रभावती गुप्त सत्ता का उपयोग करती थी।

8. गोत्र प्रणाली के दो नियमों का उल्लेख कीजिए–

उत्तर– (1) विवाह के पश्चात स्त्रियों को पिता के स्थान पर पति के गोत्र माना जाता था।

(2) एक ही गोत्र के सदस्य आपस में विवाह संबंध नहीं रख सकते थे।

9. क्या विवाह के समय गोत्र नियमों का पालन अनिवार्यतः होता था?

उत्तर–नहीं। उदाहरण– सातवाहन राजाओं ने गोत्र प्रणाली के नियमों का पालन नहीं किया। सातवाहन राजाओं को उनके मातृ मातृनाम से जाना जाता था। सातवाहन राजाओं की रानियों ने विवाह के बाद भी अपने पिता के गोत्र को कायम रखते हुए अपने पति कुल के गोत्र को ग्रहण नहीं किया। सातवाहन राजाओं की कुछ रानियां एक ही गोत्र से थी, यानि उनका अंतर्विवाह हुआ था।

10. महाभारत काल में वर्ण व्यवस्था के नियमों का पालन करवाने के लिए ब्राह्मणों ने कौनसी नीतियां/रणनीतियां अपनाई?

उत्तर– (1) वर्ण व्यवस्था को दैवीय व्यवस्था बताया।

(2) शासकों को अपने राज्य में वर्ण व्यवस्था के नियमों को लागू करवाने हेतु कहते।

(3) लोगों को उन्होंने विश्वास दिलाया कि उनकी प्रतिष्ठा जन्म पर आधारित है।

11. धर्मसूत्रों और धर्मशास्त्रों में चारों वर्णों के लिए आदर्श जीविका से जुड़े कई नियम मिलते हैं? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर– (1) ब्राह्मण–अध्ययन करना, वेदों की शिक्षा, यज्ञ करना व करवाना, दान– दक्षिणा लेना।

(2) क्षत्रिय–युद्ध करना, लोगों को सुरक्षा प्रदान करना, न्याय करना, वेद पढ़ना, यज्ञ करवाना, दान–दक्षिणा देना।

(3) वैश्य– वेद पढ़ना, यज्ञ करवाना, दान–दक्षिणा देना, कृषि, गौ–पालन, व्यापार करना।

(4) शुद्र–तीनों उच्च वर्णों की सेवा करना।

12. क्या आरंभिक राज्यों में शासक निश्चित रूप से क्षत्रिय ही होते थे?

अथवा

क्या आरंभिक राज्यों में राजत्व क्षत्रिय कुल में जन्म लेने पर ही निर्भर करता था?

उत्तरः–नहीं।

शास्त्रों के अनुसार केवल क्षत्रिय राजा हो सकते थे। किन्तु अनेक महत्वपूर्ण राजवंशों की उत्पति अन्य वर्णों से भी हुई थी। जैसे– मौर्य शासकों को ब्राह्मणीय शास्त्र निम्न कुल का मानते है। शुंग और कण्व शासक ब्राह्मण थे। मध्य एशिया से आये शक शासकों को ब्राह्मण मलेच्छ, बर्बर मानते थे। इन उदाहरणों को देखकर लगता है कि राजनीतिक सत्ता का उपयोग हर वह व्यक्ति कर सकता था, जो समर्थन और संसाधन जुटा सके।

13. वर्ण और जाति में कोई दो अंतर बताइए?

उत्तर–

वर्ण	जाति व्यवस्था
1. वर्षों की संख्या चार है।	जातियों की कोई निश्चित संख्या नहीं थी।
2. वर्ण व्यवस्था को दैवीय व्यवस्था माना गया।	जाति व्यवस्था जन्म पर आधारित थी।

14. मनुस्मृति में चाण्डालों के कौन–कौन से कर्तव्य बताये गए हैं?

उत्तर– (1) उन्हें गांव के बाहर रहना पड़ता था।

(2) रात्रि में गांव और नगरों में चल–फिर नहीं सकते थे।

(3) वे फेंके हुए बर्तनों का इस्तेमाल करते थे।

(4) मरे हुए लोगों के वस्त्र पहनते थे।

(5) लोहे के आभूषण पहनते थे।

(6) वधिक (जल्लाद) के रूप में कार्य करते थे।

16. चाण्डालों को वर्ण व्यवस्था वाले समाज में सबसे निम्न कोटि/निचली श्रेणी में क्यों रखा जाता था?

उत्तर– चाण्डालों को शवों की अंत्येष्टि करने तथा मृत पशुओं को छूने के कारण दूषित माना जाता था तथा उनके स्पर्श को भी अपवित्र माना जाता था। इस कारण उन्हे समाज की सबसे निचली श्रेणी में रखा जाता था।

17. मनुस्मृति में पुरुषों के लिए घन अर्जित करने के कितने तरीको का वर्णन है? उल्लेख कीजिए।

उत्तर– मनुस्मृति के अनुसार पुरुष सात तरीके से धन अर्जित कर सकता है–

विरासत, खोज, खरीद, विजित करके, निवेश, कार्य द्वारा, सज्जनों द्वारा दी भेंट आदि।

18. मनुस्मृति में स्त्रियों के लिए घन अर्जित करने के कितने तरीकों का वर्णन हैं? उल्लेख कीजिए।

उत्तरः– मनुस्मृति के अनुसार स्त्रियां छः तरीकों से धन अर्जित कर सकती हैं–

1.वैवाहिक अग्नि के सामने मिली भेंट

2. वधूगमन के समय मिली भेंट

3.स्नेह के प्रतीक के रूप में प्राप्त उपहार

4. भ्राता, माता–पिता द्वारा दिया गया उपहार

5. परवर्ती काल में मिली भेंट

6. अनुरागी पति से प्राप्त भेंट।

19. नए नगरों के उद्भव से सामाजिक जीवन किस प्रकार अधिक जटिल हुआ ?

उत्तर– नए नगरों के उद्भव से सामाजिक जीवन अधिक जटिल हुआ। नगरों में व्यापार–वाणिज्य व अन्य कारणों से लोगों का मेल–मिलाप हुआ, जिससे नये विचारों का आदान–प्रदान हुआ। संभवतः इस वजह से आरंभिक विश्वासों और व्यवहारों पर प्रश्नचिन्ह लगाए गए।

20. नए नगरों के उद्भव से सामाजिक जीवन में आई जटिलता का समाधान किस प्रकार किया गया?

उत्तर– सामाजिक जीवन की जटिलता से उत्पन्न चुनौती के जवाब में ब्राह्मणों ने समाज के लिए विस्तृत आचार संहिताएं तैयार कीं। ब्राह्मणों को इन आचार संहिताओं का पालन करना होता था। किन्तु बाकी समाज को भी इसका अनुसरण करना होता था। लगभग 500 ई. पू. से इन मापदंडों का संकलन धर्मसूत्र व धर्मशास्त्र नामक संस्कृत ग्रंथों में किया गया।

21. इतिहासकार किसी ग्रंथ का /साहित्यिक स्रोत का विश्लेषण करते समय अनेक पहलुओं पर विचार करते हैं। उन पहलुओं का उल्लेख कीजिए ?

उत्तर– (1) ग्रंथ की भाषा (2) ग्रंथ की विषयवस्तु (3) लेखक की जानकारी (4) ग्रंथ का रचनाकाल।

21. महाभारत कालीन स्त्रियों की विभिन्न समस्याएं थीं, उनका उल्लेख कीजिए?

उत्तर– (1) स्त्री को भोग की वस्तु समझा जाता था।

(2) स्त्रियां पैतृक सम्पति में हिस्सेदारी की मांग नहीं कर सकती थी।

(3) स्त्रियों की स्थिति पुरुषों से निम्न थी।

(4) पत्नी को पति की संपति के रूप में माना जाता था।

(5) स्त्रियों को सीमित अधिकार ही प्राप्त थे।

22. महाभारत की सबसे चुनौतीपूर्ण उपकथा द्रौपदी के बहुपति विवाह के संबंध में इतिहासकारों के विभिन्न मत है। किन्ही दो मतों का उल्लेख कीजिए।

उत्तर– (1) विशिष्ट शासक वर्ग में बहुपति प्रथा का प्रचलित होना।

(2) हिमालय क्षेत्र में आज भी बहुपति प्रथा का प्रचलन होना।

(3) युद्ध के समय स्त्रियों की कमी के कारण बहुपति प्रथा को अपनाया गया हो।

23. पितृवंशिकता एवं मातृवंशिकता में अंतर बताइए।

उत्तर– वह वंश परम्परा जो पिता के बाद पुत्र, फिर पौत्र, प्रपौत्र आदि से चलती है, उसे पितृवंशिकता कहते है। मातृवंशिकता का अर्थ है वह वंश परम्परा, जो माँ से जुडी होती हैं।

24. 600 ईसा पूर्व से 600 ईस्वी तक के मध्य आर्थिक और राजनीतिक जीवन में हुए अनेक परिवर्तनों ने समकालीन समाज पर क्या प्रभाव छोड़ा?

उत्तर– (1) वन क्षेत्रों में कृषि का विस्तार हुआ। जिससे वहां रहने वाले लोगों की जीवनशैली में परिवर्तन हुआ।

(2) शिल्प विशेषज्ञों के एक विशिष्ट समाजिक समूह का उदय हुआ।

(3) संपत्ति के असमान वितरण ने सामाजिक विषमताओं को अधिक प्रखर बनाया।

अध्याय–4 विचारक, विश्वास, इमारतें
अंक भार – 7

वस्तुनिष्ठ प्रश्न –

1. साँची के स्तूप का पता लगाने वाले विद्वान का नाम बताइए।

(a) अलेक्जेंडर कनिंघम (b) जॉन मार्शल (a)

(c) मार्टिगर व्हीलर (d) दयाराम साहनी

2. साँची का स्तूप स्थित है–

(a) उत्तर प्रदेश (b) मध्यप्रदेश (b)

(c) गुजरात (d) राजस्थान

3. भोपाल की शासिका शाहजहाँ बेगम व सुल्तानजहाँ बेगम का संबंध किस इमारत के संरक्षण कार्य से रहा है?
(a) दिल्ली का लाल किला (b) आगरा का ताजमहल (c)
(c) भोपाल का साँची का स्तूप (d) देवगढ़ का दशावतार मन्दिर

4. ऋग्वेद का संकलन काल माना जाता है–
(a) 1500– 500ई0पू0 (b) 1500 – 1000 ई0 पू0 (b)
(c) 1500–500 ई0पू0 (d) 1000–600 ई0 पू0

5. बौद्धधर्म के बौद्ध मठों में रहने वाले लोगों के लिए नियमों का संग्रह मिलता है?
(a) विनय पिटक (b) अभिधम्म पिटक (a)
(c) सुत्त पिटक (d) दीपवंश

6. किस पिटक में मगध के राजा अजातसत्रु और बुद्ध के बीच बातचीत का वर्णन मिलता है–
(a) विनय पिटक (b) सुत्त पिटक (b)
(c) अभिधम्म पिटक (d) थेरीगाथा

7. जैन परम्परा के अनुसार महावीर से पहले 23 शिक्षक हो चुके थे, उन्हें कहा जाता था?
(a) तीर्थंकर (b) श्रमण (a)
(c) साधु (d) उपदेशक

8. ''कहानी जिसमें कमालावती नामक एक महारानी अपने पति को सन्यास लेने के लिए समझा रही है'' की जानकारी मिलती है–
(a) दीपवंश ग्रन्थ से (b) महावंश ग्रन्थ से (d)
(c) थेरीगामा ग्रन्थ से (d) उत्तराहययन सूत्र ग्रन्थ से

9. गुंटूर जिला, आंध्र प्रदेश का वह स्थल जहाँ स्थित एक मूर्ति में बुद्ध के महल से जाते हुए दिखाया गया है?
(a) भरहूत (b) साँची (c)
(c) अमरावती (d) लुम्बिनी

10. सुत्त पिटक में बुद्ध किस अमीर गृहपति को नौकरों व कर्मचारियों की देखभाल के संबंध में सलाह देते हैं?
(a) सिगल (b) जमालि (a)
(c) आनंद (d) उपाली

11. बुद्ध ने अपने प्रिय शिष्य आनंद के समझाने पर महिलाओं को संघ में प्रवेश की अनुमति दी। संघ में प्रवेश पाने वाली पहली महिला कौन थी–
(a) महाप्रजापति गोतमी (b) तारा (a)
(c) सुभद्रा (d) सुकर्णी

12. निम्न में से असंगत है –
(a) बुद्ध का ज्ञान प्राप्ति स्थल – बोधगया (d)
(b) बुद्ध का जन्म स्थान – लुम्बिनी
(c) बुद्ध द्वारा प्रथम उपदेश – सारनाथ
(d) बुद्ध का निब्बान प्राप्ति स्थल – लुम्बिनी

13. शालभजिका व गजलक्ष्मी की की मूर्ति किस स्तूप के तोरण द्वार पर उत्कीर्ण है?
(a) साँची (b) अमरवती (a)

(c) पेशावर (d) नागार्जुनीकोण्डा

14. ''विष्णु का वराह अवतार जिसमें उन्हें पृथ्वी देवी को बचाते हुए दिखाया गया है।'' संबंधित है.

(a) साँची, मध्यप्रदेश (b) अमरावती, आंध्रप्रदेश (c)

(c) एहोल, कर्नाटक (d) महाबलीपुरम्, तमिलनाडु

15. 'बराबर की गुफाएँ स्थित है–

(a) बिहार (b) गुजरात (a)

(c) महाराष्ट्र (d) कर्नाटक

16. "कैलाशनाथ मन्दिर, जिसका सारा ढांचा एक चट्टान को काटकर तैयार किया गया है।" स्थित है?

(a) एलोरा, महाराष्ट्र (b) एहोल, कर्नाटक (a)

(c) अजंता, महाराष्ट्र (d) सांची, मध्यप्रदेश

17. ''गंगा नदी के स्वर्ग से अवतरण का चित्र'' या ''अर्जुन की तपस्या का चित्र'' किस स्थल की एक विशाल चट्टान पर मूर्तियों के रूप में उत्कीर्ण है?

(a) अमरावती, आंध्रप्रदेश (b) देवगढ़, उत्तरप्रदेश (c)

(c) महाबलीपुरम, तमिलनाडु (d) एहोल, कर्नाटक

रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए–

1. समकालीन बौद्ध ग्रन्थों में .....सम्प्रदायों या चिंतन परम्पराओं का उल्लेख मिलता है।

उत्तर– 64

2. त्रिपिटक (तीन टोकरियों) का संग्रह ..... बिहार में बुलाई गई सभा में किया गया था, ये बौद्ध धर्म के ग्रन्थ है।

उत्तर– वेसली/वैशाली

3. दीपवंश व महावंश में .....का बौद्ध इतिहास मिलता है।

उत्तर– श्रीलंका

4. जब बौद्ध धर्म पूर्व एशिया में फैला तब ..... और ..... जैसे तीर्थ यात्री बौद्ध ग्रन्थों की खोज में चीन से भारत आए।

उत्तर–फा–शिएन, श्वैन त्सांग

5. आजीविक ..... व लोकायत .....कहलाते हैं।

उत्तर– नियतिवादी, भौतिकतावादी

6. .....से प्राप्त तीर्थकर की मूर्ति लगभग तीसरी शताब्दी ई. की है–

उत्तर– मथुरा

7. ..... उस युग के सबसे प्रभावशाली शिक्षकों में से एक थे।

उत्तर– बुद्ध

8. बुद्ध के बचपन का नाम ..... था। वह ..... कबीले के सरदार के बेटे थे।

उत्तर– सिद्धार्थ, शाक्य

9. ..... किसी संत या धार्मिक नेता की जीवनी है।

उत्तर– संतचरित्र

10. ..... ऐसी महिलाएँ जिन्होंने निर्वाण प्राप्त कर लिया हो।

उत्तर– थेरी

11. ..... में भिक्खुनियों द्वारा रचित छंदों का संकलन मिलता है, यह सुत्त पिटक का हिस्सा है।

उत्तर– थेरीगाथा

12. बुद्ध के समय से लगभग दो सौ वर्षों बाद असोक ने ..... की अपनी यात्रा की याद में एक स्तंभ बनवाया।

उत्तर – लुम्बिनी

13. महापरि निब्बान सुत्त ..... का हिस्सा है।

उत्तर– सुत्त पिटक

14. शेषनाग पर आराम करते विष्णु की मूर्ति ..... मिलती है।

उत्तर– देवगढ़

15. इतिहासकार ..... ने साँची को वृक्ष और सर्प पूजा का केन्द्र माना था।

उत्तर – जेम्स फर्गुसन

निबंधात्मक प्रश्न–

1. बौद्ध इमारतीय संरचना स्तूप के अंगों का उल्लेख करते हुए साँची के स्तूप की लोककला पर प्रकाश डालिए।

उत्तर– बुद्ध से जुड़े कुछ अवशेष जैसे उनकी अस्थियाँ या उनके द्वारा प्रयुक्त सामान जिन टिलों पर गाड़कर उन पर इमारतनूमा संरचना बना दी जाती थी, वे 'स्तुप' कहलाते थे। जैसे–साँची, अमरावती, पेशावर ।

स्तूप की संरचना/स्तूप के अंग –

(i) अंड – गोलार्थ लिया हुआ मिट्टी का टीला।

(ii) हर्मिका – अंड के ऊपर बना छज्जे जैसा ढाँचा, जो देवताओं के घर का प्रतीक होता है।

(iii) यष्टि – हर्मिका से निकाला मस्तूल जिस पर छत्री लगी होती है।

(iv) वेदिका –टीले के चारों ओर की दीवार ।

(v) तोरणद्वार – स्तूप का अलंकृत प्रवेशद्वार।

साँची के स्तूप की लोक कला –

(i) प्रवेशद्वार पर उत्तीर्ण ''शालभंजिका'' की मूर्तियाँ।

(ii) जानवरों की अलंकृत मूर्तियाँ।

(iii) हाथियों व कमल दल के बीच स्थित महिला की मूर्ति, जिसे इतिहासकार सौभाग्य की देवी गजलक्ष्मी की मूर्ति अथवा बुद्ध की माँ मायादेवी– की मूर्ति मानते हैं।

(iv) स्तम्भों पर उत्कीर्ण सर्पों के चित्र जिन्हें देखकर इतिहासकार जेम्स फर्गुसन ने साँची को वृक्ष और सर्प पूजा का केन्द्र माना था।

उपर्युक्त लोक कला को आधार बनाते हुए 1989 ई० में यूनेस्को ने साँची को विश्व घरोहर स्थल घोषित किया।

2. महायान बौद्ध मत के विकास का उल्लेख करते हुए हीनयान व महायान परम्पराओं में अन्तर स्पष्ट कीजिए ।

उत्तर– ईसा की प्रथम सदी के आस–पास महात्मा बुद्ध द्वारा स्थापित बौद्ध अवधारणाओं में व व्यवहारों में अन्तर प्रकट होने लग गये। इन अन्तरो के परिणामस्वरूप बोधिसत की अवधारणा उभर करके सामने आने लगी।

बोधिसतों को परम करुणामय जीव माना गया जो अपने सत्कार्यों से पुण्य कमाते थे। लेकिन वे इस पुण्य का प्रयोग दुनिया को दुखों में छोड़ देने व स्वयं के निब्बान प्राप्ति के लिए नहीं करते थे बल्कि वे इससे दूसरों की सहायता कर उनके निष्बान में सहायक बनते थे। अतः इस प्रकार बौद्ध मत में लोक कल्याण पर आधारित महायान परम्परा का विकास हुआ।

हीनयान परम्परा व महायान परम्परा में अन्तर–

क्र.स.	**हीनयान परम्परा**	**महायान परम्परा**
1.	पुरानी बौद्ध परम्परा ।	1.नवीन बौद्ध परम्परा ।
2.	निष्बान की प्राप्ति व्यक्तिगत प्रयास से संभव ।	2. निब्बान की प्राप्ति बोधिसत्त माध्यम से।
3.	बुद्ध को एक मनुष्य के रूप में स्वीकार करने वाली परम्परा।	3. बुद्ध को एक देवता का दर्जा प्रदान किया।
4.	मूर्तिपूजा का निषेध ।	4. बुद्ध व बोधिसत्तों की मूर्तियों की पूजा।

इस प्रकार बौद्ध धर्म की हीनयान परम्परा में रुढ़ीवादी स्वरूप, वहीं महायान परम्परा में कल्याणकारी स्वरूप देखने को मिलता है

3. पौराणिक हिन्दू धर्म के उदय का उल्लेख करते हुए मन्दिर परम्परा के विकास के माध्यम से इसके स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

उत्तर– मुक्तिदाता की कल्पना के रूप में वैष्णव व शैव परम्पराओं के रूप में हमें पौराणिक हिन्दू धर्म के दर्शन होते हैं। जिसमें एक विशेष देवता की पूजा की खास महत्त्व दिया जाता था। इसमें भक्ति के रूप में उपासना पद्धत्ति में उपासक व ईश्वर के बीच का रिश्ता प्रेम व समर्पण का माना जाता था। अवतारवाद के सिद्धान्त ने हिन्दू धर्म की वर्तमान स्वरूप प्रदान किया। अवतार से संबंधित मूर्तियों के अंकन का मूल पुराणों में देखने को मिलता है।

<u>मन्दिर परम्परा का विकास–</u> देव मूर्तियों को रखने के लिए बनाये गये प्रारम्भिक मन्दिर चौकोर कमरे (गर्भगृह) के रूप में होते थे। धीरे–धीरे गृर्भगृह का ढाँचा ऊपर उठा कर के उन्हें शिखर का रूप दिया जाने लगा। जैसे– देवगढ़, उत्तर प्रदेश का पाँचवी सदी का मन्दिर। कुछ मन्दिर पहाड़ी गुफाओं को काटकर बनाये गये। जैसे–एक ही पहाड़ी चट्टान को काटकर बनाया गया एलोरा, महाराष्ट्र का कैलाशनाथ (शिव का एक नाम) मंदिर।

आगे चलकर ये मन्दिर ही मूर्तिकला के प्रमुख केन्द्र बन गये। जिसका दिलचस्प उदाहरण महाबलीपुरम (तमिलनाडु) में एक विशाल चट्टन पर उत्कीर्ण 'गंगा अवतरण' / अर्जुन की तपस्या' की मूर्तियों के रूप में देखने को मिलता है।

अध्याय –5 यात्रियों के नजरिए
अंक–भार (6)

बहुविकल्पात्मक प्रश्न

1. इतालवी यात्री मनूची का मुख्य व्यवसाय था –
   (a) चिकित्सा (b) व्यापारी (a)
   (c) जौहरी (d) उपरोक्त में से कोई नहीं
2. अल बिरूनी 1017 ई. में किस शासक के साथ गजनी आया था ?
   (a) मोहम्मद गौरी (b) मोहम्मद तुगलक (d)
   (c) सम्राट लुई (द) महमूद गजनवी
3. अल बिरूनी द्वारा कौनसी पुस्तक लिखी गई ?
   (a) किताब उल हिन्द (b) रेहला (a)
   (c) महाभारत (d) रामायण
4. अल बिरूनी द्वारा अरबी भाषा में लिखी गई किताब–उल–हिन्द कितने अध्याय मे विभाजित है–
   (a) 80 (b) 90 (a)
   (c) 70 (d) 60
5. इब्नबतूता किस शासक के समय भारत आया ?
   (a) मुहम्मद बिन तुगलक (b) महमूद गजनवी (a)
   (c) मोहम्मद गौरी (d) अकबर
6. सती प्रथा को विस्तृत वर्णन के लिए किस विदेशी यात्री ने चुना ?
   (a) फ्रांस्वा बर्नियर (b) इब्नबतूता (a)
   (c) अल बिरूनी (d) मनुची।
7. इब्नबतूता वापस अपने घर तैंजियर (मोरक्को) कब पहुंचा ?
   (a) 1340 (b) 1330 (c)
   (c) 1354 (d) 1370
8. चीन के विषय में किस विदेशी यात्री के वृतांत की तुलना मार्को पोलो की वृतांत से की जाती है?
   (a) इब्नबतूता (b) बर्नियर (a)
   (c) अलबिरूनी (d) मनुकी
9. कौन सा विदेशी यात्री भारत में जो कुछ देखा था, उसकी तुलना यूरोप से करता था ?

शेखावाटी मिशन–100

(a) फ्रांस्वा बर्नियर (b) मनुकी (a)

(c) अल बिरूनी (d) इब्नबतूता

10. कौन सा विदेशी यात्री भारतीय डाक प्रणाली की कार्य कुशलता को देखकर चकित हुआ?

(a) बर्नियर (b) मनुची (c)

(c) इब्नबतूता (d) अल बिरूनी।

13. अल बिरूनी की प्रसिद्ध पुस्तक किताब उल हिंद किस भाषा में लिखी गई है ? अथवा अल बिरूनी ने अपने लेखन में किस भाषा का प्रयोग किया है?

(a) अरबी (b) हिंदी (a)

(c) संस्कृत (d) ऊर्दू

14. दासों के बारे में विस्तृत वर्णन किस विदेशी यात्री ने किया है ?

(a) इब्नबतूता (b) अलबिरूनी (a)

(c) बर्नियर (d) मनुची।

15. कौनसा विदेशी यात्री विशेष रूप से भारत की व्यापारिक स्थितियों से प्रभावित था और उसने भारत की तुलना ईरान और ऑटोमन साम्राज्य से की ?

उत्तर– जौहरी ज्यों– वैप्टिस्ट तैवर्नियर। (फ्रांसीसी यात्री)

16. किस विदेशी यात्री को हठीला यात्री कहा गया है?

(a) इब्नबतूता (ब) मनुकी (a)

(c) बर्नियर (d) अल बिरूनी

रिक्त स्थानों की पूर्ति करो –

1. फ्रांस्वा बर्नियर ने अपनी प्रमुख कृति .....को समर्पित किया था।

उत्तर– फ्रांस के शासक सम्राट लुई 14वें को।

2. अल बिरूनी का जन्म 973 ई. में उज्बेकिस्तान में स्थित.....हुआ था ?.

उत्तर– ख्वारिज्म में।

3. अलबिरूनी ने अपने लेखन में ..... भाषा का ही प्रयोग किया है।

उत्तर– अरबी

4. इब्नबतूता का यात्रा वृतांत..... नाम से जाना जाता है उसकी भाषा..... है।

उत्तर– रिहला, अरबी ।

5. .....के रास्ते होकर इब्न बतूता सन् 1333 में स्थल मार्ग से .....पहुँचा।

उत्तर– मध्य एशिया, सिंध।

6. मोहम्मद बिन तुगलक द्वारा..... को दिल्ली का काजी नियुक्त किया गया था।

उत्तर –इब्नबतूता।

7. इब्न बतूता के श्रुतिलेखों को लिखने के लिए..... को नियुक्त किया गया था।

उत्तर– इब्न्न जुजाई ।

8. इब्नबतूता दिल्ली के अलावा ..... भी काजी के पद पर रहा।

उत्तर– मालदीव के।

9. सबसे प्रसिद्ध यूरोपीय लेखकों में एक नाम..... का है जिसने..... के व्यापार और समाज का एक विस्तृत विवरण लिखा।

उत्तर– दुआर्ते बरबोसा, दक्षिण भारत

10. .....ने 1342 ई. में विदेशी यात्री..... को मंगोल शासक के पास सुल्तान के दूत के रूप में चीन जाने का आदेश दिया।

उत्तर–मोहम्मद बिन तुगलक, इब्नबतूता।

11. बर्नियर द्वारा मुगलकालीन शहरों..... को नाम दिया गया ।

उत्तर– शिविर नगर।

12. .....जब सिंध पहुँचा तो उसने..... के लिए भेंट स्वरूप घोड़े, ऊँट तथा दास खरीदें ।

उत्तर– इब्नबतूता, मुहम्मद बिन तुगलक।

13. ट्रेवल्स इन द मुगल एम्पायर..... की रचना है।

उत्तर– फ्रांस्वा बर्नियर ।

14. ..... ने मुगलकालीन कारखानों की कार्यप्रणाली का विस्तृत वर्णन किया हैं।

उत्तर– फ्रांस्वा बर्नियर ।

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्नः–

1. बर्नियर के अनुसार भारत और यूरोप के बीच मूल भिन्नताओं / असमानताओं में से दो कौन–सी हैं?

उत्तर– (i) बर्नियर के अनुसार भारत में निजी भूस्वामित्व का अभाव था, जबकि यूरोप में यह मुख्य रूप से विद्यमान था।

(ii) बर्नियर के अनुसार भारत में केवल दो ही वर्ग थे –अमीर व गरीब और मध्यम वर्ग का अभाव था।

2. यदि आप इब्न बतूता के स्थान पर होते तो अपने विवरण में किन दो भारतीय वानस्पतिक उपजों का वर्णन करना पसंद करते ? या इब्न बतूता कौनसी दो वानस्पतिक उपजों का वर्णन करता हैं ?

उत्तर– नारियल और पान का।

3. ताराबबाद क्या है?

उत्तर– इब्न बतूता के विवरण अनुसार दौलताबाद में पुरुष और महिला गायकों के लिए एक बाजार है, जिसे ताराबबाद कहते हैं

4. इब्नबतूता के अनुसार भारत में कितने प्रकार की डाक व्यवस्था थी ? उनका नाम लिखिए।

उत्तर– दो प्रकार की–

(i) अश्व (घोड़ा) डाक व्यवस्था (उलुक)

(ii) पैदल डाक व्यवस्था (दावा)

5. इब्न बतूता के अनुसार दिल्ली शहर के कितने द्वार दरवाजे थे ? इनमें से सबसे विशाल दरवाजा कौनसा है?

उत्तर– 28 द्वार/रवाजा थे। सबसे विशाल दरवाजा– बदायूँ दरवाजा।

6. फ्रांस्वा बर्नियर कौन था?

उत्तर– फ्रांस का रहने वाला फ्रांस्वा बर्नियर एक चिकित्सक, राजनीतिक, दार्शनिक तथा इतिहासकार था। जो मुगल काल में भारत आया था।

7. फ्रांस्वा बर्नियर किस अवधि तक (कितने समय तक) भारत में रहा? उस अवधि में भारत में किस राजवंश (किस शासक का शासन था) का शासन था ?

उत्तर– 1656 ई. से 1668 ई. तक (बारह वर्ष तक)। मुगल वंश का शासन था। (मुगल शासक शाहजहां के समय भारत आया था)

8. किस विदेशी यात्री ने लिखा कि हालाँकि कुछ महिलाएं प्रसन्नता से मृत्यु को गले लगा लेती थी, अन्य को मरने के लिए बाध्य किया जाता था ?

उत्तर– फ्रांस्वा बर्नियर ने।

9. उस इतालवी चिकित्सक का नाम बताइए, जो भारत आने के बाद कभी भी यूरोप वापस नहीं गया और भारत में ही बस गया ?

उत्तर– मनूकी।

10. बर्नियर के अनुसार मुगल काल में भूमि का मालिक कौन था ?

उत्तर– बर्नियर के अनुसार मुगल काल में सम्राट सारी भूमि का स्वामी था।

11. किन्हीं चार भाषाओं के नाम लिखिए, जिनका अल–बिरूनी को अच्छा ज्ञान था–

उत्तर– (i) अरबी (ii) फारसी

(ii) संस्कृत (iv) हिब्रू।

12. 14 वीं शताब्दी में भारत आने वाला सर्वाधिक प्रसिद्ध यात्री कौन था? वह किस देश का रहने वाला था ?

उत्तर– 14 वीं शताब्दी में भारत आने वाला सर्वाधिक प्रसिद्ध यात्री इब्नबतूता था। वह मोरक्को का रहने वाला था।

13.. 1332–33 में भारत के लिए प्रस्थान करने से पहले इब्न बतूता किन क्षेत्रों की यात्राएँ कर चुका था ?

उत्तर– (i) मक्का (ii) सीरिया (iii) इराक

(iv) फारस (v) यमन (vi) ओमान

14. जौहरी ज्यों वैप्टिस्ट तैवर्नियर कहां का निवासी था, जिसने कम से कम..... भारत की यात्रा की।

उत्तर–फ्रांस का, छः बार।

शेखावाटी मिशन–100

15. इब्न बतूता ने किन दो भारतीय शहरों का वर्णन किया है, उनका नाम लिखिए ?

उत्तर– (i) देहली / दिल्ली (ii) दौलताबाद

16. 1670 ई. से 1675 ई. के मध्य बर्नियर की रचना ट्रैवल्स इन द मुगल एम्पायर का अनुवाद कौन सी भाषाओं में हुआ था ।

उत्तर– डच, अंग्रेजी, जर्मन एवं इतालवी भाषाओं में।

17. कौनसा विदेशी यात्री विशेष रूप से भारत की व्यापारिक स्थितियों से प्रभावित था और उसने भारत की तुलना ईरान और ऑटोमन साम्राज्य से की?

उत्तर– जौहरी ज्यों– बेप्टिस्ट तैवर्नियर (फ्रांसीसी यात्री)

18. बलाहार से आपका क्या अभिप्राय है ?

उत्तर– बलाहार से अभिप्राय भूमिहीन श्रमिकों से है।

19. फ्रांस्वा बर्नियर द्वारा ट्रेवल्स इन द मुगल एम्पायर को लिखने का उद्देश्य क्या था ?

उत्तर– उसने भारत में जो कुछ देखा उसकी यूरोप एवं विशेष रूप से फ्रांस में व्याप्त स्थितियों से तुलना करना तथा भिन्नता को उजागर करना।

लघुतरात्मक प्रश्न

1.. उलुक और दावा क्या है? अथवा उलुक एवं दावा में अंतर स्पष्ट कीजिए ? अथवा इब्न बतूता भारत में कितने प्रकार की डाक प्रणाली का उल्लेख करता है, संक्षिप्त वर्णन कीजिए ?

उत्तर–इब्न बतूता के विवरण अनुसार भारत में दो प्रकार की डाक व्यवस्था थी। अश्व (घोड़ा) डाक व्यवस्था को उलुक कहा जाता था, जबकि पैदल डाक व्यवस्था को दावा कहा जाता था। अश्व डाक व्यवस्था में प्रति चार मील की दूरी पर एक अवस्थान होता था जबकि पैदल डाक व्यवस्था में प्रति एक मील पर तीन अवस्थान होते थे।

2. इब्नबतूता भारतीय डाक प्रणाली की कार्यकुशलता देखकर चकित क्यों हुआ? उल्लेख कीजिए। अथवा इब्न बतूता के अनुसार भारतीय डाक प्रणाली की दो विशेषताएं लिखिए ।

उत्तर– इब्न बतूता के अनुसार डाक प्रणाली इतनी कुशल थी कि जहां सिंध से दिल्ली की यात्रा में 50 दिन लगते थे, वहीं गुप्तचरों की खबरें सुल्तान तक इस डाक व्यवस्था के माध्यम से मात्र 5 दिन में पहुंच जाती थी। डाक प्रणाली से व्यापारियों के लिए न केवल लंबी दूरी तक सूचना भेजना और उधार प्रेषित करना संभव हुआ बल्कि अल्प सूचना पर माल भेजना भी ।

3. बर्नियर ने भूमि पर राजकीय स्वामित्व को राज्य तथा उसके निवासियों दोनों के लिए हानिकारक /विनाशकारी क्यों माना? तीन कारण या दोष बताइए। अथवा भूस्वामित्व पर बर्नियर के विचारों का संक्षिप्त विवेचन कीजिए ?

उत्तर– बर्नियर के अनुसार भारत और यूरोप के बीच मूल भिन्नताओं में से एक भारत में निजी भूस्वामित्व

का अभाव था। बर्नियर ने भूमि पर राजकीय स्वामित्व को राज्य तथा उसके निवासियों, दोनों के लिए हानिकारक माना –

(i) बर्नियर के अनुसार भूधारक अपने बच्चों को भूमि नहीं दे सकते थे, इसलिए वे उत्पादन के स्तर को बनाए रखने के प्रति उदासीन थे।

(ii) राजकीय भूस्वामित्व ने बेहतर भूधारकों के वर्ग के उदय को रोका, जो भूमि के रखरखाव व बेहतरी के प्रति सजग रहते ।

(iii) राजकीय भूस्वामित्व के कारण खेत झाड़ीदार तथा घातक दलदल से भरे हुए थे।

(iv) इसके कारण कृषि का समान रूप से विनाश, किसानों का असीम उत्पीड़न तथा समाज के सभी वर्गों के जीवन स्तर में अनवरत पतन की स्थिति उत्पन्न हुई।

4. बर्नियर के अनुसार उपमहाद्वीप में किसानों को किन किन समस्याओं से जूझना पड़ता था ? तीन समस्याओं का उल्लेख कीजिए ।

उत्तर (i) उपजाऊ कृषि क्षेत्र बहुत ही सीमित थे अधिकांश भूमि बंजर तथा रेतीली थी।

(ii) कृषि योग्य भूमि का एक बड़ा भाग श्रमिकों के अभाव में कृषि विहिन रह जाता है।

(iii) गवर्नर श्रमिकों पर अत्यधिक अत्याचार करते हैं और इस अत्याचार के कारण श्रमिकों की मौत हो जाती थी।

(iv) गरीब लोग अपने लालची स्वामियों की मांगों को पूरा करने में असमर्थ हो जाते हैं, तो उन्हें जीविका के साधनों के साथ–साथ अपने बच्चों से भी हाथ धोना पड़ता है। उनके बच्चों को दास बना लिया जाता है।

5. फ्रांस्वा बर्नियर किस प्रकार मुगल दरबार से नजदीकी रूप से जुड़ा रहा ? या फ्रांस्वा बर्नियर का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

उत्तर– बर्नियर एक चिकित्सक, राजनीतिक, दार्शनिक तथा एक इतिहासकार था। बर्नियर मुगलकाल में भारत आया वह 1656 ई. से 1668 ई. तक भारत में 12 वर्ष तक रहा। बर्नियर मुगल दरबार से नजदीकी रूप से जुड़ा रहा, पहले सम्राट शाहजहां के ज्येष्ठ पुत्र दारा शिकोह के चिकित्सक के रूप में और बाद में मुगल दरबार के एक आर्मीनियाई अमीर दानिशमंद खान के साथ एक बुद्धिजीवी तथा वैज्ञानिक के रूप में।

6. अलबिरूनी द्वारा वर्णित फारस के चार सामाजिक वर्गों का उल्लेख कीजिए। अथवा फारस के सामाजिक वर्गों का उल्लेख करने के पीछे अल बिरूनी का क्या उद्देश्य था ?

उत्तर– (i) घुड़सवार और शासक वर्ग

(ii) खगोलशास्त्री तथा अन्य वैज्ञानिक

(iii) भिक्षु, आनुष्ठानिक पुरोहित तथा चिकित्सक

(iv) कृषक तथा शिल्पकार

अल बिरूनी यह दिखाना चाहता था कि ये सामाजिक वर्ग भारत तक ही सीमित नहीं थे, बल्कि ये अन्य देशों में भी थे।

7. किताब–उल–हिन्द पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

उत्तर– अरबी भाषा में लिखी गई अलबिरूनी की कृति किताब–उल–हिन्द की भाषा सरल और स्पष्ट है। किताब–उल–हिन्द 80 अध्यायों में विभाजित है। किताब–उल–हिन्द एक विस्तृत ग्रंथ है, जो धर्म और दर्शन, त्यौहारों, खगोल विज्ञान, कीमिया (रसायनशास्त्र में कृत्रिम सोना बनाने की विधि) कानून, सामाजिक जीवन आदि विषयों से संबंधित है।

8. इब्न बतूता ने उपमहाद्वीप के कौनसे दो शहरों का दौरा किया, जिनका वर्णन अपने यात्रा वृत्तांत में किया है? अथवा इब्नबतूता ने भारतीय शहरों के सम्बन्ध में जो लिखा है, उस पर प्रकाश डालिए ।

उत्तर– इब्न बतूता के अनुसार भारतीय शहर उन लोगों के लिए व्यापक अवसरों से भरपूर थे, जिनके पास आवश्यक इच्छा, संसाधन तथा कौशल है। इब्न बतूता के अनुसार शहर धनी आबादी वाले, समृद्ध, सम्पन्न थे।

(i) दिल्ली – इब्न बतूता दिल्ली को एक बड़ा शहर, विशाल आबादी वाला तथा भारत में सबसे बड़ा शहर बताता है। इसके अनुसार शहर के चारों ओर बनी प्राचीर की चौड़ाई 11 हाथ है। दिल्ली शहर के 28 द्वार/दरवाजा है और इनमें से बदायूँ दरवाजा सबसे विशाल है।

(ii) दौलताबाद (महाराष्ट्र) – इब्न बतूता के अनुसार दौलताबाद (महाराष्ट्र में) भी कम नहीं था और आकार में दिल्ली को चुनौती देता था। इसके अनुसार दौलताबाद में पुरुष और महिला गायकों के लिए एक बाजार है, जिसे ताराबबाद कहते है। यह सबसे विशाल और सुंदर बाजारों में से एक है।

9. इब्न बतूता एक हठीला यात्री था। कथन की व्याख्या कीजिए। अथवा इब्न बतूता ने अपने निवास स्थान मोरक्को जाने से पूर्व किन किन क्षेत्रों की यात्राएं की, बताइए ।

उत्तर– इब्न बतूता एक हठीला यात्री था जिसने उत्तर पश्चिमी अफ्रीका में अपने निवास स्थान मोरक्को वापस जाने से पूर्व कई वर्ष उतरी अफ्रीका, पश्चिमी एशिया, मध्य एशिया के कुछ भाग, भारतीय उपमहाद्वीप तथा चीन की यात्रा की थी इन यात्राओं से ना तो उसे घबराहट हुई और ना ही थकान।

10. इब्न बतूता के अनुसार दासों में काफी विभेद था। स्पष्ट कीजिए। अथवा इब्न बतूता ने दास–दासियों का वर्णन किस प्रकार किया है?

उत्तर– इब्न बतूता के अनुसार बाजारों में दास किसी भी अन्य वस्तु की तरह खुले आम बेचे जाते थे और नियमित रूप से भेंट स्वरूप दिए जाते थे। इब्न बतूता के विवरण से प्रतीत होता है कि दासों में काफी विभेद था। सुल्तान की सेवा में कार्यरत कुछ दासियां संगीत गायन में निपुण थीं। सुल्तान अपने अमीरों पर नजर रखने के लिए दासियों को भी नियुक्त करता था। दासों

को सामान्यतः घरेलू श्रम के लिए ही इस्तेमाल किया जाता था। दासों की कीमत, विशेष रूप से उन दासियों की जिनकी आवश्यकता घरेलू श्रम के लिए थी, बहुत कम होती थी।

11. सती प्रथा के कौनसे तत्वों ने बर्नियर का ध्यान अपनी ओर खींचा ? संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

उत्तर– बर्नियर ने सती प्रथा को विस्तृत विवरण के लिए चुना। उसने लिखा कि हालांकि कुछ महिलाएं प्रसन्नता से मृत्यु को गले लगा लेती थी, अन्य को मरने के लिए बाध्य किया जाता है। बर्नियर के अनुसार यह क्रूर प्रथा थी, जिसमें पति की मृत्यु होने पर विधवा स्त्री को जीवित ही अग्नि में भेंट चढ़ा दिया जाता था, इस प्रक्रिया में ब्राह्मण व घर की बड़ी महिलाएं भी भाग लेती थी। सती होने वाली विधवा के हाथ–पैर बाँध दिये जाते थे ताकि वह सती स्थल से भाग न सकें ।

12. अल बिरूनी का संक्षिप्त परिचय दीजिए। अथवा अल बिरूनी गजनी किस प्रकार पहुंचा ?

उत्तर– अल बिरूनी का जन्म 973 ई. में, उज्बेकिस्तान में स्थित ख्वारिज्म में हुआ। 1017 ई. में ख्वारिज्म पर आक्रमण के पश्चात् महमूद गजनवी ने अल बिरूनी को अपने साथ अपनी राजधानी गजनी ले आया। अल बिरूनी ने 70 वर्ष की आयु में अपनी मृत्यु तक बाकी जीवन गजनी में ही बिताया। अल बिरूनी द्वारा अरबी भाषा में लिखी गई 'किताब उल हिन्द' 80 अध्यायों में विभाजित है।

13. अपनी श्रेणी के अन्य सदस्यों यात्रियों के मुकाबले इब्न बतूता किन बातों में अलग था ?

उत्तर– अपनी श्रेणी के अन्य सदस्यों के विपरित, इब्न बतूता पुस्तकों के स्थान पर यात्राओं से अर्जित अनुभव को ज्ञान का अधिक महत्त्वपूर्ण स्त्रोत मानता था। उसे यात्राएं करने का बहुत शौक था और वह नए नए देशों और लोगों के विषय में जानने के लिए दूर दूर के क्षेत्रों तक गया।

14. मॉन्टेस्क्यू कौन था ? इसका प्राच्य निरंकुशता का सिद्धांत क्या था?

उत्तर– मॉन्टेस्क्यू एक फ्रांसीसी दार्शनिक था, जिसने बर्नियर के वृत्तांत का प्रयोग कर प्राच्य निरंकुशवाद के सिद्धांत को विकसित किया। मॉन्टेस्क्यू के प्राच्य निरंकुशवाद के सिद्धांत के अनुसार एशिया (प्राच्य अथवा पूर्व) में शासक अपनी असीमित शक्तियों का प्रयोग करके प्रजा को दासता और गरीबी की स्थितियों में रखते है। इस तर्क का आधार यह था कि सारी भूमि पर राजा का स्वामित्व होता था तथा निजी संपत्ति अस्तित्व में नहीं थी। इस दृष्टिकोण के अनुसार राजा और उसके अमीर वर्ग को छोड़ प्रत्येक व्यक्ति मुश्किल से गुजर–बसर कर पाता था।

15. भारत का वृत्तांत लिखने में अल बिरूनी के समक्ष आयीं किन्हीं दो बाधाओं को बताइए।

उत्तर– (i) अल बिरुनी के अनुसार संस्कृत भाषा अरबी व फारसी भाषा से इतनी भिन्न थी कि विचारों और सिद्धांतों को एक भाषा से दूसरी भाषा में अनुवाद करना सरल नहीं था।

(ii) भारत में विभिन्न धार्मिक विश्वास व प्रथाएँ प्रचलित थीं जिन्हें समझने के लिए उसे वेदों व ब्राह्मण ग्रन्थों का सहारा लेना पड़ा।

16. फ्रांस्वा बर्नियर द्वारा प्रस्तुत समाज का चित्रण सच्चाई से बहुत दूर था। कथन को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर– फ्रांस्वा बर्नियर द्वारा प्रस्तुत ग्रामीण समाज का चित्रण सच्चाई से बहुत दूर था। वास्तव में 16वीं व 17 वीं शताब्दी में ग्रामीण समाज में बड़े पैमाने पर सामाजिक व आर्थिक विभेद पाया जाता था। एक ओर बड़े जमींदार थे, तो दूसरी ओर अस्पृश्य, भूमिहीन श्रमिक थे। इन दोनों के बीच में बड़े किसान थे, जो किराए के श्रम का उपयोग करते थे और उत्पादन में जुटे रहते थे। कुछ छोटे किसान भी थे, जो बड़ी मुश्किल से अपने जीवनयापन लायक उत्पादन कर पाते थे। जबकि बर्नियर के अनुसार भारत में दो ही वर्ग थे– अमीर और गरीब और भारत में मध्यम वर्ग का अभाव था।

17. अल बिरूनी के लेखन कार्य की कोई दो विशेषताएं लिखिए।

उत्तर– अल बिरूनी के लेखन कार्य की दो विशेषताएँ निम्नलिखित है –

(i) अल बिरूनी ने अपने लेखन कार्य में अरबी भाषा का प्रयोग किया ।

(ii) अल बिरूनी द्वारा लिखित ग्रन्थों की लेखन शैली के विषय में उसका दृष्टिकोण आलोचनात्मक था।

18. इब्न बतूता के समय यात्राएं अति दुष्कर थी। स्पष्ट कीजिए ।

उत्तर– इब्न बतूता चौदहवीं शताब्दी में यात्राएं कर रहा था, जब आज की तुलना में यात्रा करना अधिक कठिन तथा जोखिम भरा कार्य था। कई प्रकार की कठिनाइयां यात्रा में व्यवधान डालती थी। यात्रा में चोर, लुटेरों, समुद्री डाकुओं, जंगली जीवों, बीमारियों का भय रहता था तथा यात्रा के साधन भी नहीं थे। इब्न बतूता के अनुसार मुल्तान से दिल्ली की यात्रा में चालीस और सिन्ध से दिल्ली की यात्रा में लगभग पचास दिन का समय लगता था। दौलताबाद से दिल्ली की दूरी चालीस, जबकि ग्वालियर से दिल्ली की दूरी दस दिन में तय की जा सकती थी। जब वह मुल्तान से दिल्ली की यात्रा पर था तो रास्ते में डाकुओं ने उसके कारवाँ पर हमला बोल दिया, इब्न बतूता बुरी तरह घायल हो गया और कई सहयात्रियों की डाकुओं ने हत्या कर दी।

19. अल बिरूनी ने ब्राह्मणवादी व्यवस्था की अपवित्रता की मान्यता को क्यों अस्वीकार कर दिया ?

उत्तर– अल–बिरुनी ने जाति व्यवस्था के संबंध में ब्राह्मणवादी व्याख्या को तो स्वीकार कर लिया, किंतु वह अपवित्रता की मान्यता को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं हुआ। उसकी मान्यता थी कि प्रत्येक वह वस्तु जो अपवित्र हो जाती है, अपनी पवित्रता की मौलिक स्थिति को पुनः प्राप्त करने का प्रयत्न करती है और इसमें उसे सफलता भी प्राप्त होती है। उदाहरण देते हुए उसने लिखा कि सूर्य हवा को स्वच्छ बनाता है और समुद्र में विद्यमान नमक पानी को गन्दा होने से बचाता है। उसने अपने तर्क पर बल देते हुए कहा कि ऐसा न होने की स्थिति में पृथ्वी पर जीवन सम्भव नहीं हो पाता। उसका विचार था कि जाति व्यवस्था में विद्यमान अपवित्रता की अवधारणा प्रकृति के नियमों के अनुकूल नहीं थी।

20. बर्नियर की पूर्व और पश्चिम की तुलना से आप कितने सहमत हैं ? संक्षेप में समझाइए। अथवा बर्नियर अपने ग्रंथ ट्रैवल्स इन द मुगल एम्पायर में भारत को पश्चिम जगत की तुलना में अल्प विकसित व निम्न श्रेणी का दर्शाना चाहता था। स्पष्ट कीजिए।

उत्तर– 'ट्रैवल्स इन द मुगल एम्पायर' में बर्नियर की भारतीय उपमहाद्वीप की यात्राओं का वर्णन है। यह ग्रंथ बर्नियर की गहन आलोचनात्मक चिन्तन दृष्टि का उदाहरण है, लेकिन बर्नियर का यह दृष्टिकोण पूर्वाग्रह से प्रेरित है तथा एकपक्षीय है। बर्नियर ने मुगलकालीन इतिहास को भारत की भौगोलिक, सामाजिक, आर्थिक परिस्थितियों को ध्यान में न रखकर एक वैश्विक ढांचे में ढालने का प्रयास किया। वह यूरोप के परिप्रेक्ष्य में मुगलकालीन इतिहास की तुलना निरन्तर करने का प्रयास करता रहा। बर्नियर के अनुसार यूरोप की प्रशासनिक व्यवस्था, यूरोप की सामाजिक– आर्थिक स्थिति भारत से कहीं बेहतर है। वास्तव में उसका भारत चित्रण पूरी तरह पक्षपात पर आधारित आधारित है।

21. भारत आने वाले विदेशी यात्रियों के प्रमुख उद्देश्य क्या थे?

उत्तर– (i) कुछ यात्री भारत की अपार समृद्धि को सुनकर यहाँ काम की तलाश मे आए थे।

(ii) कुछ यात्री भारत के साथ व्यापार करना चाहते थे।

(iii) कुछ यात्री भारत में अपने धर्म का प्रसार करना चाहते थे।

(iv) कुछ यात्री भारत की सभ्यता एवं संस्कृति का अध्ययन करना चाहते थे।

22. किन कारणों के चलते गजनी में अल–बिरूनी की भारत के प्रति रुचि विकसित हुई ?

उत्तर– (i) अल–बिरूनी ने गजनी में उपलब्ध भारत के प्रमुख ग्रंथों का अध्ययन किया था।

(ii) अल–बिरूनी महमूद गजनवी द्वारा भारत से गजनी लाए गए विद्वानों के संपर्क में आया।

(iii) पंजाब के गजनवी साम्राज्य का हिस्सा बन जाने के बाद स्थानीय लोगों से हुए संपर्कों ने आपसी विश्वास और समझ का वातावरण बनाने में मदद की।

अध्याय – 6 भक्ति और सूफी परम्परा (अंकभार–7)

बहुविकल्पात्मक प्रश्नः–

1. मणिक्वचक्कार किसके अनुयायी थे?

(a) शिव (b) विष्णु (a)

(c) कृष्ण (d) राम

2. स्वयं को विष्णु की प्रेयसी मानकर अपनी प्रेमभावना छंदों में व्यक्त करने वाली अलवार महिला संत कौन थी?

(a) करइक्काल अम्मइइयार (b) अंडाल (b)

(c) मीरा (d) राधा

3. जगन्नाथ मंदिर कहां स्थित है ?
(a) तमिलनाडु में (b) आंध्र प्रदेश में (c)
(c) उड़ीसा में (d) बिहार में

4. वीरशैव परंपरा के प्रवर्तक कौन थे ?
(a) बासवन्ना (b) कबीर (a)
(c) गुरु नानक (d) अप्पार

5. किस चिश्ती संत को गरीब नवाज के नाम से जाना जाता है?
(a) निजामुद्दीन औलिया (b) ख्वाजा कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी
(c) शेख फरीदुद्दीन (d) शेख मुइनुद्दीन चिश्ती (d)

6. शेख मुइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह पर मुगल बादशाह अकबर कितनी बार आया था ?
(a) पांच बार (b) नौ बार (c)
(c) चौदह बार (d) अठारह बार

7. मुगल शहजादी जहाँआरा किसकी बेटी थी ?
(a) बाबर की (b) हुमायूं की (d)
(c) अकबर की (d) शाहजहां की

8. मारपेरू के स्वामी कौन है?
(a) विष्णु (b) शिव (b)
(c) कृष्ण (d) राम

9. मीराबाई के गुरु कौन थे ?
(a) कबीर (b) रामानुज (d)
(c) रामानंद (d) रैदास

10. कांस्य में ढाली गई नटराज शिव की प्रतिमाएं किस काल में बनी?
(a) मौर्य काल में (b) गुप्त काल में (c)
(c) चोल काल में (d) चेर काल में

11. सिखों के दसवें गुरु कौन थे?
(a) गुरु नानक (b) गुरु गोविंद सिंह (b)
(c) अंगद (d) गुरु तेग बहादुर

12. तवरम क्या था?
(a) भजनों के संकलन का ग्रंथ (ब) दक्षिण भारत का एक संत (a)
(c) दक्षिण भारत में प्रचलित संगीत (d) वैष्णव परम्परा

13. "उलटबाँसी" रचनाओं का संबंध किससे रहा है?
(a) गुरु नानक (b) कबीर (b)
(c) रविदास (d) बासवन्ना

14. शेख निजामुद्दीन औलिया की दरगाह कहां स्थित है?
(a) अजमेर (b) फतेहपुर सीकरी (d)

शेखावाटी मिशन–100

(c) अजोधन (d) दिल्ली

15. कबीर को भक्ति का मार्ग दिखाने वाले गुरु कौन थे ?

(a) रामानंद (b) रविदास (a)

(c) गुरु नानक (d) शंकर देव

16. किस संत ने अपने विचार पंजाबी भाषा में शबद के माध्यम से सामने रखे?

(a) अर्जुन देव (b) शंकर देव (d)

(c) कबीर (d) गुरु नानक

17. खालसा पंथ की स्थापना किसने की थी ?

(a) अर्जुन देव (b) गुरू नानक (d)

(c) तेग बहादुर (d) गोबिन्द सिंह

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्नः–

1. प्रारंभिक भक्ति आंदोलन कहाँ से और किसके नेतृत्व में हुआ?

उत्तर– (i) तमिलनाडु में।

(ii) अलवार (विष्णु के अनुयायी), नयनार (शिव के अनुयायी) संतों के नेतृत्व में।

2. सुफी संतों एवं सुल्तानों में तनाव उत्पन्न होने के कोई दो कारण बताएँ।

उत्तर– (i) सूफी संतों के अनुयायियों द्वारा उनके समक्ष झुककर प्रणाम करना एवं कदम चूमना।

(ii) सूफी संतों द्वारा आडंबरपूर्ण उपाधियों को धारण करना।

3. अंडाल और करइक्काल अम्मइइयार किसकी भक्त थी? अथवा अंडाल एवं करइक्काल अम्मइइयार कौन थी?

उत्तर– (i) अंडाल प्रसिद्ध अलवार/विष्णु भक्त भक्त थी। अंडाल एकमात्र अलवार महिला संत थी। अंडाल स्वयं को विष्णु की प्रेयसी मानकर अपनी प्रेमभावना छंदों में व्यक्त करती थी।

(ii) करइक्काल अम्मइइयार प्रसिद्ध नयनार/ शिव भक्त थी। शिवभक्त /नयनार परंपरा की स्त्री भक्त करइक्काल अम्मइइयार ने अपने उद्देश्य प्राप्ति हेतु घोर तपस्या का मार्ग अपनाया।

4. जंगम कौन थे?

उत्तर– जंगम वीरशैव मत से संबंधित यायावर भिक्षु थे।

5. अलवारों के उस मुख्य काव्य संकलन का नाम लिखिए, जिसका वर्णन तमिल वेद के रूप में किया जाता था और इस काव्य का संकलन किस भाषा में किया गया था?

उत्तर– नलयिरादिव्यप्रबन्धम्

नलयिरादिव्यप्रबन्धम् का संकलन 12 अलवारों ने तमिल भाषा में किया।

6. बासवन्ना ने किस भाषा में प्रचार किया तथा उनके द्वारा रचे गए पदों को किस नाम से जाना जाता था?

उत्तर– (i) बासवन्ना ने कन्नड़ भाषा में प्रचार किया ।

(ii) उनके द्वारा रचे गए पदों को वचन नाम से जाना जाता था ।

7. बारहवीं शताब्दी में कर्नाटक में एक नवीन आंदोलन का उदभव हुआ, जिसका नेतृत्व किसने किया?

उत्तर– बासवन्ना नामक ब्राह्मण

8. जीनन से क्या अभिप्राय है?

उत्तर–जीनन भक्ति गीत थे। इन्हें विशेष रागों में मुसलमानों द्वारा अपनी प्रार्थनाओं के दौरान गाया जाता था।

9. कश्मीर की सभी मस्जिदों में 'मुकुट का नगीना' किस मस्जिद को समझा जाता है?

उत्तर– श्रीनगर की झेलम नदी के किनारे बनी शाह हमदान मस्जिद को।

10. बा – शरिया एवं बे शरिया से क्या अभिप्राय है?

उत्तर– (i) शरिया (इस्लामी कानून) का पालन करने वाले सूफी संत बा–शरिया कहलाते थे।

(ii) शरिया की अवहेलना करने वाले सूफी संत बे–शरिया कहलाते थे।

11. यदि आप अजमेर की यात्रा करें तो किस चिश्ती संत की दरगाह पर जाना पसंद करेंगे ?

उत्तर– अजमेर में स्थित मुइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह पर

12. मुइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह पर आने वाला पहला सुल्तान कौन था?

उत्तर– मुहम्मद बिन तुगलक (1324–51)

13. किस हद तक उपमहाद्वीप में पाई जाने वाली मस्जिदों का स्थापत्य स्थानीय परिपाटी और सार्वभौमिक आदर्शों का सम्मिश्रण है?

उत्तर– (i) मस्जिदों के कुछ स्थापत्य संबंधी तत्त्व सभी जगह एक समान थे जैसे इमारत का मक्का की तरफ अनुस्थापन।

(ii) मस्जिदों के कुछ स्थापत्य संबंधी तत्व स्थानीय परिपाटी के थे जैसे छत का नमूना एवं निर्माण का सामान।

14. मुनिस–अल–अखाह (यानि आत्मा का विश्वस्त) किसकी जीवनी है और इसकी रचना किसने की?

उत्तर– मुनिस अल अखाह शेख मुइनुद्दीन चिश्ती की जीवनी है, जिसकी रचना मुगल बादशाह शाहजहाँ की बेटी जहाँआरा द्वारा की गई।

15. 1568 ईस्वी में किसने तीर्थयात्रियों के लिए खाना पकाने हेतु एक विशाल देग मुइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह को भेंट की?

उत्तर– मुगल बादशाह अकबर ने

16. पदमावत किसकी रचना है?

उत्तर– मलिक मुहम्मद जायसी की

17. किस चिश्ती संत की काव्य रचना गुरु ग्रंथ साहिब में संकलित है?

उत्तर– बाबा फरीद की

18. किस सूफी संत को सुल्तान उल–मशेख (शेखों में सुल्तान) कहा जाता था?

उत्तर– शेख निजामुद्दीन औलिया के अनुयायी उन्हें सुल्तान उल–मशेख (शेखों में सुल्तान) कह कर संबोधित करते थे।

19. शेख सलीम चिश्ती की दरगाह कहाँ स्थित है??

उत्तर– फतेहपुर सीकरी में

20. बाबा गुरु नानक ने किसको अपने बाद गुरुपद पर आसीन किया?

उत्तर– गुरु नानक ने अपने अनुयायी अंगद को अपने बाद गुरुपद पर आसीन किया।

21. मसनवी से क्या अभिप्राय है? इनका उद्देश्य क्या था?

उत्तर– (i) मसनवी सूफियों द्वारा लिखित लंबी कविताएँ थीं।?

(ii) इनका उद्देश्य अल्लाह के प्रति मानवीय प्रेम को प्रकट करना है।

22. धर्म के इतिहासकार भक्ति परंपरा को किन दो मुख्य वर्गों में बाँटते हैं?

उत्तर– धर्म के इतिहासकार भक्ति परंपरा को दो मुख्य वर्गों में बाँटते हैं:–

(i) सगुण भक्ति (विशेषण सहित)

(ii) निर्गुण भक्ति (विशेषण विहिन)

23. अलवार और नयनार किस मत से संबंधित थे?

उत्तर– (i) अलवार दक्षिण भारत में विष्णु के उपासक (वैष्णव मत के) थे।

(ii) नयनार दक्षिण भारत में शिव के उपासक (शैव मत के) थे।

24. जिम्मी से क्या अभिप्राय है ?

उत्तर– ज़िम्मी मुस्लिम शासकों के क्षेत्र में रहने वाले संरक्षित लोग थे। ये गैर मुस्लिम थे। इन लोगों को जजिया कर के बदले इस्लामी नियमों के पालन में छूट दी जाती थी।

25. अमीर खुसरो किसके शिष्य थे?

उत्तर– शेख निजामुद्दीन औलिया का

26. इस्लाम संप्रदाय किन दो शाखाओं में बँट गया?

उत्तर– दो शाखाओं में शिया और सुन्नी

27. 12 वीं शताब्दी के अंत में भारत आने वाले सूफी सिलसिलों में कौन सा सिलसिला सबसे अधिक प्रभावशाली रहा?

उत्तर– चिश्ती सिलसिला

28. चिश्ती दरगाहों में सर्वाधिक पूजनीय दरगाह किसकी है तथा यह कहाँ स्थित है?

उत्तर– (i) चिश्ती दरगाहों में सर्वाधिक पूजनीय दरगाह शेख मुइनुद्दीन चिश्ती की है।

(ii) यह अजमेर में स्थित है।

29. भारत में सूफी समुदायों में चिश्ती सिलसिला सबसे अधिक प्रभावशाली रहा, इसका क्या कारण था ?

उत्तर– भारत में चिश्ती सिलसिला सबसे प्रभावशाली रहा, इसका कारण यह था कि सूफी संतों ने न केवल अपने आपको स्थानीय परिवेश में अच्छी तरह ढाला अपितु भारतीय भक्ति परंपरा की कई विशेषताओं को भी अपनाया।

30. 8वीं से 18वीं शताब्दी तक की भक्ति और सूफी परम्पराओं को जानने के किन्हीं दो स्त्रोतों का उल्लेख कीजिए ? अथवा 8 वीं से 18 वीं सदी तक के नए साहित्यिक स्त्रोतों में कौन सी रचनाएं सम्मिलित की गई है? इनकी कोई दो विशेषताएं लिखें।

उत्तर– (i) संत कवियों की रचनाएं

(ii) संत कवियों के अनुयायियों (जो उनके संप्रदाय से थे) द्वारा लिखी गई उनकी जीवनियां

विशेषताएं:–

(i) इन्हें जनसाधारण की क्षेत्रीय भाषाओं में मौखिक रूप से अपने को व्यक्त किया था।

(ii) इनमें से अधिकतर रचनाएँ संगीतबद्ध हैं तथा संतों के अनुयायियों द्वारा उनकी मृत्यु के पश्चात् संकलित की गई।

31. लिंगायतों और नयनारों के बीच एक समानता और एक असमानता का उल्लेख कीजिए?

उत्तर– (i) समानता – दोनों ही जाति प्रथा एवं सामाजिक धार्मिक बुराइयों का विरोध करते हैं।

(ii) असमानता:– लिंगायत शिव की पूजा लिंग के रूप में करते हैं, जबकि नयनार शिव की पूजा मूर्ति व लिंग दोनों ही रूप में करते हैं।

32. सूफी परंपरा में सिलसिले का क्या अर्थ है? और इस्लामी दुनिया में सूफी सिलसिलों का गठन कब से होने लगा था?

उत्तर–(i) सिलसिला का शाब्दिक अर्थ है जंजीर, यह जंजीर शेख और मुरीद के बीच एक निरंतर रिश्ते की द्योतक है, जिसकी पहली अटूट पैगम्बर मोहम्मद से जुड़ी है।

(ii) बारहवीं शताब्दी के आसपास इस्लामी दुनिया में सूफी सिलसिलों का गठन होने लगा।

33. कबीर की बानी किन पुस्तकों/विशिष्ट परिपाटियों में संकलित है, नाम लिखिए?

उत्तर– (i) कबीर ग्रंथावली

(ii) कबीर बीजक

(iv) गुरु ग्रंथ साहिब में

34. किस प्रकार मीरा बाई ने जातिवादी समाज की रूढ़ियों का उल्लंघन किया?

उत्तर– मीरा के गुरु रैदास थे जो काशी के एक चर्मकार थे। इससे पता चलता है मीरा ने निम्न जाति के माने जाने वाले रैदास को अपना गुरु मानकर जातिवादी समाज की रूढ़ियों का उल्लंघन किया।

35. संप्रदाय के समन्वय से इतिहासकार क्या अर्थ निकालते हैं? इसका सबसे विशिष्ट उदाहरण कहाँ से मिली है?

उत्तर– (i) संप्रदाय के समन्वय से इतिहासकार का अर्थ पूजा प्रणालियों के समन्वय से है।

(ii) इसका सबसे विशिष्ट उदाहरण पुरी, उड़ीसा से मिलता है।

36. वैदिक परंपरा एवं तांत्रिक आराधना पद्धति में कभी कभी संघर्ष की स्थिति क्यों उत्पन्न हो जाती थी ?

उत्तर–(i) वैदिक परंपरा के प्रशंसक उन सभी विश्वासों की आलोचना करते थे जो ईश्वर की उपासना के लिए मंत्रो के उच्चारण के साथ यज्ञों के संपादन से हटकर थे।

(ii) तांत्रिक परंपरा के प्रशंसक वैदिक सत्ता की अवहेलना करते थे।

37. पीर शब्द का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

उत्तर– सूफियों के प्रत्येक सिलसिले का नेतृत्व जो संत करता था वह पीर कहलाता था। वह बहुत पवित्र जीवन व्यतीत करता था। सूफी अल्लाह तक पहुँचने के लिए पीर का होना आवश्यक समझते थे।

38. मुरीद शब्द का अर्थ स्पष्ट कीजिए ।

उत्तर– एक पीर के अधीन जो शिष्य होते थे वे मुरीद कहलाते थे। सूफी विचारधारा में पीर एवं मुरीद के मध्य संबंधों का बहुत महत्त्व होता था। मुरीद अपने गुरु के पद चिन्हों पर चलता था।

39. भक्ति आंदोलन में अलवार स्त्री का नाम क्या था?

उत्तर– अंडाल

40. किस चोल सम्राट ने संत कवि अप्पार, संबंदर और सुंदरार (तीनों नयनार संत/शैव मत के है) की धातु प्रतिमाएं एक शिव मंदिर में स्थापित करवाई?

उत्तर–945 ईस्वी के एक अभिलेख के अनुसार चोल सम्राट परांतक प्रथम ने संत कवि अप्पार, संबंदर और सुंदरार की धातु प्रतिमाएं शिव मंदिर में स्थापित करवाई।

41. अतिया मस्जिद कहाँ स्थित है? इसका निर्माण कब हुआ?

उत्तर– जिला– मैमनसिंग, बांग्लादेश, निर्माण 1609 ई. में

42. चोल सम्राटों द्वारा निर्मित विशाल शिव मंदिरों के नाम लिखिए?

उत्तर– चिदम्बरम, तंजावुर और गंगैकोंडचोलपुरम के विशाल मंदिरों का निर्माण चोल सम्राटों ने करवाया।

43. 711 ईस्वी में किस अरब सेनापति ने सिंध को विजित कर लिया था ?

उत्तर– मुहम्मद बिन कासिम ने

44. जजिया कर क्या था?

उत्तर– जजिया कर एक धार्मिक कर था जिसे मुस्लिम शासक अपने राज्य की गैर इस्लामी प्रजा से संरक्षण की एवज में वसूलते थे।

<u>दीर्घ उत्तरीय प्रश्न–</u>

1. अलवार और नयनार भक्ति परंपरा में जाति के प्रति क्या दृष्टिकोण था? इस परंपरा में स्त्रियों की उपस्थिति का भी उल्लेख कीजिए ?

mUj & (i) अलवार और नयनार संतों का जाति के प्रति दृष्टिकोण –

अलवार और नयनार संतों ने जाति प्रथा व ब्राह्मणों की प्रभुता के विरोध में आवाज उठाई। कुछ हद तक यह बात सत्य प्रतीत होती है क्योंकि भक्ति संत विविध समुदायों से थे जैसे ब्राह्मण, शिल्पकार, किसान, अस्पृश्य जाति के लोग आदि ।

(ii) प्रारंभिक भक्ति परंपरा में स्त्री संत–

इस परंपरा की सबसे बड़ी विशेषता इसमें स्त्रियों की उपस्थिति थी। अलवार परंपरा में अंडाल एकमात्र अलवार स्त्री संत और अंडाल ने स्वयं को विष्णु की प्रेससी मानकर उनकी स्तुति में भक्ति गीत गाये । करइक्काल अम्मइयार नयनार स्त्री संत थी। शिव भक्त करइक्काल अम्मइयार ने घोर तपस्या का मार्ग अपनाया। इन स्त्रियों ने अपने सामाजिक कर्तव्यों का परित्याग किया। इन स्त्रियों की जीवन पद्धति और उनकी रचनाओं ने पितृ सत्तात्मक आदर्शों को चुनौती दी।

2. प्रारम्भिक भक्ति परंपरा को स्पष्ट करते हुए इनका राज्य के प्रति दृष्टिकोण का भी उल्लेख कीजिए और इनकी रचनाओं को वेदों के समकक्ष क्यों कहा गया ? स्पष्ट कीजिए ।

उत्तर– **(i)** धर्म के इतिहासकार भक्ति परंपरा को दो मुख्य वर्गों में बाँटते हैं सगुण भक्ति– इसमें ईश्वर का मूर्त रूप मानकर उसकी पूजा की जाती हैं।

निर्गुण भक्ति– इसमें ईश्वर के अमूर्त, निराकार रूप की उपासना की जाती हैं।

(ii) तमिलनाडु के अलवार और नयनार संत– प्रारंभिक भक्ति आंदोलन अलवारों और नयनारों के नेतृत्व में हुआ। अलवार व नयनार एक स्थान से दूसरे स्थान पर भ्रमण करते हुए तमिल में ईस्ट की स्तुति में भजन गाते थे। इन संतों ने यात्राओं के दौरान कुछ पावन स्थलों को अपने ईस्ट का निवास स्थान घोषित किया, जहां बाद में मंदिरों का निर्माण हुआ और ये तीर्थ स्थल माने गए।

(iii) प्रारंभिक भक्ति परंपरा में संतों का राज्य के साथ संबंध– तमिल भक्ति रचनाओं की एक मुख्य विषयवस्तु बौद्ध और जैन धर्म के प्रति उनका विरोध है। इतिहासकारों ने इस विरोध की व्याख्या करते हुए यह सुझाव दिया है कि परस्पर विरोधी धार्मिक समुदायों में राजकीय अनुदान एवं संरक्षण को लेकर प्रतिस्पर्धा थी। पल्लव, पांडयों एवं चोल शासकों ने भक्ति परंपरा को समर्थन दिया तथा विष्णु और शिव के मंदिरों के निर्माण के लिए भूमि अनुदान दिए।

नयनार और अलवार संत वेल्लाल कृषकों द्वारा सम्मानित होते थे, इसलिए शासकों ने भी उनका समर्थन पाने का प्रयास किया।

- अलवार और नयनार संतों की इन रचनाओं को वेद जितना महत्त्वपूर्ण बताकर इस परंपरा को सम्मानित किया गया। नलयिरादिव्यप्रबन्धम् को चारों वेदों के समकक्ष रखना अलवार तथा नयनार संतों के प्रभुत्व का उदाहरण हैं। इन संतों का प्रभुत्व इसलिए था क्योंकि इनकी परंपरा में जाति भेद नहीं था।

3. टिप्पणी लिखिएः **(i)** वीरशैव परंपरा **(ii)** इस्लाम के पांच सिद्धांत

(iii) खानकाह और सिलसिला **(iv)** सिख धर्म के पांच प्रतीक

उत्तर– **(i) वीरशैव परंपरा/वीरशैव परंपरा की विशेषताएं–**

12वीं शताब्दी में कर्नाटक में शैव धर्म का प्रचार प्रसार वीरशैव, लिंगायत के रूप में हुआ। वीरशैव व लिंगायत समुदाय के प्रवर्तक कल्याणी के कलाचुरी वंश के प्रधानमंत्री बासवन्ना नामक ब्राह्मण थे। इस समुदाय के संतों ने कन्नड़ भाषा में उपदेश दिए। उनके भक्ति गीतों को वचन शास्त्र कहा जाता था।

लिंगायत समुदाय की विशेषताएं– शिव की आराधना लिंग के रूप में करते हैं। इस समुदाय के पुरुष वाम स्कंध पर चांदी की एक डिबिया में एक लघु लिंग को धारण करते हैं। इस समुदाय के अनुसार मृत्योपरांत भक्त शिव में लीन हो जाएंगे तथा इस संसार में पुनः नहीं लौटेंगे। पुनर्जन्म के सिद्धांत में विश्वास नहीं करते। श्रद्धा संस्कार का पालन नहीं करते।

(ii) इस्लाम के पाँच नियम/सिद्धांत–

1. अल्लाह एकमात्र ईश्वर है, पैगंबर मोहम्मद उनके दूत है।
2. दिन में पांच बार नमाज पढ़ी जानी चाहिए।
3. खैरात एवं जकात बांटनी चाहिए
4. रमजान के महीने में रोजा रखना चाहिए।
5. हज के लिए मक्का जाना चाहिए।

(iii) खानकाह और सिलसिला– खानकाह–सूफी संतों का निवास स्थान खानकाह हुआ करता था। खानकाह का नियंत्रण शेख, पीर अथवा मुर्शिद के हाथ में था। खानकाह सामाजिक जीवन का केंद्र बिंदु था। शेख निजामुद्दीन औलिया की खानकाह उस समय के दिल्ली शहर की बाहरी सीमा पर यमुना नदी के किनारे गियासपुर में थी। शेख निजामुद्दीन ने कई आध्यात्मिक वारिसों का चुनाव किया और उन्हें उपमहाद्वीप के विभिन्न भागों में खानकाह स्थापित करने के लिए नियुक्त किया।

सिलसिला–सिलसिला का शाब्दिक अर्थ है जंजीर, यह जंजीर शेख और मुरीद के बीच एक निरंतर रिश्ते की घोतक है, जिसकी पहली अटूट कड़ी पैगंबर मोहम्मद से जुड़ी है। इस कड़ी के द्वारा आध्यात्मिक शक्ति और आशीर्वाद मुरीदों तक पहुंचता था। 12वीं शताब्दी के आसपास इस्लामी दुनिया में सूफी सिलसिला का गठन होने लगा।

(iv) सिख धर्म के पांच प्रतीक या पंच ककार– गुरु गोबिंद सिंह ने सिखों को पांच प्रतीक धारण करने का आदेश दिया, जिसे पंच ककार कहा जाता है। यह पांच प्रतीक है–बिना काटे केश, कृपाण, कच्छ, कंघा, लोहे का कड़ा।

4. कबीर की बानी तीन विशिष्ट परिपाटियों में संकलित है। व्याख्या कीजिए ?

उत्तर– कबीर की बानी तीन विशिष्ट परिपाटियों में संकलित है–

(i) कबीर बीजक– कबीर पंथियों द्वारा वाराणसी तथा उत्तर प्रदेश के अन्य स्थानों पर संरक्षित है।

(ii) कबीर ग्रंथावली– कबीर ग्रंथावली का संबंध राजस्थान के दादू पंथियों से है।

(iii) आदि ग्रंथ साहिब–कबीर के कई पद आदि ग्रंथ साहिब में संकलित है।

5. भक्ति परंपरा / आंदोलन की विशेषताओं का वर्णन कीजिए ?

उत्तर– मध्यकाल में कई धार्मिक विचारकों तथा सुधारकों ने भारत के सामाजिक धार्मिक जीवन में सुधार लाने के उद्देश्य से भक्ति को माध्यम बनाकर एक आंदोलन प्रारंभ किया, जो भक्ति आंदोलन के नाम से प्रसिद्ध हुआ। 6वीं शताब्दी में प्रारंभिक भक्ति आंदोलन की शुरुआत अलवार और नयनार संतों के नेतृत्व में हुयी।

भक्ति आंदोलन की मुख्य विशेषताएं हैः–

(i) भक्ति आंदोलन के दौरान दो प्रकार के भक्ति संतों का उदय हुआ– सगुण भक्ति संत और निर्गुण भक्ति संत

(ii) एक ईश्वर में आस्था–ईश्वर एक है वह सर्व शक्तिमान है।

(iii) बाह्य आडम्बरों का विरोध–भक्ति आंदोलन के संतों ने कर्मकाण्ड का खण्डन किया। सच्ची भक्ति से मोक्ष एवं ईश्वर की प्राप्ति होती है।

(iv) सन्यास का विरोध–भक्ति आंदोलन के अनुसार यदि सच्ची भक्ति है ईश्वर में श्रद्धा है तो गृहस्थ में ही मोक्ष मिल सकता है।

(v) वर्ण व्यवस्था का विरोध–भक्ति आंदोलन के आंदोलन के प्रवतकों ने वर्ण व्यवस्था का विरोध किया है। ईश्वर के अनुसार सभी एक है।

(vi) मानव सेवा पर बल–भक्ति आंदोलन के समर्थकों ने यह माना कि मानव सेवा सर्वोपरि है। इससे मोक्ष मिल सकती है।

(vii) हिन्दू मुस्लिम एकता का प्रयास–भक्ति आंदोलन के द्वारा संतों ने लोगों को यह समझाया कि राम, रहीम में कोई अंतर नहीं।

(viii) स्थानीय भाषाओं में उपदेश–संतों ने अपना उपदेश स्थानीय भाषाओं में दिया। भक्तों ने इसे सरलता से ग्रहण किया ।

(ix) समन्वयवादी प्रवृत्ति– संतों, चिन्तकों, विचारकों ने इर्ष्या की भावना को समाप्त करके लोगों में सामंजस्य, समन्वय की भावनाओं को प्रोत्साहन दिया ।

(x) गुरु के महत्व में वृद्धि–भक्ति आंदोलन के संतों ने गुरु एवं शिक्षक के महत्व पर बल दिया। गुरु ही ईश्वर के रहस्य को सुलझाने एवं मोक्ष प्राप्ति में सहायक होता है।

(xi) समर्पण की भावना–समर्पण की भावना से सत्य का साक्षात्कार एवं मोक्ष की प्राप्ति हो सकती है।

(xii) समानता की भावना–ईश्वर के समक्ष सभी लोग समान है। ईश्वर सत्य है। सभी जगह विद्यमान है। उनमें भेदभाव नहीं है। यही भक्ति मार्ग का सही रास्ता है। भक्ति का पंथ सबके लिए खुला है। चाहे वह धनी हो या गरीब, ऊँची जाति का हो या नीची जाति का, स्त्री हो या पुरुष ।

6. आप कैसे कह सकते हैं कि कबीर और नानक देव सामाजिक चेतना के प्रहरी थे ?

उत्तर–मध्यकालीन भक्ति आंदोलन में संत कबीर एवं गुरु नानक का महान योगदान हैं। कबीर और नानक ने एक

समान धार्मिक और सामाजिक बुराइयों का विरोध किया। इन दोनों संतों ने जाति प्रथा और सामाजिक भेदभाव को अस्वीकार कर दिया और धार्मिक पाखंड और कर्मकांडों के प्रति जनसामान्य को जागृत करने का प्रयास किया। ये दोनों संत सरल जीवन और उपासना पद्धति के समर्थक थे।

इस प्रकार कबीर और नानक ने लोगों को धार्मिक पाखण्डों तथा कर्मकाण्डों के प्रति सचेत करने का प्रयास किया। अतः हम मान सकते हैं कि कबीर और नानक दोनों सामाजिक चेतना के प्रहरी थे।

7. मीराबाई पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए ?

उत्तर– मीराबाई संभवतः भक्ति परंपरा की सबसे प्रसिद्ध कवियत्री है। इनका जन्म कुड़की गांव (पाली) में हुआ था और इनका पालन–पोषण मेड़ता (नागौर) में हुआ था। मारवाड़ की राजपूत राजकुमारी मीराबाई का विवाह मेवाड़ के सिसोदिया वंश के शासक सांगा के पुत्र भोजराज के साथ हुआ। अपने पति की मृत्यु के बाद मीराबाई ने विष्णु के अवतार कृष्ण को अपना एकमात्र पति स्वीकार किया। मीरा के गुरु रविदास/रैदास थे जो काशी के एक चर्मकार थे। इससे पता चलता है कि मीरा ने निम्न जाति के माने जाने वाले रविदास को अपना गुरु मानकर जातिवादी समाज की रूढ़ियों का उल्लंघन किया ।

8. इतिहासकार धार्मिक परम्परा के इतिहास का पुनर्निर्माण करने के लिए किन–किन स्रोतों का उपयोग करते हैं?

उत्तर: इतिहासकार धार्मिक परम्परा के इतिहास का पुनर्निर्माण करने के लिए अनेक स्रोतों का उपयोग करते हैं जिनमें प्रमुख हैं–मूर्तिकला, स्थापत्य कला, धर्मगुरुओं से जुड़ी कहानियाँ, दैवीय स्वरूप को जानने को उत्सुक स्त्री व पुरुषों द्वारा लिखी गई काव्य रचनाएँ। मूर्तिकला एवं स्थापत्य कला का उपयोग इतिहासकार तभी कर सकते है जब उन्हें इन आकृतियों और इमारतों को बनाने व उनका उपयोग करने वाले लोगों के विचारों, आस्थाओं तथा आचारों की समझ हो। धार्मिक विश्वासों से सम्बन्धित साहित्यिक परम्पराओं को समझने के लिए हमें कई भाषाओं की जानकारी होनी चाहिए।

9. "इस्लाम और उसके सिद्धान्तों का पूरे उपमहाद्वीप में दूर–दराज तक फैलाव हुआ।" कथन को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर– इस्लाम के आगमन के पश्चात् होने वाले परिवर्तन शासक वर्ग तक ही सीमित न रहकर पूरे उपमहाद्वीप में दूर–दराज तक तथा विभिन्न सामाजिक समुदायों, जैसे–किसान, शिल्पी, योद्धा, व्यापारी आदि के बीच फैल गए। जिन्होंने इस्लाम धर्म को स्वीकार किया उन्होंने सैद्धान्तिक रूप से इसकी पाँच मुख्य बातों / सिद्धांतों को माना।

इस्लाम के पाँच नियम/सिद्धांतः–

(i) अल्लाह एकमात्र ईश्वर है तथा पैगम्बर मोहम्मद उनके दूत हैं।

(ii) दिन में पाँच बार नमाज पढ़नी चाहिए।

(iii) जकात एवं खैरात बॉटनी चाहिए।

(iv) रमजान के महीने में रोजा रखना चाहिए।

(v) हज के लिए मक्का जाना चाहिए।

कुरान के विचारों की अभिव्यक्ति के लिए खोजा इस्माइली (शिया) समुदाय के लोगों ने देशी साहित्यिक विधा का सहारा लिया। विभिन्न स्थानीय भाषाओं में जीनन नाम से भक्ति गीतों को गाया जाता था जो राग में निबद्ध थे। इसके अतिरिक्त मालाबार तट (केरल) के किनारे बसे अरब मुसलमान व्यापारियों में स्थानीय मलयालम भाषा को अपनाने के साथ–साथ 'मातृकुलीयता' एवं 'मातृगृहता' जैसे स्थानीय आचारों को भी अपनाया। इस प्रकार इस्लाम और उसके सिद्धान्तों का पूरे उपमहाद्वीप में दूर–दराज तक फैलाव हुआ।

10. सूफीवाद के प्रमुख धार्मिक विश्वासों और प्रथाओं पर चर्चा करें। अथवा सूफी मत क्या है, संक्षेप में लिखिए?

उत्तर–सूफीवाद की प्रमुख मान्यताएँ और प्रथाएँ थीं:–

सूफी धार्मिक और राजनीतिक संस्थान के रूप में खलीफा के बढ़ते भौतिकवाद के खिलाफ थे। सूफियों ने धर्मशास्त्रियों द्वारा अपनाई गई कुरान और सुन्ना (पैगंबर की परंपराओं) की व्याख्या करने की हठधर्मिता परिभाषाओं और विद्वानों के तरीकों की आलोचना की। सूफियों ने ईश्वर के प्रति तीव्र भक्ति और प्रेम के माध्यम से मोक्ष प्राप्त करने पर जोर दिया। सूफियों ने अपने व्यक्तिगत अनुभव के आधार पर कुरान की व्याख्या की। उन्होंने लोगों को खिलाने के लिए लंगर (एक खुली रसोई) का आयोजन किया। सुबह से लेकर देर रात तक सभी क्षेत्रों के लोग सैनिक, दास, गायक, व्यापारी, कवि, यात्री, अमीर और गरीब वहाँ आते रहे। गायन और नृत्य उस परंपरा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया जिसे पहले इस्लाम में अनुमोदित नहीं किया गया था।

सूफियों ने या तो जिक्र (दैवीय नामों) को याद करके या समा के माध्यम से अपनी उपस्थिति को प्रकट करते हुए या रहस्यमय संगीत के प्रदर्शन से भगवान को याद किया।

11. भक्ति आंदोलन में अलवार और नयनार परंपरा में अंतर स्पष्ट कीजिए ?

उत्तर–

अलवार	नयनार
1. अलवार विष्णु भक्त थे।	1. नयनार शिव भक्त थे।
2. अलवार संतों की संख्या 12 थी।	2. नयनार संतों की संख्या 63 थी।
3. अलवार संतों की रचनाओं का संकलन नलयिरादिव्यप्रबंधन में किया गया।	3. नयनार संतों की रचनाओं का संकलन तवरम में किया गया।
4. अलवारों में एकमात्र महिला संत अंडाल थी।	4. करइक्काल अम्मइयार प्रसिद्ध महिला संत थी।

12. बे–शरिया और बा–शरिया सूफी परंपरा के बीच एकरूपता और अंतर, दोनों को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर– बे–शरिया और बा–शरिया सूफी परंपरा के बीच एकरूपता–

(i) बे–शरिया तथा बा–शरिया दोनों ही इस्लाम धर्म से संबंधित थे।

(ii) बे–शरिया तथा बा–शरिया दोनों ही इबादत पर अधिक बल देते थे।

(iii) दोनों के अनुसार – सर्वोच्च शक्ति केवल एक है 'अल्लाह'

बे–शरिया और बा–शरिया सूफी परंपरा में अंतर–

बे–शरिया इस्लामी कानून (शरिया) का पालन नहीं करते थे। इसके विपरीत बा शरिया इस्लामी कानून (शरिया) का पालन करते थे।

बे–शरिया सूफी संत खानकाह (आश्रम) का अपमान (तिरस्कार) करके फकीर की जिंदगी व्यतीत करते थे। इसके विपरीत बा–शरिया सूफी संत खानकाहों में रहते थे। खानकाहों में पीर अपने शिष्यों (मुरीदों) के साथ रहता था।

13. चिश्ती सिलसिले ने भारतीय भक्ति परंपरा की कई विशेषताओं को अपनाया था, संक्षेप में स्पष्ट कीजिए ?

उत्तर–समकालिक रहस्यवाद–भक्ति परंपरा में रहस्यवाद, ईश्वर से संवाद करने के तरीके और ईश्वर के साथ एकता की अनुभूति के रूप में दिखता है।

भक्ति परंपरा में रहस्यवाद के कुछ उदाहरणः–

भजन गाना, कीर्तन करना, अनुष्ठान करना

प्रार्थना करना, जप करना

तन को देवालय बनाकर ईश्वर के साक्षात्कार की कोशिश करना

सूफियों में रहस्यवाद– सूफियों ने भक्ति परंपरा के रहस्यवाद को अपनाया।

सूफी मुसलमान हैं, लेकिन उन्हें सर्वेश्वरवादी रहस्यवादी माना जाता है।

सूफ़ियों ने धार्मिक भावों को तीव्र करने के लिए संगीत और गीतों को सुनने पर जोर दिया।

जियारत / तीर्थयात्राः–

हिंदू धर्म में तीर्थयात्रा में शुद्धि, भक्ति और ज्ञान प्राप्ति के लिए पवित्र स्थलों की आध्यात्मिक यात्राएँ शामिल हैं। ये यात्राएँ, जो अक्सर ऋषियों और भक्तों द्वारा की जाती हैं, पुण्य, प्रायश्चित और गहन आध्यात्मिक समझ की खोज पर जोर देती हैं। भक्ति संतों ने पवित्र तीर्थस्थलों की यात्राएं की।

भक्ति आंदोलन से प्रभावित होकर सूफीवाद में भी जियारत की परंपरा का विकास हुआ। सूफीवाद में सबसे लोकप्रिय अनुष्ठानों में से एक सूफी संतों की कब्र कब्रों की जियारत है। किसी भी महत्व के स्थान पर जाने की रस्म को जियारत कहा जाता है।

संगीत प्रभावः–

संगीत हमेशा सभी भारतीय धर्मों के बीच एक समृद्ध परंपरा के रूप में मौजूद रहा है। विचारों को फैलाने के एक प्रभावशाली माध्यम के रूप में संगीत ने लोगों से पीढ़ियों के लिए अपील की है। भारत में दर्शक पहले से ही स्थानीय भाषाओं में भजनों से परिचित थे। इस प्रकार आबादी के बीच सूफी भक्ति गायन तुरंत सफल रहा। संगीत ने सूफी आदर्शों को मूल रूप से प्रसारित किया।

एकेश्वरवादः–

भक्ति परंपरा के अनुयायी एक ही सर्वशक्तिमान ईश्वर की पूजा करते हैं, जिसे कई अलग–अलग नामों से जाना जाता है। इसी प्रकार सूफी संत भी एकेश्वरवाद में विश्वास करते हैं।

अध्याय–7 एक साम्राज्य की राजधानी–विजयनगर
अंकभार–6

बहुविकल्पात्मक प्रश्न–

1. वास्को डी गामा ने भारत की खोज कब की थी ?
   (a) 1495 ई. (b) 1498 ई. (b)
   (c) 1503 ईं (d) 1499 ई.
2. तालीकोटा का युद्ध कब लड़ा गया था ?
   (a) 1465 ई. (b) 1542 ई (c)
   (c) 1565 ई. (d) 1529 ई.
3. तालीकोटा के युद्ध में विजयनगर का नेतृत्व किसने किया ?.
   (a) कृष्णादेवराय (b) हरिहर (d)
   (c) बुक्का (d) रामराय
4. विजयनगर के शासक किसकी ओर से शासन करने का दावा करते थे ?
   (a) भगवान विरूपाक्ष (b) पम्पादेवी (a)
   (c) तिरुपति (d) इनमे से कोई नही
5. हम्पी को राष्ट्रीय महत्व के स्थल के रूप में मान्यता कब मिली ?
   (a) 1980 ई. (b) 1975 ई. (c)
   (c) 1976 ई. (d) 1973 ई.
6. कॉलिन मैकेन्जी को भारत का पहला सर्वेयर जनरल कब बनाया गया ? (a)
   (a) 1815 ई. (b) 1821 ई.
   (c) 1836 ई. (d) 1856 ई.
7. कृष्णदेव राय का संबन्ध किस वंश से था?
   (a) संगम वंश (b) सुलुव वंश (c)
   (c) तुलुव वंश (d) अराविदु वंश
8. विजयनगर के शासक अपने आप को क्या कहते थे ?
   (a) नायक (b) राय (b)
   (c) सम्राट (d) राव
9. हम्पी को यूनेस्को ने विश्व पुरातत्व स्थल कब घोषित किया थी ?
   (a) 1986 ई० (b) 1982 ई० (a)

(b) 1976 ई० (c) 1972 ई०

10. विजयनगर के सभी राजकीय आदेशों पर कन्नड़ लिपि में क्या अंकित होता था ?

(a) हिन्दू सूरतराणा (b) श्री विरुपाक्ष (b)

(c) तिरूपति (d) इनमें कोई नहीं

11. हम्पी का पहला सर्वेक्षण मानचित्र किसने तैयार किया था?

(a) निकोलो दे कॉन्ती (b) जार्ज मिशेल (d)

(c) नागराज राव (d) कॉलिन मैकेन्जी

12. समकालीन लोग विजयनगर साम्राज्य को किस नाम से पुकारते थे ?

(a) कर्नाटक साम्राज्युम (b) बहमनी साम्राज्य (a)

(c) दक्षिणराज्य (d) उपरोक्त सभी

लघुत्तरात्मक प्रश्नः–

1. विजयनगर साम्राज्य को वर्तमान में किस नाम से जाना जाता है ? इसका यह नाम क्यों पड़ा ?

उत्तर– हम्पी के नाम से जाना जाता है। यह नाम स्थानीय मातृदेवी पम्पादेवी के नाम से पड़ा।

2. हम्पी की खोज किसने की थी तथा ये किस पद पर कार्यरत थे ?

उत्तर– हम्पी की खोज 1800 ई. में कर्नल कॉलिन मैकेन्जी ने की थी। मैकेन्जी भारत के पहले सर्वेयर जनरल थे।

3. विजयनगर साम्राज्य के इतिहास के पुनर्निर्माण में किन स्त्रोतों का अध्ययन किया गया ?

उत्तर– विदेशी यात्रियों के वृत्तांतों, तेलुगु, कन्नड़, तमिल, एवं संस्कृत साहित्य का।

4. विजयनगर साम्राज्य की स्थापना किसने व कब की ?

उत्तर– संगम वंश के हरिहर और बुक्का ने 1336 ई० में की।

5. गजपति, अश्वपति एवं नरपति का शाब्दिक अर्थ बताइए?

उत्तर– गजपति – हाथियों के स्वामी उड़ीसा के शासको के लिए

अश्वपति – घोड़ों के स्वामी दक्कन के सुल्तानों के लिए

नरपति – लोगों के स्वामी विजयनगर के रायों के लिए

6. विजयनगर में व्यापारियों के स्थानीय समूह को किन नामों से जाना जाता था ?

उत्तर– कुरिदई चेट्टी अथवा घोड़ों के व्यापारी

7. विजयनगर के शासक घोड़ों का आयात कहाँ से करते थे?

उत्तर– अरब तथा मध्य एशिया से

8. कृष्णदेव राय का संबंध किस वंश से था ?.

उत्तर– तुलुव वंश से

9. तालीकोटा के युद्ध को अन्य किस नाम से जाना जाता है?

उत्तर– राक्षसी – तांगडी के नाम से

10. तालीकोटा का युद्ध किन–किन के मध्य हुआ ?

उत्तर–.विजयनगर के प्रधानमंत्री रामराय एवं बीजापुर, गोलकुण्डा, अहमदनगर की संयुक्त सेना के मध्य।

11. तालीकोटा युद्ध के बाद विजयनगर की सत्ता कहाँ स्थानांतरित हुई ?

उत्तर– पेनकोन्डा व बाद में चंद्रगिरी (तिरुपति) के समीप स्थानांतरित हो गई।

12. "यवन राज्य की स्थापना करने वाला" विरुद धारण किसने किया था ?

उत्तर– कृष्णदेव राय ने

13. "यवन" शब्द किनके लिए प्रयोग में लाया जाता था ?

उत्तर– यवन संस्कृत शब्द है जो यूनानियों एवं उत्तर–पश्चिम से आने वाले लोगो के लिए प्रयोग मे लाया जाता था।

14. 'हिरिया नहर' का मुख्यतः उपयोग क्या था ?

उत्तर– हिरिया नहर का निर्माण संगम वंश के राजाओं ने करवाया था। इसका प्रयोग तुंगभद्रा बांध से पानी लाने के लिए होता था। इसे "धार्मिक केन्द्र" से "शहरी केन्द्र" को अलग करने वाली घाटी को सिंचित करने में प्रयोग किया जाता था।

15.. नायक कौन थे ?

उत्तर– विजयनगर के सेना प्रमुख होते थे जिनका किलों पर नियन्त्रण होता था जिनके पास सशस्त्र समर्थक होते थे। ये तेलुगु या कन्नड़ भाषा बोलते थे।

16. विजयनगर के किलेबंद भाग की सड़कों की विशेषताएं बताइए ?

उत्तर– सड़के पहाड़ी भू–भाग से बचकर घाटियों से होकर ही इधर–उधर घुमती थी। मुख्य सड़के मंदिरों के प्रवेश द्वारों से आगे बढ़ी हुई थी और इनके दोनों ओर बाजार थे।

17. विजय नगर के "राजा का भवन" नामक स्थान की दो प्रमुख संरचनाए कौन सी थी ?

(i) सभा मंडप **(ii)** महानवमी डिब्बा

18. लोटस (कमल) महल क्या था ?.

उत्तर– यह विजयनगर साम्राज्य के राजकीय केन्द्र का सुन्दर भवन था। जो परिषदीय सदन था जहाँ राजा अपने परामर्शदाताओं से मिलता था।

19. हज़ार राम मन्दिर की विशेषता बताइए ?

उत्तर– विजयनगर साम्राज्य के राजकीय केन्द्र में स्थित मंदिर जिसका प्रयोग केवल राजा और उनके परिवार द्वारा ही किया जाता था । इसकी आंतरिक दीवारों पर रामायण के दृश्य उत्कीर्णित है।

20. 'हिन्दू सूरतराणा' का शाब्दिक अर्थ क्या है ?

उत्तर– यह अरबी भाषा के शब्द 'सुल्तान' जिसका अर्थ है राजा, का संस्कृत अनुवाद था। शाब्दिक रूप में इसका अर्थ था हिंदू सुल्तान ।

21. विजयनगर की राजधानी का स्थान चयन किससे प्रेरित था ?

उत्तर– यह स्थान विरूपाक्ष तथा पम्पा देवी के मन्दिरों के अस्तित्व से प्रेरित था।

22. विजयनगर साम्राज्य के क्षेत्र के मन्दिरों के निर्माण में किन–किन राजवंशों का योगदान था ?

उत्तर– (i) पल्लव **(ii)** चोल **(iii)** चालुक्य **(iv)** होयसाल

23. विभिन्न विवरणों से विजयनगर के सामान्य लोगों के जीवन की क्या छवि पाते है?

उत्तर– पूर्तगाली यात्री बरबोसा ने वर्णन किया कि "सामान्य लोगों के अन्य आवास छप्पर के है, पर फिर भी सुदृढ़ है, और व्यवसाय के आधार पर कई खुले स्थानों वाली लंबी गलियों में व्यवस्थित है।"

24. मंदिरो के विशिष्ट अभिलक्षणों में 'मण्डप' भी थे ? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर–ये अकसर मंदिर परिसर में स्थित देवस्थल के चारो ओर बने थे जो सूक्ष्मता से उत्कीर्णित स्तंभो से सजे हुए थे।

25. मन्दिरो के सभागार का प्रयोग किन कार्यो में होता था ?

उत्तर– देवताओं की मूर्तिया, संगीत, नृत्य और नाटको के विशेष कार्यक्रम होते थे। देवी–देवताओं के विवाह उत्सव मनाने एवं झुला झुलाने के काम आते थे।

26. विजयनगर साम्राज्य के पूर्व शासको ने किन मंदिरों को संरक्षण प्रदान किया ?

उत्तर– (i) तंजावुर के बृहदेश्वर मंदिर **(ii)** बेलूर के चन्नकेशव मंदिर

27. विजयनगर सम्राज्य का सर्वेक्षण किसने किया था ?

उत्तर– जॉन एम. फ्रिटज, जॉर्ज मिशेल एवं एम. एस. नागराज राव।

28. विजयनगर साम्राज्य अपने चरमोत्कर्स पर कहाँ तक फैला हुआ था?

उत्तर– उत्तर में कृष्णा नदी से लेकर प्रायद्वीप के सुदूर–दक्षिण (तमिलनाडु, आंध्रप्रदेश) तक

29. ''अमर'' शब्द का आविर्भाव कैसे हुआ?

उत्तर– अमर शब्द का आविर्भाव संस्कृत शब्द समर से हुआ जिसका अर्थ लड़ाई या युद्ध है। यह फारसी शब्द अमीर से मिलता जुलता है जिसका अर्थ : ऊंचे पद की कुलीन व्यक्ति।

30. मंदिरों व सम्प्रदायों को प्रश्रय देना शासकों के लिए महत्वपूर्ण था? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर– शासक देव–स्थलों में प्रतिष्ठित देवी–देवताओं से संबंध के माध्यम से अपनी सत्ता को स्थापित करने तथा वैधता प्रदान करने का प्रयास करते थे।

31. कृष्णदेव राय के शासन की चारित्रिक विशेषताएं बताइएँ ?

उत्तर– (i) दक्षिण भारतीय मंदिरों में भव्य गोपुरमों के निर्माण की शुरुआत की।

(ii) अपनी माँ के नाम पर नगलपुरम् नामक उपनगर की स्थापना की।

(iii) शांति एवं समृद्धि का काल

32. विजयनगर साम्राज्य पर किन–किन राजवंशों ने शासन किया क्रमशः नाम बताइए ?

उत्तर– (i) संगम वंश **(ii)** सुलुव वंश **(iii)** तुलुव वंश **(iv)** अराविदु वंश

33. कृष्णदेव राय के द्वारा रचित ग्रंथ का नाम बताइए तथा इससे क्या जानकारी मिलती है ?

उत्तर– अमुक्तमल्यद ग्रंथ की रचना तेलुगु भाषा में की थी। इस ग्रंथ में शासन, कला एवं व्यापारियों के विषय में लिखा गया है।

34. आप कैसे कह सकते है कि विजयनगर के प्रधानमंत्री रामराय द्वारा सुल्तानों के प्रति अपनाई गई नीति जोखिमपूर्ण थी ?

उत्तर– यह रामराय की जोखिम भरी नीति थी, जिसके अनुसार उसने एक सुल्तान को दूसरे के विरुद्ध करने की कोशिश की किंतु वे सुल्तान एक हो गए और उन्होंने उसे निर्णायक रूप से पराजित कर दिया।

35. अमर नायक प्रणाली विजयनगर साम्राज्य की एक प्रमुख राजनीतिक खोज थी। स्पष्ट कीजिए ?

उत्तर– (i) अमर नायक प्रणाली दिल्ली सल्तनत की इक्ता प्रणाली से ली गई थी।

(ii) अमर नायक सैनिक कमांडर होते थे जिनकी नियुक्ति राय के द्वारा की जाती थी।

(iii) ये किसानों, शिल्पकर्मियों तथा व्यापारियों से भूराजस्व एवं अन्य कर वसूल करते थे।

(iv) ये राजस्व का कुछ भाग व्यक्तिगत उपयोग के लिए रखते थे।

(v) विजयनगर शासकों को सैनिक शक्ति प्रदान करते थे।

36. अमर नायकों पर शासक किस प्रकार अपना नियन्त्रण दर्शाते थे ?

उत्तर– (i) अमर नायक को वर्ष में एक बार स्वामीभक्ति प्रकट करने के लिए स्वयं को उपहारों के साथ राजकीय दरबार में उपस्थित होना पड़ता था।

(ii) राजा समय–समय पर उनका स्थानान्तरण भी करता रहता था।

37. विजयनगर के शासक जल संचय के प्रति जागरूक थे। स्पष्ट कीजिए।

उत्तर– विजयनगर की प्रमुख नदी तुंगभद्रा नदी थी जिसके द्वारा निर्मित प्राकृतिक कुण्ड से कई जलधाराएं निकलती थी। इन जलधाराओं पर बाँध बनाकर हौज बनाए जाते थे। इनमे कमलपुरम् जलाशय आज भी विद्यमान है। इसके पानी को खेतों में सिंचाई एव नहर के माध्यम से राजकीय केन्द्र तक ले जाया गया था। आज भी संगम वंश के राजाओं द्वारा निर्मित हिरिया नहर के अवशेष मिलते हैं।

38. विजयनगर साम्राज्य की एक विशेषता किलेबंदी थी। कथन की व्याख्या कीजिए।

उत्तर–फ़ारस के दूत अब्दुर रज्ज़ाक ने दुर्गो की सात पंक्तियों का उल्लेख किया। इनसे शहर के साथ कृषि भूमि व जंगलों को भी घेरा जाता था किलेबंदी के तीन घेरे थे– पहले से कृषि भूमि को घेरे थी, दूसरी नगरीय केन्द्र के आंतरिक भाग के चारों ओर तथा तीसरी शासकीय केन्द्र को घेरी होती थी।

39. विजयनगर में कृषि क्षेत्रों को किलेबंद भू–भाग में क्यो समाहित किया जाता था ?

उत्तर– (i) मध्यकालीन घेराबंदियों का मुख्य उद्देश्य प्रतिपक्ष को खाद्य सामग्री से वंचित कर समर्पण के लिए बाध्य करना था।

(ii)) ये घेराबंदिया कई महिनों या वर्षों तक चल सकती थी। ऐसी परिस्थितियों से निपटने के लिए किलेबंद क्षेत्रों के भीतर ही विशाल अन्नागारों का निर्माण करवाते थे।

(iii) पूरे कृषि भू–भाग को बचाने के लिए अधिक व्यापक एव महंगी नीति को अपनाया।

40. विजयनगर शासकों की स्थापत्य कला के कौन–कौन से से तत्व तुर्क सुल्तानों द्वारा प्रवर्तित स्थापत्य से प्रभावित थे ?

उत्तर– (i) किलेबंद बस्ती में जाने के लिए बने प्रवेश द्वारों पर बनी मेहराब और द्वार के ऊपर बनी गुम्बद तुर्की सुल्ताना द्वारा प्रवर्तित स्थापत्य थी।.

(ii) इस शैली को इण्डो–इस्लामिक (हिंद–इस्लामी) कहते है क्योंकि इसका विकास विभिन्न क्षेत्रों की

स्थानीय स्थापत्य कला के सम्पर्क से हुआ था।

41. विजयनगर साम्राज्य में महानवमी डिब्बा का क्या धार्मिक महत्व था ?

उत्तर– (i) यह ऊँचे स्थान पर निर्मित विशालकाय मंच है जिसका आधार उभारदार उत्कीर्णन से पटा पड़ा है।

(ii) इसका उपयोग शासक अपने रुतबे, ताकत तथा अधिराज्य का प्रदर्शन करने में करते थे।

(iii) इससे जुड़े अनुष्ठान दस दिन के हिंदू त्यौहार दशहरा, नवरात्री या महानवमी नामों से होता था।

(iv) इसके अनुष्ठान में मूर्तिपूजा, अश्व पूजा तथा भैसों की बली दी जाती थी।

(v) नृत्य, कुश्ती, साज लगें घोड़ो, हाथियों, रथों एवं सैनिकों की शोभायात्रा होती थी।

42. मंदिर स्थापत्य में गोपुरम् का क्या महत्त्व है ?

उत्तर– गोपुरम् राजकीय सत्ता की घोतक थी। ये राजकीय प्रवेशद्वार थे जो अक्सर केन्द्रीय देवालयों की मीनारो को बौना प्रतीत कराते थे और लंबी दूरी से ही मंदिर के होने का संकेत देते थे।

43. विरूपाक्ष मंदिर की विशिष्टताएं बताइए ?

उत्तर– . इसका निर्माण कई शताब्दियों में हुआ था लेकिन विजयनगर साम्राज्य में इसका अधिक विस्तार हुआ। कृष्णदेव राय ने इसमें मण्डप एवं गोपुरम् का निर्माण करवाया था। केन्द्रीय देवालय पूरे परिसर के एक छोटे भाग तक सीमित रह गया था।

44. विट्ठल मंदिर का संक्षिप्त परिचय दीजिए?

उत्तर– ये महाराष्ट्र में पूजे जाने वाले विष्णु के एक रूप थे जो यहाँ के प्रमुख देवता थे। विट्ठल मंदिर में कई सभागार तथा रथ के आकार का मंदिर है। इसकी अन्य विशेषता रथ गलियाँ है जो मन्दिर के गोपुरम से सीधी रेखा में जाती है। इसके दोनों ओर स्तंभ वाले मण्डप थे जिसमें व्यापारी अपनी दुकाने लगाते थे।

45. विजयनगर साम्राज्य की यात्रा करने वाले विदेशी यात्री कौन–कौन थे ?

उत्तर– (i) इटली का निकोलो दे कॉन्ती **(ii)** फारस का अब्दुर रज्ज़ाक

(iii) रूस का अफानासी निकितन **(iv)** पुर्तगाल का दुआर्ते बरबोसा, फर्नावो नूनिज़

46. कृष्णदेव राय की विजयों के बारे में बताइए ?

उत्तर– **(i)** कृष्णा व तुंगभद्रा नदियों के बीच का क्षेत्र (रायचूर दोआब) पर विजय (1512ई0)

(ii) उड़ीसा के शासकों का दमन (1514ई.)

(iii) बीजापुर के सुल्तान पर विजय (1520ई.)

47. विजयनगर के शासक और सल्तनते दोनो एक दूसरे के स्थायित्व को निश्चित करने के लिए इच्छुक थे ? स्पष्ट कीजिए–

उत्तर– **(i)** दोनों में धार्मिक विभिन्नताएं होने पर भी हमेशा या अपरिहार्य रूप से शत्रुता नहीं रखते थे।

(ii) कृष्णदेव राय ने बहमनी साम्राज्य के कई दावेदारों का समर्थन किया जिस पर उन्हें यवन राज्य की स्थापना करने वाला का विरूद धारण किया था।

(iii) बीजापुर के सुल्तान ने कृष्णदेवराय की मृत्यु के पश्चात विजयनगर के उत्तराधिकार के विवाद की सुलझाया था।

48. तुंगभद्रा नदी के तट से लगे शहर के चट्टानी उत्तरी भाग का कई धार्मिक मान्यताओं से संबंध था स्पष्ट कीजिए।

उत्तर– **(i)** स्थानीय मान्यताओं के अनुसार थे पहाड़ियों रामायण में उल्लिखित बाली व सुग्रीव के वानर राज्य की रक्षा करती थी।

(ii) स्थानीय मातृदेवी पम्पादेवी ने इन पहाड़ियों में विरुपाक्ष, जो राज्य की संरक्षक देवता तथा शिव का रूप माने जाते हैं से विवाह के लिए तप किया था।

(iii) विजयनगर साम्रज्य के पूर्वकालिक जैन मंदिर मिले है।

अध्याय – 8
किसान, जमींदार और राज्य, कृषि समाज और मुगल साम्राज्य
अंकभार–6

वस्तुनिष्ठ प्रश्नः–

1. तुज्क–ए–बाबरी ग्रंथ किसने व किस भाषा में लिखा ?
   (a) अकबर– तुर्की (b) बाबर – तुर्की
   (c) अकबर – फारसी (d) हुमायूँ – तुर्की (b)
2. बाबरनामा ग्रंथ किस भाषा में है?
   (a) अरबी (b) तुर्की
   (c) संस्कृत (d) फारसी (d)
3. पंजाब में शाह नहर का निर्माण किसने करवाया था?
   (a) बाबर (b) हुमायू
   (c) शाहजहाँ (d) अकबर (c)
4. तम्बाकू पर पाबंदी किस मुगल शासक ने लगाई थी ?
   (a) हुमायूँ (b) अकबर
   (c) औरंगजेब (d) जहाँगीर (d)
5. राजस्व वसूल करने वाले अधिकारी को किस नाम से जाना जाता था ?
   (a) अमील–गुजार (b) दीवान
   (c) सुबेदार (d) मनसबदार (a)
6. आइन–ए–अकबरी की रचना किसने की थी?
   (a) अकबर (b) अबुल–फजल
   (c) जहाँगीर (d) गुलबदन बेगम (b)
7. आइन–ए–अकबरी की रचना अकबर के शासन के किस वर्ष पूर्ण हुई ?
   (a) चालीसवें वर्ष (b) बीसवें वर्ष
   (c) बयालीसवें वर्ष (d) पाँचवें वर्ष (c)

शेखावाटी मिशन–100

8. अकबर एवं उसके अभिजातों ने पहली बार तम्बाकू कब देखा था ?

(a) 1576 ई0 (b) 1604 ई0 (b)

(c) 1600 ई0 (d) 1605 ई0

9. जंगल एक ऐसा कवच था "जिसके पिछे परगना के लोग कड़े विद्रोही हो जाते थे और कर अदा करने से मुकर जाते थे" यह कथन किसने कहा ?

(a) अकबर (b) हुमायूँ (c)

(c) बाबर (d) औरंगजैब

10. किसके शासन काल में जुती हुई जमीन और जोतने लायक जमीन की नपाई गई ?

(a) बाबार (b) अकबर (b)

(c) शाहजहां (d) जहांगीर

रिक्त स्थान की पूर्ति करोः–

1. खेती व्यक्तिगत ..... के सिद्धान्त पर आधारित थी।

उत्तर– **मिल्कियत**

2. लाहौर, दीपालपुर एवं अन्य जगह के लोग ..... के जरिये सिंचाई करते थे।

उत्तर–**रहट**

3. आइन–ए–अकबरी के अनुसार आगरा प्रांत में ..... एवं दिल्ली प्रांत में ..... की फसले उगाई जाती थी।

उत्तर– **39 किस्म, 43 किस्म**

4. पंचायत की आमदनी एवं खर्च का विवरण रखने में मुखिया की सहायता पंचायत का ..... करता था।

उत्तर–**पटवारी**

5. मुगल प्रांत के प्रशासनिक मण्डल को ..... कहते थे।

उत्तर–**परगना**

6. महाराष्ट्र में दस्तकारों के जमीन पर पुश्तैनी आधिकार को ..... कहते थे।

उत्तर– **मीरास या वतन**

7. असम के वे लोग जो जमीन के बदले राजा को सैनिक सेवा देते थे वे ..... कहलाते थे।

उत्तर–**पायक**

8. पंजाब का ..... कबीला भारत एवं अफगानिस्तान के बीच स्थलीय व्यापार करता था।

उत्तर– **लोहानी**

9. राज्य की कुछ खास किस्म की सेवा को ..... कहते थे।

उत्तर–**खिदमत**

10. अकबरनामा ग्रंथ को ..... जिल्दो में लिखा गया ।

उत्तर– **तीन**

11. दान में दिया गया राजस्व अनुदान ..... कहलाता था।

उत्तर– **सुयूरगल**

12. मुगल काल में पैदल सिपाही को ..... कहते थे।

उत्तर– **प्यादा**

13. प्रांतो में राजकीय नियम कानूनों का पालन सुनिश्चित करने की जिम्मेवारी ..... की होती थी।

उत्तर– **अमीन**

14. ..... लेखक के मुताबिक, मुगल राज्य के खिलाफ कोई बगावत नहीं थी।

उत्तर– **आइन**

15. अत्यधिक कर की मांगों के मामले में पंचायत ..... को सुझाव देती थी

उत्तर– **समझौते**

16. उन्नीसवी सदी के अंग्रेज अफसरों ने भारतीय गाँवों को ..... के रूप में देखा।

उत्तर– **'एक छोटे गणराज्य'**

17. मुद्रा की फेर बदल करने वाले को ..... कहते है।

उत्तर– **सराफ**

18. मुगल राज्यं द्वारा ली जाने वाली भेंट ..... कहलाती थी।

उत्तर– **पेशकश**

19. मुगल काल में राज्यादेश को .....कहते थे।

उत्तर– **सनद**

20. खेतिहर समाज की बुनियादी इकाई में ..... व ..... शामिल थे।

उत्तर– **गाँव, किसान**

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न–

1. मुगल ग्रामीण समाज के बारे में जानने के स्रोत क्या थे?

उत्तर– (i) आइन–ए–अकबरी

(ii) ईस्ट इंडिया कम्पनी के दस्तावेज

2. खेतिहर किसान जमीन की हदों की पहचान कैसे करते थे?

उत्तर– मिट्टी, ईंट एवं काँटों के निशान से

3. मुगल काल में किस किसानों को समृद्ध माना जाता था?

उत्तर– (i) गुजरात में 6 एकड़ वाले किसान को

(ii) बंगाल में 5 एकड़ वाले किसान को

(iii) 10 एकड़ वाले किसान को आसामी (अमीर) समझा जाता था।

4. भारत में तम्बाकू का पौधा सर्वप्रथम कहाँ पहुंचा था?

उत्तर– दक्कन में

शेखावाटी मिशन–100

5. गाँव छोड़कर भाग जाना खेतिहरों के हाथ में एक बड़ा प्रभावी हथियार था ? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर– जोतने लायक जमीन खाली जमीन अपेक्षाकृत आसानी से उपलब्ध थी जबकि श्रम को लेकर प्रतियोगिता थी।

6. सत्रहवीं सदी में मारवाड़ में लिखी गई किताब किसकी चर्चा करती है?

उत्तर– राजपूतों व जाटों की किसानों के रूप में

7. कौनसी जातियां पशुपालन व बागवानी में बढ़ते मुनाफे की वजह से सामाजिक सीढी में ऊपर उठीं?

उत्तर– अहीर, गुज्जर और माली

8. खेतिहर किन ग्रामीण दस्तकारियों में संलग्न रहते थे?

उत्तर– (i) रंगरेजी कपड़े पर छपाई

(ii) मिट्टी के बरतनों को पकाना

(iii) खेती के औजार बनाना

9. दस्तकारों को उनकी सेवाओं के बदले क्या अदायगी दी जाती थी?

उत्तर– (i) उन्हें फसल का एक हिस्सा दे दिया जाता था।

(ii) गाँव की जमीन का एक टुकड़ा जो खेती लायक होने पर भी बेकार पड़ी हो।

10. महाराष्ट्र में कौनसी जमीन दस्तकारों की 'मीरास' या 'वतन' बन गई?

उत्तर– दस्तकारों की सेवाओं के बदले दी गई अदायगी में जमीन के टुकड़े जिन पर उनका पुश्तैनी अधिकार होता था।

11. दीवान कौन था एवं इसके क्या कार्य थे ?

उत्तर– राज्य के प्रशासनिक तंत्र में शामिल जिसके दफ्तर पर पूरे राज्य की वित्तीय व्यवस्था की देखरेख की जिम्मेदारी होती थी।

12. सोहलवी व सत्रहवी सदी में सत्ता और संसाधनों पर अपनी पकड़ मजबूत बनाने में कामयाब रहने वाले साम्राज्य कौनसे थे?

उत्तर– (i) मुगल भारत में (ii) मिंग चीन में

(iii) सफावी ईरान में (iv) ऑटोमन तुर्की में

13. जोवान्नी कारेरी कौन था?

उत्तर– इटली का एक मुसाफिर जो लगभग 1690 में भारत से होकर गुजरे थे ने इस बात का सजीव चित्र पेश किया है कि किस तरह चाँदी तमाम दुनिया से होकर भारत पहुंचती थी।

14. जोवान्नी कारेरी के लेख किसके लेख पर आधारित थे ?

उत्तर– फ्रांस्वा बर्नियर के लेख पर

लघुत्तरात्मक प्रश्नः–

1. भारतीय–फारसी स्त्रोत में किसान के लिए कौन–कौन से शब्द इस्तेमाल होते थे?

उत्तर–रैयत (बहुवचन, रिआया), मुजरियान एवं आसामी शब्द इस्तेमाल होते थे।

2. खुद–काश्त व पाहि–काश्त किसानों में अंतर स्पष्ट कीजिए?

उत्तर–खुद–काश्त→ जो उन्हीं गावों में रहते थे जिनमें उनकी जमीन थीं। और स्वयं खेती करते थे।

पाहि–काश्त→ वे खेतीहर थे जो दूसरे गाँवों से ठेके पर खेती करने आते थे और उनके स्वयं के खेत नहीं थे।

3. 16वीं–17वीं सदी में कृषि उत्पादन को किस हद तक महज गुजारे के लिए खेती कह सकते हैं?

उत्तर–खेती का प्राथमिक उद्देश्य लोगों का पेट भरना था इसलिए रोजमर्रा के खाने की फसलें ज्यादा उगाई जाती थी।

4. जिन्स – ए– कामिल क्या थी?

उत्तर– सर्वोत्तम फसलो को जिनसे राज्य को ज्यादा कर मिलता था। जैसे गन्ना, कपास, तिलहन, दलहन आदि नकदी फसलों को जिन्स–ए–कामिल कहा जाता था।

5. कौन–कौन सी फसले दुनिया के अलग–अलग हिस्सो से भारत पहुंची थी ?

उत्तर– (i) अफ्रिका व स्पेन से मक्का (ii) नयी दुनिया (अमेरिका) से टमाटर, आलू, मिर्च, अनानास व पपीता

6. सामूहिक ग्रामीण समुदाय के तीन प्रमुख घटक क्या थे?

उत्तर– (i) खेतिहर किसान (ii) पंचायत (iii) गाँव का मुखिया (मुकद्दम या मण्डल)

7. मुगलकाल में कौनसी जातियाँ जाति व्यवस्था की पाबंदियों से बंधी हुई थी ?

उत्तर–(i) मुसलमान समुदाय में हलालखरान (ii) बिहार में मल्लाहजादाओं (नाविकों के पुत्र)

8. मध्यकाल में पंचायत के मुखिया के चुनाव की क्या प्रक्रिया थी?

उत्तर– मुखिया को मुकद्दम या मंडल भी कहते थे। इनका चुनाव गाँव के बुजुर्गो की आम सहमती से होता था ये इस पद पर बुजुर्गों के विश्वास पर ही पद पर बने रह सकते थे। चुनाव के बाद इसकी मंजूरी जमींदार से लेनी होती थी।

9. पंचायत एवं गाँव का मुखिया किस तरह से ग्रामीण समाज का नियमन करते थे ? विवेचना कीजिए।

उत्तर–(i) गाँव में रहने वाले अलग–2 समुदाय के लोगों को जाति की हदों में रखना ।

(ii) जाति की अवेहलना रोकने का कार्य करना।

(iii) पंचायतों को जुर्माना लगाने व समुदाय से निष्कासित करने का अधिकार भी था।

10. आपके मुताबिक कृषि समाज में सामाजिक व आर्थिक संबंधों को प्रभावित करने में जाति किस हद तक एक कारक थी। ?

उत्तर–(i) जाति व अन्य जाति भेदभाव की वजह से खेतिहर किसान कई समूह में बँटे थे।

(ii) खेती लायक जमीन की कमी नही थी फिर भी कुछ जाति के लागों को सिर्फ नीच समझे जाने वाले काम ही दिये जाते थे।

(iii) राजपूत एवं जाट दोनो जातियों को किसान माना जाता था लेकिन जाति व्यवस्था मे राजपूत जाट से ऊपर आती थी।

11. ग्रामीण समाज में जातीय पंचायत के क्या कार्य थे?

उत्तर–(i) दीवानी झगड़ों का निपटारा करती थी।

(ii) जमीन से जुड़े दावेदारियों के झगड़े सुलझाती थी।

(iii) जातिगत मानदंडों के मुताबिक शादियों का ध्यान रखती थी।

12. 'जजमानी' व्यवस्था क्या थी?

उत्तर–बंगाल के जमींदार लोगो को उनकी सेवाओं के बदले रोज का भत्ता और खाने के लिए नकदी देते थे। इस व्यवस्था को जजमानी कहते थे।

13. अंग्रेजों ने भारत के गाँवों को एक 'छोटा गणराज्य' कहा है? विवेचना कीजिए।

उत्तर–(i) लोग सामूहिक स्तर पर भाइचारे के साथ संसाधनों एवं श्रम का बँटवारा करते थे।

(ii) सम्पत्ति की व्यक्तिगत मिल्कियत होती थी।

(iii) गाँवों व शहरों के बीच व्यापार के कारण गाँव शहरों से जुड़ चुके थे।

14. कृषि उत्पादन में महिलाओं की क्या भूमिका होती थी?

उत्तर–(i) महिलाएँ बुआई, निराई, कटाई एवं पकी फसल के दाने निकालने का कार्य करती थी।

(ii) सूत कातने, बरतन बनाने, कपड़ो पर कढाई जैसे दस्तकारी महिलाओं के श्रम पर आधारित थी।

15. सोलहवी और सत्रहवी सदी में जंगलवासियों की जिदंगी किस तरह बदल गई ?

उत्तर–जंगल में बाहरी ताकते कई कारणों से घुसपैठ करने लगी थी।

(i) सेना के लिए हाथियों की आवश्यकता के कारण (ii) राजाओ द्वारा शिकार करने के कारण

(iii) वाणिज्यिक खेती एवं जंगल के उत्पादों की बाहर माँग होने के कारण।

16. मुगल भारत में जमींदारों की क्या भूमिका होती थी ?

उत्तर– (i) जमींदार जमीन के मालिक होते थे जिन्हें अपनी मर्जी से बेच व गिरवी रख सकते थे।

(ii) जमींदार राज्य की ओर से कर वसूल करता था बदले में उसे वित्तिय मुआवजा मिलता था ।

(iii) जमीदार के पास स्वयं के किले एवं सेना होती थी।

17. मुगल काल में भू–राजस्व वसूलने के कितने चरण थे?

उत्तर– भू–राजस्व वसूलने के दो चरण थे– (i) कर निर्धारण (ii) वास्तविक वसूली

(i) कर निर्धारण को जमा कहते थे जिसमें रकम निर्धारित की जाती थी(ii) हासिल–सचमुच वसूली गई रकम

18. मुगल काल में भूमि का वर्गीकरण कितने भागों में किया गया था?

उत्तर–भूमि का वर्गीकरण चार भागों में किया गया था।

(i) पोलज – सबसे उपजाऊ भूमि जिस पर साल की हर फसल होती थी।

(ii) परौती– इस भूमि को अपनी ऊपजाऊपनता पाने के लिए कुछ समय खाली रखी जाती थी।

(iii) चचर – यह भूमि तीन से चार वर्षों के लिए खाली रखी जाती थी।

(iv) बंजर – यह भूमि कृषि योग्य नही होती है इसे कृषि योग्य बनाया जाता था।

19. मनसबदारी व्यवस्था क्या थी ?

उत्तर–मुगल प्रशासनिक व्यवस्था के शीर्ष पर एक सैनिक नौकरशाही तंत्र था जिस पर राज्य के सैनिक एवं नागरिक मामलों की जिम्मेदारी थी।। मनसबदारों को भुगतान नकद या भू–राजस्व के आबंटन के जरिए होता था। तथा समय –समय पर इनका तबादला भी होता था।

20. मुगल काल मे नकद या जीन्स का निधारण कितने प्रकार से होता था ?

उत्तर–नकद या जीन्स का निर्धारण चार प्रकार से होता था।

(i) कणकुत – हिन्दी में कण का अर्थ अनाज और कुत का अर्थ अंदाजा। इसमे फसल को अच्छा, मध्यम व बदतर भाग में बाँटकर आकलन किया जाता था।

(ii) बटाई – इसे भाओली भी कहते थे। फसल को काटकर जमा करके सभी पक्षों की सहमती से बंटवारा होता था।

(iii) खेत बटाई – बीज बोने के बाद खेत बाँट लेते थे।

(iv) लाँग बटाई – फसल काटने के बाद ढेर लगाकर आपस में बाँटकर अपना हिस्सा घर ले जाते थे।

21. मुगल काल में स्थलीय व जलीय मार्गो से व्यापार किन देशो से होता था?

उत्तर– (i) स्थल मार्ग से व्यापार मिंग (चीन), सफानी (ईरान), ऑटोमन (तुर्की) से होता था।

(ii) जल मार्ग से व्यापार अमेरिक एवं यूरोप के देशों से।

22. आइन–ए–अकबरी का संकलन किस रूप में किया गया ?

उत्तर–आइन–ए–अकबरी को शाही नियम कानून के सारांश और साम्राज्य के राजपत्र की सूरत में संकलित किया गया था।

23. आइन–ए–अकबरी से हमें मुगल काल की क्या जानकारी मिलती है?

उत्तर– इस ग्रंथ से हमे दरबार, प्रशासन सेना के संगठन राजस्व के स्रोत, प्रांतो के भूगोल, साहित्य, संस्कृति व धार्मिक जीवन की जानकारी मिलती है।

24. आइन–ए–अकबरी ग्रंथ का संकलन कितने भागों में किया गया है।

उत्तर–आइन–ए अकबरी ग्रंथ का संकलन पाँच दफ्तर (भाग) में किया गया था।

(i) मंजिल आबादी – इसमें शाही घर परिवार और उसके रख–रखाव की जानकारी

(ii) सिपह आबादी – इसमें सैनिक, नागरिक प्रशासन, नौकरों की व्यवस्था, मनसबदारों, विद्वानों, कलाकारों की संक्षिप्त जीवनियां शामिल है।

(iii) मुल्क आबादी – साम्राज्य के प्रांतो एवं राजस्व आंकड़ो की जानकारी देती है। इसमें सूबो एवं उनकी प्रशासनिक व वितीय इकाइयों (सरकार, परगना महल) की जानकारी देती है। उत्तर भारत के कृषि समाज का विस्तृत विवरण देता है।

(iv) चौथे एवं पाँचवें भाग में भारत के लागों के मजहबी, साहित्यिक और सांस्कृतिक रीति–रिवाजों से ताल्लुक रखती है।

25. आइन–ए–अकबरी ग्रंथ का अनुवाद किसने किया ?

उत्तर–इसका संपादन हेनरी ब्लॉकमेन ने किया। कलकता की एशियाटिक सोसाइटी ने **बिब्लियोथिका** श्रृंखला में इसे तीन खण्डो में इसे प्रकाशित किया। प्रथम भाग का अनुवाद हेनरी ब्लॉकमेन तथा दूसरे व तीसरे भाग का अनुवाद एच0 एस0 जैरेट ने किया।लघुत्तरात्मक उर

26. मुगल काल के मंडल (मुकद्दम या मुखिया) भ्रष्ट होते थे। इस कथन को सिद्ध कैसे करोगे?

उत्तर– मंडल अक्सर अपने ओहदे का गलत इस्तेमाल कर पटवारी के साथ मिलकर हिसाब–किताब में हेरा–फेरी करते थे और अपनी जमीन पर कर का आकलन कम करके अतिरिक्त बोझ छोटे किसानों पर डाल देते थे।

27. मुगल काल में पंचायत की आमदनी के क्या स्रोत थे ?

उत्तर– (i) गाँव का आम खजाना होता था जिसमें हर व्यक्ति अपना योगदान देता था

(ii) पंचायतो द्वारा जुर्माना लगाकर

28. पंचायत आमदनी का उपयोग किस तरह करती थी ?

उत्तर– (i) गाँव का दौरा करने वाले अधिकारियों की खातिरदारी में

(ii) प्राकृतिक विपद्याओं से निपटने के लिए

(iii) सामुदायिक कार्यों जैसे मिट्टी के बाँध बनाना एवं नहर खोदना

29. मुगल काल में भी गाँवों में विषमताएं पायी जाती थी। कथन को स्पष्ट कीजिए–

उत्तर– (i) सम्पति की व्यक्तिगत मिल्कियत के आधार पर

(ii) जाति और जेण्डर (सामाजिक लिंग) के नाम पर

(iii) ताकतवर लोग ही गांव के मसलों पर फैसला लेते

30. गांवों व शहरों के बीच होने वाला व्यापार का नकद भुगतान कहाँ–कहाँ होता था?

उत्तर– (i) मुगलों के केन्द्रीय इलाकों में कर की गणना एवं वसूली नकद होती थी।

(ii) दस्तकार निर्यात के लिए उत्पादन की मजदूरी का पूर्व भुगतान भी नकद करते थे।

(iii) व्यापारिक फसल कपास, रेशम, व नील का भुगतान भी नकद होता था।

31. किसानों से जमींदारों के रिश्तों में पारस्परिकता पैतृकवाद और संरक्षण का पुट था? स्पष्ट कीजिए

उत्तर– (i) भक्ति संतों ने जातिगत व अन्य अत्याचारों की निंदा की लेकिन जमींदारों को किसानों का शोषक नही बताया।

(ii) 17वीं सदी के कृषि विद्रोह में जमीदारों को किसानों का समर्थन मिला।

32. आइन से सूबों के नीचे की इकाई सरकारों के बारे में क्या जानकारी मिलती है?

उत्तर– आइन में इसकी जानकारी तालिकाबद्ध तरीके से दी गई है जहां हर तालिका में आठ खाने है जिनसे ये जानकारी मिलती है–

उत्तर– (i) परगना/महल (ii) किला (iii) अराजी और जमीन–ए–पाईमूद (मापे गए इलाके)

(iv) नकदी (नकद निर्धारित राजस्व) (v) सुयूरगल (दान में दिया गया राजास्व अनुदान)

(vi) जमीदार (vii) एवं (viii) जमीदारों की जातियों और उनकी फौज की जानकारी

33. आइन ग्रन्थ पूरी तरह समस्या से परे नहीं हैं? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर– (i) जोड़ करने में कई गलतिया पाई गई।

(ii) आइन के संख्यात्मक आंकड़ों में विषमताए।

(iii) सभी सूबों से आंकड़े एक ही शक्ल में एकत्रित नहीं किए गए।

अध्याय–9 "उपनिवेशवाद और देहात" अंकभार–6

वस्तुनिष्ठ प्रश्नः–

1. औपनिवेशिक शासन सर्वप्रथम कहां स्थापित किया गया था ?
   (a) बंगाल (b) गुजरात (a)
   (c) मुंबई (d) मैसूर
2. इस्तमरारी बंदोबस्त को कब लागू किया गया था?
   (a) 1757 ई. (b) 1764 ई. (c)
   (c) 1793 ई. (d) 1799 ई.
3. पांचवी रिपोर्ट ब्रिटिश संसद में कब पेश की गई थी?
   (a) 1793 ई. (b) 1805 ई. (c)
   (c) 1813 ई. (d) 1857 ई.
4. दिकू किसे कहा जाता था?
   (a) किसानों को (b) साहूकारों को (b)
   (c) व्यापारियों को (d) संथालों को
5. दक्कन दंगा आयोग की रिपोर्ट ब्रिटिश संसद में कब पेश की गई थी?
   (a) 1813 ईस्वी (b) 1875 ईस्वी (c)
   (c) 1878 ईस्वी (d) 1899 ईस्वी
6. ब्रिटेन में कपास आपूर्ति संघ की स्थापना कब हुई ?
   (a) 1813 ईस्वी (b) 1857 ईस्वी (b)
   (c) 1878 ईस्वी (d) 1899 ईस्वी
7. मैनचेस्टर कॉटन कंपनी कब बनाई गई?
   (a) 1853 ईस्वी (b) 1857 ईस्वी (d)
   (स) 1858 ईस्वी (द) 1859 ईस्वी
8. जब 1793 में बंगाल में इस्तमरारी बंदोबस्त लागू किया गया, उस समय बंगाल का गवर्नर जनरल कौन था?
   (a) कार्नवालिस (ब) कर्जन (a)
   (स) रिपन (द) कैनिंग
9. अमला कौन था?
   (a) राजस्व इकट्ठा करने वाला अधिकारी (b) सेनापति (a)

(c) दरबारी अधिकारी (d) राजा का निजी सेवक

10. जोतदार कौन थे?

(a) गरीब किसान (b) धनी किसान (b)

(c) जमींदार (d) शिकमी रैयत

11. अमेरिका में गृह युद्ध कब शुरू हुआ था?

(a) 1793 (b) 1857 (c)

(c) 1861 (d) 1886

12. भारत में ईस्ट इंडिया कंपनी के प्रशासन तथा क्रियाकलापों के विषय में कौन–सी रिपोर्ट तैयार की गई थी?

(a) सातवीं रिपोर्ट (b) दसवीं रिपोर्ट (d)

(c) आठवीं रिपोर्ट (d) पांचवी रिपोर्ट

13. दामिन–ए–कोह का क्षेत्र किस जनजाति से संबंधित था ?

(a) संथाल (b) गरासिया (a)

(c) भील (d) पहाड़ियां

रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

1. सन्..... में बर्दवान में एक नीलामी की गई।

उत्तर–1797

2. .....में बंगाल में इस्तमरारी बंदोबस्त लागू किया गया।

उत्तर–1793

3. राजस्व इकट्ठा करने के समय, जींदार का एक अधिकारी जिसे आमतौर पर .....कहते थे, गांव में आता था।

उत्तर–अमला

4. पांचवी रिपोर्ट एक ऐसी रिपोर्ट है जो एक ..... द्वारा तैयार की गई थी।

उत्तर– प्रवर समिति

5. ..... को पहाड़ियां जीवन का प्रतीक माना जाता है।

उत्तर–कुदाल

6. हल को नए ..... की शक्ति का प्रतिनिधि मानना होगा।

उत्तर–बाशिंदों/संथालों

7. .....के सीमांकन के बाद संथालों की बस्तियां बड़ी तेजी से बढ़ी।

उत्तर–दामिन–इ–कोह

8. जो राजस्व प्रणाली बंबई दक्कन में लागू की गई उसे ..... कहा जाता है।

उत्तर–रैयतवाड़ी

शेखावाटी मिशन–100

9. मुंबई दक्कन में पहला राजस्व बंदोबस्त ..... के दशक में किया गया।

उत्तर–1820

10. .....के दशक से पहले, ब्रिटेन में कच्चे माल के तौर पर आयात की जाने वाली समस्त कपास का तीन चौथाई भाग ..... से आता था ।

उत्तर–1860, अमेरिका

11. .....में अंग्रेजों ने एक परिसीमन कानून पारित किया ।

उत्तर–1859

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्नः–

1. वह कौनसा प्रांत था जहां पर सबसे पहले ग्रामीण समाज को पुनर्व्यवस्थित करने और भूमि संबंधी अधिकारों की नयी व्यवस्था तथा एक नयी राजस्व प्रणाली स्थापित करने के प्रयत्न किए गये थे?

उत्तर– बंगाल में

2. इस्तमरारी बंदोबस्त कब व कहां लागू किया गया?

उत्तर– सन् 1793 में, बंगाल में।

3. योमॅन किसे कहा जाता था?

उत्तर– छोटे किसानों को

4.. अंग्रेजों के विवरणों में रैयत शब्द का प्रयोग किसके लिए किया गया है?

उत्तर– किसानों के लिए

5. बंगाल में धनी किसानों को किस नाम से पुकारा जाता था?

उत्तर– जोतदार

6. कुदाल को किन लोगों के जीवन का प्रतीक माना जाता है?

उत्तर– कुदाल को पहाड़ियां लोगों के जीवन का प्रतीक माना जाता है।

7.. हल को किन लोगों की शक्ति का प्रतिनिधि माना जाता हैं?

उत्तर– संथालों की

8. दिकू किसे कहा जाता था?

उत्तर– साहूकारों को

9. संथाल विद्रोह कब और किसके नेतृत्व में हुआ?

उत्तर– 1855–56 ई. में, सिधू मांझी और कान्हू के नेतृत्व में

10. दक्कन विद्रोह/आंदोलन कब और किस स्थान पर हुआ?

उत्तर– 12 मई 1875 ई. को, पूना (आधुनिक पुणे) जिले के गांव सूपा में

शेखावाटी मिशन–100

11. दक्कन विद्रोह के स्वरूप/प्रकृति के बारे में बताइए?

उत्तर– सब जगह दक्कन विद्रोह का स्वरूप एकसमान था। किसानों ने साहूकारों से उनके बही खातों और ऋणबंधों की मांग करते हुए उन पर हमला बोल दिया। किसानों ने साहूकारों के बही खाते जला दिए और ऋणबंध नष्ट कर दिए गए।

12. जो राजस्व प्रणाली बम्बई दक्कन में लागू की गई उसे किस नाम से जाना जाता हैं?

उत्तर– जो राजस्व प्रणाली बंबई दक्कन में लागू की गई उसे रैयतवाड़ी कहा जाता है।

13. जब इस्तमरारी बंदोबस्त लागू किया गया था, उस समय बर्दवान का राजा/जमींदार कौन था और बर्दवान की भूसंपदा को कब नीलाम किया गया था ? उस समय बर्दवान का राजा कौन था?

उत्तर– (i) तेजचंद

(ii) बर्दवान की भू–संपदा को 1797 ई० में नीलाम किया गया था।

(iii) उस समय बर्दवान का राजा तेजचंद था।

14. बर्दवान में की गई नीलामी की घटना क्या थी?

उत्तर– 1797 ई० में बर्दवान की भूसंपदा को नीलाम किया गया था। इसका निश्चित भू–राजस्व की अदायगी नहीं कर सका था। इसे सबसे ऊँची बोली लगाने वाले को बेच दिया गया था।

15. 1770 ई० के दशक में बंगाल की ग्रामीण अर्थव्यवस्था संकट के दौर से क्यों गुजर रही थी?

उत्तर– (i) इस समय बंगाल में बार–बार अकाल पड़ रहे थे।

(ii) खेती की पैदावार कम होती जा रही थी।

16. रैयत एवं शिकमी रैयत से क्या अभिप्राय है?

उत्तर– (i) रैयत किसानों को कहा जाता था। वे कुछ जमीन खुद जोतते थे तथा भू–राजस्व जमींदार को देते थे।

(ii) शिकमी रैयत, रैयत से पट्टे पर प्राप्त जमीन को जोतते थे तथा उन्हें भू– राजस्व देते थे।

17. इस्तमरारी बंदोबस्त क्या है?

उत्तर– इस्तमरारी बंदोबस्त को स्थायी बंदोबस्त भी कहते हैं। इसमें बंगाल के जमींदारों व कंपनी के बीच कर वसूलने की एक स्थायी व्यवस्था थी। जिसमें राजस्व की दर निश्चित होती थी। इस बंदोबस्त में जमींदार गाँव में भू–स्वामी नहीं बल्कि राज्य का राजस्व समाहर्ता (संग्राहक) होता था।

18. सूर्यास्त का नियम/कानून क्या था?

उत्तर– इस कानून के अनुसार यदि जमींदार द्वारा निश्चित तारीख को सूर्य अस्त होने तक लगान/भू–राजस्व नहीं दिया गया तो उसकी जमींदारी नीलाम हो जायेगी।

19. अमला कौन था? उसे पेश आने वाली कोई दो समस्याएँ बताएँ।

उत्तर– (i) अमला जमींदार का एक भू राजस्व अधिकारी था। जिसके माध्यम से जमींदार राजस्व का

संग्रहण करता था।

(ii) फसलों के खराब होने पर रैयत उसे भू–राजस्व अदा नहीं करते थे।

(iii) जोतदार जो गाँव में काफी प्रभावशाली होते थे अमला के मार्ग में बाधा उत्पन्न करते थे।

20. जोतदार कौन थे? वे किन अन्य नामों से जाने जाते थे?

उत्तर– (i) जोतदार गाँव के धनी किसान थे।

(ii) वे हवलदार एवं गॉटीदार नामक नामों से जाने जाते थे।

21. ग्रामीण बंगाल के बहुत से इलाकों में जोतदार एक ताकतवर हस्ती क्यों था?

उत्तर– (i) जोतदारों के पास भूमि के बड़े–बड़े टुकड़े थे। वे किसानों के हितैषी थे।

(ii) उनका स्थानीय व्यापार एवं साहूकारी पर पूरा नियंत्रण था।

22. पहाड़ियां से आप क्या समझते हैं?

उत्तर– राजमहल की पहाड़ियों के आस–पास रहने वाले लोग पहाड़ियां कहलाते थे। पहाड़ियां लोग जंगल की उपज से अपनी गुजर बसर करते थे और झूम खेती किया करते थे।

23. रैयतवाड़ी राजस्व व्यवस्था के बारे में बताइए? अथवा रैयतवाड़ी बंदोबस्त क्या था?

उत्तर– (i) रैयतवाड़ी व्यवस्था में राजस्व की राशि/लगान सीधे किसान (रैयत) के साथ तय किया गया।

(ii) रैयतवाड़ी व्यवस्था में भिन्न–भिन्न प्रकार की भूमि से होने वाली औसत आय का अनुमान लगा लिया जाता था।

(iii) हर 30 साल बाद लगान अदायगी की पुनः समीक्षा की जाएगी।

24. फ्रांसिस बुकानन कौन था? अथवा ईस्ट इंडिया कंपनी के एजेंट के रूप में बुकानन की भूमिका का परीक्षण कीजिए?

उत्तर– (i) फ्रांसिस बुकानन एक चिकित्सक था जो भारत आया और बंगाल चिकित्सा सेवा में कार्य किया।

(ii) वह भारत के गवर्नर जनरल लार्ड वेलेज्ली का शल्य चिकित्सक रहा।

(iii) उसने कलकत्ता में एक चिड़ियाघर की स्थापना की, जो कलकत्ता अलीपुर चिड़ियाघर कहलाया।

बुकानन ने ईस्ट इंडिया कंपनी के एजेंट के रूप में राजमहल की पहाड़ियों का दौरा किया। बुकानन ने राजमहल की पहाड़ियों में प्राकृतिक संसाधनों की खोज की और उन संसाधनों में फेरबदल करके उसे अधिक उपयोगी कैसे बनाया जा सके उससे संबंधित सुझाव भी दिए।

25. दक्कन दंगा रिपोर्ट क्या थी? इसके अनुसार रैयत विद्रोह का क्या कारण था?

उत्तर– जब विद्रोह दक्कन में फैला तो भारत सरकार के दबाव के कारण बम्बई सरकार ने दंगों की जाँच के लिए दक्कन दंगा आयोग का गठन किया।

(i) दक्कन दंगा आयोग ने जो रिपोर्ट तैयार की, उसे 1878 में ब्रिटिश संसद में पेश किया गया।

(ii) दक्कन दंगा रिपोर्ट में कहा गया कि दक्कन विद्रोह का कारण सरकारी मांग नहीं थी, बल्कि ये विद्रोह ऋणदाताओं या साहूकारों के शोषण के विरुद्ध था।

26. ब्रिटिश अधिकारियों की इस्तमरारी बंदोबस्त को लागू करने के पीछे क्या मंशा/उद्देश्य था?

उत्तर– ब्रिटिश अधिकारियों का मानना था कि यदि सरकार की राजस्व मांग स्थायी रूप से निर्धारित कर दी गई तो कंपनी राजस्व की नियमित प्राप्ति की आशा कर सकेगी। अधिकारियों को यह आशा थी कि इस प्रक्रिया से छोटे किसानों (योमॅन) और धनी भूस्वामियों का एक ऐसा वर्ग उत्पन्न हो जाएगा जिसके पास कृषि में सुधार करने के लिए पूँजी और उद्यम दोनों होंगे। उन्हें उम्मीद थी कि ब्रिटिश शासन से पालन पोषण पाकर, यह वर्ग कंपनी के प्रति वफादार बना रहेगा।

27. ताल्लुकदार शब्द को परिभाषित कीजिए?

उत्तर– वह व्यक्ति जिसके साथ ताल्लुक यानी संबंध हो।

आगे चलकर इसका अर्थ क्षेत्रीय इकाई हो गया।

लघुतरात्मक प्रश्नः–

1. संथालों ने ब्रिटिश शासन के विरुद्ध विद्रोह क्यों किया?

उत्तर– (i) संथालों ने जिस जमीन को साफ करके खेती शुरू की थी उस पर सरकार/अंग्रेज भारी लगान लगा रही थी।

(ii) साहूकार लोग बहुत ऊँची दर पर ब्याज लगा रहे थे और कर्ज अदा न किए जाने की दशा में जमीन पर ही कब्जा कर रहे थे।

(iii) जमींदार दामिन–ए कोह के क्षेत्र पर अपने नियंत्रण का दावा कर रहे थे।

2. इस्तमरारी बंदोबस्त में राजस्व राशि के भुगतान में जमींदार क्यों चूक करते थे? या इस्तमरारी बंदोबस्त में जमींदार के राजस्व के भुगतान में असफल होने के क्या कारण थे? या इस्तमरारी बंदोबस्त में जमींदारों की जमींदारी नीलाम होने के क्या कारण थे?

उत्तर– **(i) कंपनी द्वारा प्रारंभिक राजस्व माँग को ज्यादा तय करनाः–**

कंपनी का सोचना था कि भविष्य में अनाज की कीमतों में वृद्धि होने और खेती का विस्तार होने से आय में वृद्धि हो जाने पर भी कंपनी उस वृद्धि में अपने हिस्से का दावा नहीं कर सकेगी। इसलिए कंपनी ने राजस्व माँग को पहले ही ज्यादा तय किया।

(ii) कृषि उपजों की कीमतें कम होनाः–

1793 में राजस्व माँग को ज्यादा तय किया गया था, जबकि 1790 के दशक के समय कृषि उपजों की कीमतें कम थी, जिससे किसानों को जमींदारों को लगान देना मुश्किल था और जमींदारों को कंपनी को लगान देना मुश्किल था।

3. अगर आप ईस्ट इंडिया कंपनी के अधिकारी होते तो बंगाल में जमींदारों की शक्ति को नियंत्रित व विनियमित करने के लिए क्या प्रयास करते? अथवा औपनिवेशिक भारत में बंगाल में जमींदारों को नियंत्रित, विनियमित करने के लिए ईस्ट इंडिया कंपनी ने कौनसे प्रयास किए?

उत्तर– (i) ईस्ट इंडिया कंपनी ने जमींदारों को नियंत्रित, विनियमित, उनकी सत्ता को वश में रखने और उनकी स्वायत्तता को सीमित करने के अनेक प्रयास किए।

(ii) जमींदारों की सैन्य टुकड़ियों को भंग कर दिया गया।

(iii) सीमा शुल्क समाप्त कर दिया गया।

(iv) उनकी कचहरियों/अदालतों को कंपनी द्वारा नियुक्त कलेक्टर की देखरेख में रख दिया गया।

(v) जमींदारों से स्थानीय न्याय और स्थानीय पुलिस की व्यवस्था करने की शक्ति छीन ली गई।

4. जमींदार लोग अपनी जमींदारियों पर किस प्रकार नियंत्रण बनाए रखते थे? या जमींदारों द्वारा अपनी जमींदारी बचाने के लिए किस प्रकार प्रतिरोध किया गया? या जमींदारों ने अपनी जमींदारी बचाने के लिए कौनसे प्रयास किए? अथवा जमींदारों का आसानी से विस्थापन संभव नहीं था, स्पष्ट कीजिए?

उत्तर– राजस्व की अत्यधिक माँग और अपनी भू–संपदा की नीलामी की समस्या से निपटने के लिए जमींदारों ने इन दबावों से उबरने के लिए अनेक रास्ते निकाल लिए।

(i) फर्जी बिक्रीः–

जमींदार द्वारा कंपनी की राजस्व मांग को जान–बूझकर रोक दिया जाता था, जब भू– संपदा का कुछ हिस्सा नीलाम किया गया तो जमींदार के आदमियों ने ही अन्य खरीददारों के मुकाबले ऊँची–ऊँची बोलियाँ लगाकर संपत्ति को खरीद लिया।

(ii) संपत्ति स्त्रियों के नाम करना–

कंपनी ने यह निर्णय ले रखा था कि स्त्रियों की संपत्ति को नहीं छीना जाएगा। इसलिए जमींदारों ने अपनी जमींदारी का कुछ हिस्सा स्त्रियों के नाम कर दिया।

5. पहाड़ियां लोगों की आजीविका संथालों की आजीविका से किस रूप में भिन्न थी ?

उत्तर– **(i) पहाड़ियांः–**

राजमहल की पहाड़ियों के आस–पास रहने वाले लोग पहाड़ियां कहलाते थे। पहाड़ियां लोग जंगल की उपज से अपनी गुजर बसर करते थे और झूम खेती किया करते थे। पहाड़ियां लोग कुदाल से जमीन को थोड़ा खुरच लेते थे, इसलिए कुदाल को पहाड़ियां लोगों के जीवन का प्रतीक माना जाता है।

(ii) संथालः–

संथाल लोग स्थायी कृषि करते थे, जंगलों को काटकर व हल से जोतकर बंजर जमीन को कृषि योग्य बनाने में सक्षम थे। वाणिज्यिक फसलों की खेती करते थे तथा व्यापारियों व साहूकारों से लेन–देन करते थे।

6. दामिन–ए–कोह पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए?

उत्तर–1832 ई. तक भागलपुर से राजमहल तक का भू–भाग दामिन–ए–कोह के रूप में सीमांकित किया गया। इसे संथालों की भूमि घोषित किया गया। उन्हें इस इलाके के भीतर रहना था, हल चलाकर खेती करनी थी और स्थायी किसान बनना था।

7. पहाड़ियां लोग बुकानन को संदेह और अविश्वास की दृष्टि से क्यों देखते थे ?

उत्तर– जब 1810–11 की सर्दियों में बुकानन ने राजमहल की पहाड़ियों का दौरा किया तो पहाड़ियां लोगों ने बुकानन को संदेह और अविश्वास की दृष्टि से देखा क्योंकि शांति स्थापना के अभियानों के अनुभव और क्रूरतापूर्ण दमन की यादों के कारण उनके मन में धारणा बन गई थी कि प्रत्येक गोरा आदमी एक ऐसी शक्ति का प्रतिनिधित्व कर रहा है जो उनसे उनके जंगल और जमीन छीन कर उनकी जीवन शैली और जीवित रहने के साधनों को नष्ट करने पर उतारू हैं।

8. पहाड़ियां लोगों के दो कार्य बताइए? अथवा पहाड़ियाँ लोगों का जीवन (जिदंगी)/ आजीविका घनिष्ठ रूप से जंगलों से जुड़ा हुआ था, स्पष्ट कीजिए?

उत्तरः– पहाड़ियां लोगों की जिंदगी जंगल से घनिष्ठ रूप से जुड़ी हुई थी।

(i) जंगल में शिकार करना

(ii) खाने के लिए महुआ के फूल इकट्ठा करना

(iii) झूम खेती करना

(iv) रेशम के कीड़े पालन

(v) खाद्य बटोरना जंगल से

(vi) लड़कियों से काठ कोयला बनाना आदि।

9. अंग्रेजों को संथाल अगुआ/आदर्श बाशिंदे क्यों प्रतीत हुए, स्पष्ट कीजिए ? अथवा अंग्रेजों द्वारा संथालो को राजमहल की पहाड़ियों में बसाने का निश्चय क्यों किया ?

उत्तरः– अंग्रेजों ने संथालों को जंगल में बसने का निमंत्रण दिया, क्योंकि अंग्रेज पहाड़ियों को अपने वश में करके स्थाई कृषि के लिए एक स्थान पर बसाने में असफल रहे। पहाड़ियां लोग जंगल

काटने व हल को हाथ लगाने को तैयार नहीं थे जबकि संथाल आदर्श बाशिंदे प्रतीत हुए क्योंकि उन्हें जंगलों का सफाया करने में कोई हिचक नहीं थी और वे हल के माध्यम से भूमि को पूरी ताकत लगाकर जोतते थे।

10. अमेरिकी गृहयुद्ध ने भारत में रैयत समुदाय के जीवन को कैसे प्रभावित किया?

उत्तर– अमेरिकी गृहयुद्ध से पहले ब्रिटेन, अमेरिकी कपास पर निर्भर था। अमेरिकी गृहयुद्ध से अमेरिका से आने वाली कच्ची कपास के आयात में भारी गिरावट आई। भारत को संदेश भेजा गया कि ब्रिटेन को कपास का अधिक मात्रा में निर्यात करें। इस कारण दक्कन के गांवों के रैयतों को कपास के उत्पादन हेतु अचानक असीमित ऋण उपलब्ध होने लगा। बम्बई दक्कन में कपास की कृषि को प्रोत्साहन दिया गया, जिससे कपास का उत्पादन बढ़ता गया। इस कारण भारतीय रैयतों की आमदनी में इजाफा हुआ तथा रैयत धनवान होने लगे ।

11. दक्कन के रैयत ऋणदाताओं के प्रति क्रुद्ध क्यों थे ?

उत्तर– (i) ऋणदाता वर्ग संवेदनहीन हो गया था, वह रैयतों की हालात पर तरस नहीं खा रहा था।

(ii) ऋणदाता देहात के प्रथागत मानकों का भी उल्लंघन कर रहे थे।

(iii) सामान्य मानक के अनुसार ब्याज मूलधन से अधिक नहीं लिया जा सकता था लेकिन ऐसा नहीं हो पा रहा था।

12. 'भाड़ा–पत्र' क्या होता था ?

उत्तर– जब किसान ऋणदाता का ऋण नहीं चुका पाता था तो उसे अपनी जमीन, गाड़ियां, पशुधन आदि ऋणदाता को देने पड़ते थे, अब ऋणदाता ने किसानों को उसकी ही जमीन और पशुधन को भाड़े पर दिए और उसे एक भाड़ा पत्र (किराया नामा) लिखना पड़ता था।

13. बंबई दक्कन में ऋणदाता/साहूकार लोग रैयतों को ठगने के लिए कौन–कौन से हथकंडे/तरीके अपनाते थे?

उत्तर– (i) ऋणदाता ने 1859 के परिसीमन कानून को घुमाकर अपने पक्ष में कर लिया और रैयत से हर तीसरे वर्ष मूलधन व ब्याज को जोड़कर मूलधन के रूप में दर्ज कर नया बंधपत्र भरवाने लगा।

(ii) रैयतों को ऋण चुकाने पर भी उसकी रसीद देने से इंकार करना ।

(iii) बंधपत्रो में जाली आंकड़े भर लेते थे।

(iv) किसानों की फसल नीची कीमतों पर ले लेते थे।

14. अच्छी उपज के बाद भी दक्कन के रैयतों पर ऋणभार क्यों बढ़ता गया?

उत्तर– कंपनी द्वारा राजस्व मांग में वृद्धि करनाः बंबई दक्कन में पहला राजस्व बंदोबस्त 1820 और

1830 के दशकों में किया गया। अब अगला बंदोबस्त (30 वर्ष बाद) करने का समय आ गया था और इस नए बंदोबस्त में राजस्व मांग को नाटकीय ढंग से 50 से 100 प्रतिशत तक बढ़ा दिया गया।

15. रैयतों को ऋणदाताओं के चंगुल से बचाने के लिए अंग्रेजों ने क्या समाधान निकाला ?

उत्तर– 1859 ई. में अंग्रेजों ने एक परिसीमन कानून पारित किया जिसमें यह कहा गया कि ऋणदाता और रैयत के बीच हस्ताक्षरित ऋण पत्र केवल तीन वर्षों के लिए ही मान्य होंगे। परिसीमन कानून का उद्देश्य बहुत समय तक ब्याज को संचित होने से रोकना था।

16. पहाड़ियां लोगों द्वारा मैदानी भागों पर आक्रमण के क्या कारण थे ?

उत्तर– (i) अभाव व अकाल के समय

(ii) अपनी ताकत का प्रदर्शन करने के लिए

(iii) बाहरी लोगों के साथ राजनीतिक संबंध बनाने हेतु

17. दक्कन विद्रोह के कारणों का उल्लेख कीजिए?

उत्तर–(i) कंपनी की राजस्व मांग ज्यादा होनाः–

बम्बई दक्कन में पहला राजस्व बंदोबस्त 1820 के दशक में किया गया। मांगा गया राजस्व इतना अधिक था कि बहुत से स्थानों पर किसान अपने गाँव छोड़कर नए क्षेत्रों में चले गए।

(ii) कंपनी द्वारा राजस्व मांग में वृद्धि करनाः–

बम्बई दक्कन में पहला राजस्व बंदोबस्त 1820 और 1830 के दशकों में किया गया। अब अगला बंदोबस्त करने का समय आ गया था और इस नए बंदोबस्त में राजस्व मांग को नाटकीय ढंग से 50 से 100 प्रतिशत तक बढ़ा दिया गया ।

(iii) कृषि उत्पादों की कीमतों में तीव्र गति से गिरावट आना–

1832 के बाद कृषि उत्पादों की कीमतों में तेजी से गिरावट आई जिससे किसानों की आय में गिरावट आई।

18. संथालों के राजमहल की पहाड़ियों पर बसने से पहाड़ियां लोगों का जीवन किस प्रकार प्रभावित हुआ? अथवा संथालों और पहाड़ियों के बीच लड़ाई हल और कुदाल के बीच लड़ाई थी। सिद्ध कीजिए?

उत्तर– पहाड़ियां लोग राजमहल की पहाड़ियों में झूम कृषि करते थे। वे अपने कुदाल से जमीन को थोड़ा खुरच कर खेती करते थे। पहाड़ियाँ लोगों के लिए खतरा बना संथालों का इस क्षेत्र में आगमन। संथाल लोग वहां के जंगलों का सफाया करते हुए, इमारती लकड़ी को काटते हुए, जमीन को जोतते हुए और चावल तथा कपास उगाते हुए इलाके में बड़ी संख्या में घुसे चले आ रहे थे। चूंकि संथाल लोगों ने निचली पहाड़ियों पर अपना कब्जा जमा लिया था, इसलिए

पहाड़ियों को राजमहल की पहाड़ियों में ओर भीतर की ओर पीछे हटना पड़ा। इस प्रकार हल और कुदाल के बीच की यह लड़ाई बहुत लंबी चली

19. इस्तमरारी बंदोबस्त को बंगाल के बाहर लागू नहीं करने के पीछे मुख्य कारण बताइए? या बंबई दक्कन में राजस्व की नई प्रणाली लागू करने का मुख्य कारण बताइए?

उत्तर– (i) इस्तमरारी बंदोबस्त में राजस्व की मांग सदैव के लिए निर्धारित थी जबकि 1810 ई. के बाद खेती की उपजों की कीमतों में वृद्धि हुई और बंगाल के जमींदारों को लाभ हुआ। औपनिवेशिक सरकार इस बढ़ी हुई आय में अपने हिस्से का कोई दावा नहीं कर सकती थी।

(ii) औपनिवेशिक सरकार को अपने वित्तीय संसाधनों को बढ़ाने के लिए भू राजस्व को अधिक से अधिक बढ़ाने के नए तरीकों पर विचार करना पड़ा। इसलिए 19 वीं शताब्दी में औपनिवेशिक शासन में शामिल किए गए नये प्रदेशों में नए राजस्व बंदोबस्त किए गए।

20. दक्कन दंगा रिपोर्ट को इतिहासकारों के लिए क्यों महत्त्वपूर्ण माना जाता है?

उत्तर– दक्कन दंगा आयोग की रिपोर्ट इतिहासकारों के लिए उन दंगों का अध्ययन करने संबंधी बहुमूल्य सामग्री उपलब्ध कराती है। इसमें आयोग ने दंगा पीड़ित जिलों का भ्रमण किया। इन जिलों में रहने वाले किसानों, साहूकारों एवं चश्मदीद गवाहों के बयान संकलित किए। इसमें भिन्न–भिन्न क्षेत्रों में राजस्व की दरों, कीमतों एवं ब्याज के संबंध में विस्तृत आँकड़े एकत्रित किए गए। इनके अतिरिक्त जिला कलेक्टरों द्वारा भेजी गई विभिन्न रिपोर्टों को भी संकलित किया गया।

21. 1865 में अमेरिकी गृहयुद्ध समाप्त होने के बाद दक्कन के किसानों के लिए ऋण का स्त्रोत क्यों सूख गया?

उत्तर– 1865 ई. में अमेरिका में गृहयुद्ध समाप्त हो गया तो वहाँ कपास का उत्पादन फिर से चालू हो गया, इस कारण भारतीय कपास की माँग घटती जा रही थी और कपास की कीमतों में भी गिरावट आ गयी। साहूकार अब ऋण देने के लिए तैयार नहीं थे, जिससे रैयतों के लिए ऋण का स्त्रोत सूख गया।

22. ईस्ट इंडिया कंपनी के राजस्व अधिकारी डेविड रिकार्डो के विचारों से क्यों प्रभावित थे, बताइए? अथवा डेविड रिकार्डो के विचारों को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर– राजस्व अधिकारी इंग्लैंड के प्रसिद्ध अर्थशास्त्री डेविड रिकार्डो के विचारों से प्रभावित थे। डेविड रिकार्डो के विचारों के अनुसार भूस्वामी को उस समय लागू औसत लगान से अधिक प्राप्ति होने लगे तो भूस्वामी को अधिशेष आय होगी जिस पर सरकार को कर लगाने की आवश्यकता होगी। यदि कर नहीं लगाया गया तो किसान किरायाजीवी में बदल जाएंगे और

उनकी अधिशेष आय का भूमि के सुधार में उत्पादक रीति से निवेश नहीं होगा।

23. पांचवी रिपोर्ट पर टिप्पणी लिखिए?

उत्तर– सन् 1813 में ब्रिटिश संसद में पेश की गई थी। यह उन रिपोर्टों में से पांचवीं रिपोर्ट थी जो भारत में ईस्ट इंडिया कंपनी के प्रशासन तथा क्रियाकलापों के विषय में तैयार की गई थी। अक्सर पांचवी रिपोर्ट के नाम से उल्लेखित यह रिपोर्ट 1002 प्रष्ठों में थी, जिसमें जमीदारों और रैयतों की अर्जियां, भिन्न–भिन्न जिलों के कलेक्टरों की रिपोर्ट, राजस्व विभागों से संबंधित सांख्यिकी तालिकाएं और अधिकारियों द्वारा बंगाल और मद्रास के राजस्व तथा न्यायिक प्रशासन पर लिखित टिप्पणियां शामिल की गई थी।

अध्याय–10 "विद्रोही और राज" अंकभार–6

बहुविल्पात्मक प्रश्नः–

1. ''फिरंगी'' किस भाषा का शब्द है?
   (a) ऊर्दू (b) फारसी (b)
   (c) हिन्दी (d) लैटिन
2. 1857 ई. के दौरान अवध के मिलिट्री पुलिस के कैप्टन कौन थे–
   (a) हियर्से (b) हेनरी हार्डिंग (a)
   (c) राइड (d) जेम्स ऑट्रम
3. 1857 ई० के विद्रोह के विफल हो जाने पर पेशवा बाजीराव–II के उत्तराधिकारी नाना साहिब भागकर कहाँ चले गये –
   (a) नेपाल (b) भूटान (a)
   (c) तिब्बत (d) चीन
4. आरा जिले, बिहार के जमींदार जिन्होंने 1857 के विद्रोह में में अंग्रेजो से लोहा लिया –
   (a) नाना साहिब (b) कुँवर सिंह (b)
   (c) तांत्या टोपे (d) बिरजिस कद्र
5. लखनऊ में ब्रिटिश राज के ढहने पर लोगों ने नवाब वाजिद अली शाह के बेटे को अपना नेता घोषित किया। उसका ..... नाम था–
   (a) कुँवर सिंह (b) तांत्या टोपे (c)
   (c) बिरजिस कद्र (d) शाहमल
6. झांसी में विद्रोह का नेतृत्व किया –
   (a) लक्ष्मीबाई ने (b) नाना साहब ने (a)
   (c) जयवंता बाई ने (d) बेगम हजरत महल
7. "डंकाशाह" उपनाम पड़ गया था –

(a) शाहमल का (b) नाना साहब का (d)
(c) कुंवर सिंह का (d) मौलवी अहमदुल्ला शाह का

8. 1851 ई. में किस गवर्नर जनरल ने अवध रियासत के संबंध में कहा था– यह गिलास फल एक दिन हमारे ही मुँह में आकर गिरेगा–
(a) लॉर्ड डलहौजी (b) वारेन हेस्टिंग्स (a)
(c) लॉर्ड वैलेजली (d) लॉर्ड कर्जन

9. रियासत में गवर्नर जनरल का की प्रतिनिधि कहलाता था–
(a) गवर्नर (b) रेजीडेंट (b)
(c) नवाब (d) दीवान

10. किस व्यक्ति के अवध की गद्दी से हटाकर कलकत्ता निष्कासन पर कहा गया– ''देह से जान जा चुकी थी।''
(a) वाजिद अली शाह (b) अहमदुल्लाशाह (a)
(c) शाहगल (d) बिरजिास कद्र

11. "खूब लड़ी मर्दानी वो तो झाँसी वाली रानी थी।" पंक्तियाँ रचित है–
(a) लक्ष्मी कुमारी द्वारा (b) बेगम हजरत महल द्वारा (c)
(c) सुभद्रा कुमारी चौहान द्वारा (d) बेगम हजरत महल द्वारा

12. 1857 ई. के विद्रोह का तात्कालिक कारण था ?
(a) चर्बी लगे कारतूसों के प्रयोग की घटना (b) सहायक संधि प्रणाली (a)
(c) राज्य हड़प की नीति (d) अवध का विलय

13. 1857 के विद्रोह का प्रतीक बन गई थी ?
(a) रोटी (b) ब्रेड (c)
(c) चपाती (d) बंदूक

14. सहायक संधि का जनक किस गवर्नर जनरल को माना जाता है–
(a) लार्ड डलहौजी (b) लार्ड कैनिंग (c)
(c) लार्ड वेलेजली (d) लार्ड रिपन

15. .....को बंगाल आर्मी की पौधशाला कहा जाता था–
(a) मैसूर (b) अवध (b)
(c) पंजाब (d) बंगाल

16. 1857 की क्रांति के समय भारत के गवर्नर जनरल कौन थे–
(a) लार्ड डलहौजी (b) लार्ड कैनिंग (b)
(c) लार्ड वेलेजली (d) लार्ड रिपन

17. 11 मई 1857 को विद्रोही सैनिकों ने दिल्ली को नियन्त्रण में लेकर ..... को अपना नेता घोषित कर दिया–
(a) कुंवर सिंह (b) बहादुरशाह जफर (b)
(c) रानी लक्ष्मी बाई (d) तांत्या टोपे

18. 1856 में कुशासन के आरोप के आधार पर..... रियासत को औपचारिक रूप से ब्रिटिश साम्राज्य का अंग घोषित किया गया–

(a) झांसी (b) बंगाल (d)

(c) पंजाब (d) अवध

19. व्यपगत सिद्धान्त/हड़प नीति लागू की–

(a) लार्ड डलहौजी (b) लार्ड कैनिंग (a)

(c) लार्ड वेलेजली (d) लार्ड रिपन

20. लखनऊ में ब्रिटिश राज के ढ़हने की खबर पर लोगों ने नवाब के युवा बेटे..... को अपना नेता घोषित कर दिया –

(a) वाजिद अली शाह (b) बहादुरशाह जफर (c)

(c) बिरजिस कद्र (d) तांत्या टोपे

21. उत्तर प्रदेश के बड़ौत परगना में ग्रामीणों को संगठित कर विद्रोहियों को किसने नेतृत्व प्रदान किया–

(a) वाजिद अली शाह (b) बहादुरशाह जफर (d)

(c) बिरजिस कद्र (d) शाहमल

22. 1857 की क्रांति के दौरान ऐतिहासिक आजमगढ़ घोषणा कब की गई–

(a) 25 अगस्त 1857 (b) 31 मई 1857 (a)

(c) 11 मई 1857 (d) 10 अगस्त 1857

23. छोटा नागपुर स्थित सिंहभूम इलाके में ..... कोल आदिवासियों का नेतृत्व संभाला –

(a) अल्लारी सीताराम (b) कुंवर सिंह (d)

(c) बिरजिस केद्र (d) गोनू

24. रंग बाग (प्लेजर गार्डन) का निर्माण किसने करवाया–

(a) वाजिद अली शाह (b) लार्ड कैनिंग (a)

(c) बिरजिस कद्र (d) नाना साहब

25. जस्टिस (न्याय) नामक चित्र में किस अंग्रेज महिला को कानपुर में विद्रोहियों का दमन करते हुए चित्रित किया गया है–

(a) मिस कैथरीन (b) रानी विक्टोरिया (c)

(c) मिस व्हीलर (d) रानी ऐलिजाबेथ

26. रिलीफ ऑफ लखनऊ (लखनऊ की राहत) नामक चित्र किसने बनाया –

(a) टॉमस जोन्स बार्कर (b) पंच (a)

(c) मिस व्हीलर (d) जोजेफ नोएल पेटन

27. इन मेमोरियम नामक चित्र द्वारा ..... बनाया गया–

(a) टॉमस जोन्स बार्कर (b) पंच (d)

(c) मिस व्हीलर (d) जोजेफ नोएल पेटन

लघुत्तरात्मक एवं दीर्घउत्तरीय प्रश्न –

1. कम्पनी सरकार को अवध के विलय में क्यों दिलचस्पी थी ?

उत्तर– अंग्रेजी कम्पनी सरकार उत्तर भारत के सबसे महत्वपूर्ण प्रान्त अवध को अंग्रेजी साम्राज्य में विलय को लेकर हमेशा आतुर थी क्योंकि यह क्षेत्र नील व कपास की खेती के लिए उपजाऊ था और इस क्षेत्र को एक बड़े बाजार में

विकसित किया जा सकता था।

2. "ये गिलास फल एक दिन हमारे ही मुँह में आकर गिरेगा" उक्त कथन कब, किसने और किसके बारे में कहा ?

उत्तर– 1851 में गवर्नर जनरल लार्ड डलहौजी ने अवध रियासत के बारे में कहा था कि ये गिलास फल एक दिन हमारे ही मुँह में आकर गिरेगा।

3. अवध में 1857 की क्रान्ति के संघर्ष की व्यापकता पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

उत्तर – अवध 1857 की क्रान्ति का एक बड़ा केन्द्र था। अवध में अंग्रेजों के खिलाफ प्रतिरोध सबसे लम्बा चला। एक अनुमान के मुताबिक इस क्षेत्र के कम से कम तीन चौथाई वयस्क पुरुष आबादी विद्रोह में शामिल थी। अवध क्षेत्र में लड़ाई की बागडोर असल में ताल्लुकदारों और किसानों के हाथों में थी। अवध के अधिकांश ताल्लुकदार नवाब के प्रति अत्यधिक निष्ठावान थे इसलिए वे लखनऊ जाकर बेगम हजरत महल के खेमे में सम्मिलित हो गये। कुछ निष्ठावान ताल्लुकदारों ने बेगम की पराजय के बाद भी संघर्ष जारी रखा। कड़े संघर्ष के बाद ही अंग्रेज मार्च 1858 तक अवध क्षेत्र में पुनः नियन्त्रण स्थापित करने में कामयाब हुए।

4. अंग्रेजों ने विद्रोह को कुचलने के लिए क्या कदम उठाए ?

उत्तर – अंग्रेजों ने उपद्रव शांत करने के लिए कई कानून पारित किये –

(i) समूचे उत्तर भारत में मार्शल लॉ लागू किया गया और सैनिक अधिकारियों के साथ–साथ आम अंग्रेजों को भी ऐसे भारतीयों पर मुकदमा चलाने और सजा देने का अधिकार दे दिया गया जिन पर विद्रोह में शामिल होने का शक था।

(ii) कानून और मुकदमें की सामान्य प्रक्रिया रद्द कर दी गई और स्पष्ट कर दिया गया कि विद्रोह की केवल एक सजा हो सकती है– सजा–ए–मौत।

(iii) अंग्रेजों ने सैनिक ताकत का भयानक पैमाने पर इस्तेमाल किया।

5. 1857 की क्रांति को जनक्रांति की संज्ञा क्यों दी गई ?

उत्तर– 1857 की क्रांति को देश के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के रूप में याद किया जाता है क्योंकि इस जन क्रांति में देश के प्रत्येक धर्म, जाति व समूह ने साम्राज्यवादी शासन के विरूद्ध मिलकर लड़ाई लड़ी और संयुक्त उद्देश्य बाबत संघर्ष में भाग लिया।

6. लार्ड डलहौजी का व्यपगत सिद्धान्त/ हड़प नीति क्या थी ?

उत्तर – लार्ड डलहौजी ने व्यपगत सिद्धान्त / हड़प नीति द्वारा कम्पनी के राज्य का विस्तार किया। इस नीति के तहत देशी राज्यों के शासकों पर दत्तक पुत्र गोद लेने की प्रथा पर पूर्णरूप से प्रतिबंध लगा दिया और उनकी मृत्यु के पश्चात उनके राज्य को कम्पनी राज्य में सम्मिलित कर लिया गया। इस नीति के तहत झांसी और सतारा का विलय कम्पनी राज्य में कर लिया गया। गोद निषेध प्रथा के अतिरिक्त अवध जैसे अंग्रेज समर्थक राज्य को भी 1856 में कुशासन के आरोप के आधार पर विलय किया गया।

7. 1857 की क्रांति के लिए उत्तरदायी प्रमुख राजनैतिक कारण बताइए।

उत्तर – 1857 की क्रांति के लिए उतरदायी प्रमुख राजनैतिक कारण –

(i) मुगल सम्राट बहादुर शाह जफर के साथ अपमानजनक व्यवहार

(ii) व्यपगत नीति के आधार पर राज्यों का विलय

(iii) अवध का कुशासन के आधार पर विलय

(iv) जमींदारों में अंग्रेजी शासन के प्रति असंतोष

8. 1857 की क्रांति के लिए उतरदायी प्रमुख सैनिक कारण बताइए।

उत्तर– 1857 की क्रांति के लिए उत्तरदायी प्रमुख सैनिक कारण –

(i) अवध के सैनिकों में असंतोष

(ii) यूरोपीय अधिकारियों के द्वारा भारतीय सैनिकों के साथ अपमानजनक व्यवहार

(iii) सैनिकों में वेतन के मामले में असंतोष

(iv) चर्बी वाले कारतूस की अफवाह

9. 1857 की क्रांति के विस्तार में अफवाहों और भविष्यवाणियों का पर्याप्त योगदान था। व्याख्या कीजिए।

उत्तर– 1857 के जन विद्रोह के विस्तार में अफवाहों और भविष्यवाणियों का पर्याप्त योगदान रहा, प्रमुख उदाहरण निम्नलिखित है–

(i) चर्बी वाले कारतूस की अफवाह 1857 की क्रांति का तात्कालिक कारण

(ii) स्थापना के 100 साल बाद ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के समाप्त होने की भविष्यवाणी

(iii) चपातियों के वितरण की घटना

(iv) आटे में हड्डियों के चूरा मिलावट की अफवाह

10. 1857 की क्रांति में शाहमल के योगदान का संक्षिप्त विवरण दीजिए।

उत्तर – उत्तर प्रदेश के बड़ौत परगना के क्षेत्र के किसानों और काश्तगारों को अंग्रेजी शासन का प्रतिरोध के लिए शाहमल ने संगठित किया। शाहमल के नेतृत्व में व्यापक विद्रोह हुआ। शाहमल ने अंग्रेज अधिकारी के बंगले पर कब्जा करके उसे न्याय भवन की संज्ञा दी और प्रशासनिक व्यवस्था लागू की। स्थानीय लोग उन्हें राजा नाम से संबोधित करते थे। अंग्रेजों के साथ संघर्ष में जुलाई 1857 को शाहमल वीरगति को प्राप्त हुए।

11. 1857 की क्रांति के प्रमुख केन्द्रों और नेतृत्वकर्ताओं के नाम बताइए।

उत्तर –

प्रमुख केन्द्र	**नेतृत्वकर्ता**
दिल्ली	मुगल सम्राट बहादुरशाह जफर
कानपुर	नाना साहब
झांसी	रानी लक्ष्मी बाई
अवध (लखनऊ)	बेगम हजरत महल
जगदीशपुर/आरा (बिहार)	जमींदार कुंवर सिंह

12. 1857 की क्रांति का तात्कालिक कारण क्या था ?

उत्तर – कम्पनी सरकार ने पुरानी ब्राउन बैस बन्दूक के स्थान पर नई एनफील्ड राइफल का प्रयोग आरम्भ किया। इस राइफल में जो कारतूस भरी जाती थी, उसे दाँत से काटना पड़ता था। सैनिकों में अफवाह फैल गई कि इस कारतूस में गाय और सूअर की चर्बी मिली हुई है। धार्मिक विश्वासों के कारण सैनिकों में भयंकर असंतोष फैल गया।

13. कला और साहित्य ने रानी लक्ष्मीबाई को 1857 की क्रांति की नायिका के रूप में कैसे पेश किया है ?

उत्तर – इतिहास लेखन की तरह कला और साहित्य ने भी 1857 की क्रांति के नायकों की स्मृति को चिरस्थायी बनाने में योगदान दिया है। राष्ट्रवादी कवयित्री सुभद्रा कुमारी चौहान ने रानी लक्ष्मीबाई की स्मृति में खूब लड़ी मर्दानी यो तो झांसी वाली रानी थी जैसी कालजयी कविता की रचना की। रानी लक्ष्मी बाई को एक ऐसी मर्दाना शख्सियत के रूप में चित्रित किया जाता था जो दुश्मनों का पीछा करते हुए और ब्रिटिश सिपाहियों को मौत की नींद सुलाते हुए आगे बढ़ रही है। लोक छवियों में रानी लक्ष्मीबाई को प्रायः अन्याय और विदेशी शासन के दृढ़ प्रतिरोध के प्रतीक के रूप में चित्रित किया गया है।

14. 1857 की क्रांति के बारे में जानकारी प्रदान करने वाले प्रमुख सरकारी दस्तावेजों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

उत्तर– 1857 की क्रांति के बारे में अनेक सरकारी ब्यौरे उपलब्ध हैं। औपनिवेशिक प्रशासकों और सैन्य अधिकारियों की चिट्ठियों, डायरियों, आत्मकथाओं और सरकारी रिकॉर्ड्स से विद्रोहकालीन परिस्थितियों की वास्तविक जानकारी प्राप्त होती है। असंख्य मेमों, नोट्स के जरिए सरकारी सोच व रवैये को समझा जा सकता है।

15. सहायक संधि प्रथा पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

उत्तर– देशी राज्यों पर प्रभुत्व स्थापित करने के उद्देश्य से 1798 ई. में तत्कालीन गवर्नर जनरल लार्ड वेलेजली ने देशी राज्यों के साथ सहायक संधि लागू की। सहायक संधि के प्रावधानानुसार –

(i) देशी राज्य को अपने खर्चे पर कम्पनी की एक सैनिक टुकड़ी अपने राज्य में रखनी होती थी।

(ii) संबंधित देशी राज्य की दूसरों राज्यों के साथ कूटनीतिक संबंध पूर्ण रूप से कम्पनी सरकार के अधीन हो जाते थे क्योंकि बिना कम्पनी की अनुमति के देशी राज्य न तो अन्य राज्य से संधि कर सकते थे और न ही युद्ध।

(iii) सहायक संधि अपनाने वाले देशी राज्य की सुरक्षा की जिम्मेदारी कम्पनी की तय की गई।

निष्कर्षतः यह कहा जा सकता है कि सहायक संधि स्वीकार करने वाले देशी राज्य अंग्रेज कम्पनी की दया पर आश्रित हो गए।

16. 1857 की क्राति के प्रमुख परिणाम बताइए।

उत्तर– 1857 की क्रांति के प्रमुख परिणाम –

(i) ईस्ट इण्डिया कम्पनी के शासन का अंत।

(ii) भारत सरकार अधिनियम 1858 से ब्रिटेन के भारतीय क्षेत्रों को ब्रिटिश रानी के नाम पर शासित किया जाने लगा।

(iii) घोषणा के द्वारा देशी राज्यों को विश्वास दिलाया गया कि भविष्य में भारत में ब्रिटिश प्रशासित राज्य का विस्तार नहीं किया जायेगा।

(iv) 1857 की क्रांति के फलस्वरूप भारतीय लोगों में राष्ट्रीयता की भावना का विस्तार हुआ और भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन का प्रारंभ माना जाता है।

17. 1857 की क्रांति के लिए उतरदायी धार्मिक कारण बताइए।

उत्तर– 1857 की क्रांति के लिए उत्तरदायी धार्मिक कारण –

(i) ईसाई धर्म प्रचारक भारतीय लोगों को लालच देकर ईसाई धर्म अपनाने के लिए प्रेरित कर रहे थे।

(ii) लार्ड विलियम बैटिक ने सती प्रथा सहित अनेक समाज सुधार किये जिसे भारतीयों ने अपने धर्म व संस्कृति पर अनुचित हस्तक्षेप माना।

(iii) चर्बी वाले कारतूस की अफवाह व सामुद्रिक यात्रा से सैनिकों में तीव्र धार्मिक असंतोष पनपा।

18. ऐतिहासिक आजमगढ़ घोषणा क्या थी ?

उत्तर– 1857 की क्रांति के दौरान ऐतिहासिक आजमगढ़ घोषणा 25 अगस्त 1857 को मुगल सम्राट बहादुरशाह जफर के नाम से जारी किया गया। उस उद्घोषणा में अंग्रेजी शासन के अत्याचार एवं उत्पीड़न की निंदा की गई और हिन्दू –मुस्लिम एकता पर बल दिया गया और समाज के प्रत्येक वर्ग जमीदारों, व्यापारियों, पण्डित – फकीरों, मौलवियों को ब्रिटिश शासन के खिलाफ इस पवित्र युद्ध में भाग लेने का आहवान किया गया।

अध्याय–11 "महात्मा गाँधी और राष्ट्रीय आंदोलन" अंकभार–7

बहुविकल्पात्मक प्रश्न– (1*2 = अंक-2)

1. महात्मा गाँधी दक्षिण अफ्रीका से भारत वापस आये –
   (a) जनवरी 1914 (b) जनवरी 1915 (b)
   (c) जनवरी 1916 (d) जनवरी 1917
2. गांधीजी ने अपना पहला सत्याग्रह किया था –
   (a) इंग्लैंड (b) दक्षिणी अमेरिका
   (c) भारत (d) दक्षिण अफ्रीका (d)
3. किस वर्ष गोलमेज सम्मेलन (आयोजन–लन्दन) नहीं हुआ–
   (a) 1930 (b) 1931
   (c) 1932 (d) 1933 (d)
4. असहयोग आंदोलन से पूर्व कौनसा अभियान गांधीजी द्वारा भारत में नहीं चलाया गया–
   (a) चम्पारण सत्याग्रह (b) खेड़ा आंदोलन
   (c) नमक सत्याग्रह (d) अहमदाबाद सत्याग्रह (c)
5. कांग्रेस के लाहौर अधिवेशन से संबंधित है–
   (a) आयोजन–1929 इ., रावी नदी तट (b) अध्यक्ष–पं. जवाहरलाल नेहरू
   (c) पूर्ण स्वराज्य की उद्घोषणा (d) सभी (d)
6. गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट (जिसके तहत भारतीयों को सीमित प्रतिनिधिक शासन का आश्वासन मिला था) कब पारित हुआ–
   (a) 1909 (b) 1919
   (c) 1935 (d) 1947 (c)
7. गांधीजी ने भारत में अपनी पहली सार्वजनिक उपस्थिति दर्ज करवाई–

(a) चम्पारण (b) लखनऊ सम्मेलन

(स) बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय (द) बारदोली सत्याग्रह (c)

8. अखिल बंगाल सविनय अवज्ञा परिषद का गठन किया?

(a) नलिनी सेनगुप्ता (b) विपिन चंद्र पाल

(c) महात्मा गाँधी (d) जे.एम. सेनगुप्ता (d)

9. नमक सत्याग्रह के समय भारत के वायसराय थे–

(a) लार्ड वेवल (b) लॉर्ड इरविन

(c) माउन्टबेटन (d) लॉर्ड कर्जन (b)

10. केबिनेट मिशन भारत आया था –

(a) मार्च 1946 (b) अप्रैल 1946

(c) मई 1946 (d) जून 1946 (a)

11. पहला राष्ट्रीय आंदोलन जिसमे महिलाओं ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया था –

(a) असहयोग आंदोलन (b) नमक सत्याग्रह

(c) भारत छोडो आंदोलन (d) चम्पारण सत्याग्रह (b)

12. महात्मा गाँधी द्वारा सम्पादित नहीं किया गया समाचार पत्र था –

(a) यंग इंडिया (b) हरिजन

(c) इंडियन ऑपिनियन (d) कॉमनवील (d)

13. मार्च 1942 में ब्रिटिश सरकार द्वारा भेजा गया –

(a) क्रिप्स मिशन (b) साइमन कमीशन

(c) केबिनेट मिशन (d) कोई नहीं (a)

14. गाँधी–इरविन समझौते (5 मार्च 1931) की शर्त थी –

(a) सविनय अवज्ञा आंदोलन वापस लेना (b) सारे कैदियों की रिहाई

(c) तटीय इलाकों में नमक बनाने की छूट (d) ये सभी (d)

15. गाँधीजी के बलिदान की तुलना अब्राहम लिंकन के बलिदान से करने वाली 'टाइम' पत्रिका प्रकाशित होती थी–

(a) अमेरिका (b) दक्षिण अफ्रीका

(c) इंग्लैंड (d) भारत (a)

16. महात्मा गाँधी के अमेरिकी जीवनी लेखक थे–

(a) वेब मिलर (b) लुई फिशर

(c) जी. डी तेंदुलकर (d) महादेव देसाई (b)

17. मुस्लिम लीग द्वारा प्रत्यक्ष कार्यवाही दिवस मनाया गया–

(a) 16 अगस्त 1906 (b) मार्च 1940

(c) 15 अगस्त 1947 (d) 16 अगस्त 1946 (d)

18. "मुझे सम्राट का सर्वोच्च मन्त्री इसलिए नहीं नियुक्त किया गया है कि मैं ब्रिटिश साम्राज्य के टुकड़े–टुकड़े कर दूँ।" यह कथन किस ब्रितानी प्रधानमन्त्री था?

शेखावाटी मिशन–100

(a) विंस्टन चर्चिल (b) लॉर्ड एटली

(c) जेम्स मैकडोनाल्ड (d) लार्ड वेवेल (a)

19. निम्न में से किस गोलमेज सम्मेलन में महात्मा गाँधी ने निम्न जातियों के लिए पृथक् निर्वाचिका की माँग का विरोध किया–

(a) प्रथम (b) द्वितीय

(c) तृतीय (d) किसी में नहीं (b)

20. 'अंग्रेजों भारत छोड़ो' आन्दोलन (नारा–करो या मरो) प्रारम्भ हुआ–

(a) अगस्त, 1941 में (b) अगस्त, 1942 में

(c) अगस्त, 1943 में (d) अगस्त, 1944 में (b)

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न–(अंक–1)

1. गाँधीजी दक्षिण अफ्रीका से कब लौटे थे, उस दिन को किस रूप में मनाया जाता है?

उत्तर– जनवरी 1915 को, उस दिन 9 जनवरी को अप्रवासी दिवस मनाते है।

2. किस इतिहासकार ने कहा "दक्षिण अफ्रीका ने ही गाँधी को 'महात्मा' बनाया"?

उत्तर– इतिहासकार चंद्रन देवनेसन ने।

3. गाँधीजी के राजनीतिक परामर्शदाता कौन थे?

उत्तर– गोपाल कृष्ण गोखले थे जिन्होंने गाँधीजी को एक वर्ष तक ब्रिटिश भारत की यात्रा कर यहाँ की भूमि व लोगों को समझने की सलाह दी थी।

4. महात्मा गाँधी का भारत में प्रथम सत्याग्रह कौनसा था?

उत्तर– प्रथम सत्याग्रह 1917 ई. में चम्पारण का था। दिसम्बर 1916 ई. के कांग्रेस के लखनऊ अधिवेशन में जानकारी मिली कि सरकार नील की खेती करने के लिए कठोरता अपनाती है।

5. महात्मा गाँधी ने गुजरात में किन अभियानों का संचालन किया?

उत्तर– (i) 1918 ई. में अहमदाबाद में श्रम विवाद में हस्तक्षेप कर कपड़े की मिलों में काम करने वालों के लिए काम करने की बेहतर स्थितियों की मांग की।

(ii) खेड़ा में फसल चौपट होने पर राज्य के किसानों का लगान माफ करने की मांग की।

6. असहयोग आन्दोलन को वापस क्यों लिया गया?

उत्तर– फरवरी, 1922 ई. में संयुक्त प्रांत के चौरी–चौरा पुरवा में आन्दोलन करने वालों के द्वारा पुलिस थाने में आग लगाने से पुलिस वालों की जान जाने के कारण।

7. असहयोग आन्दोलन के लिए अमेरिकी लेखक लुई फिशर ने क्या विचार रखे?

उत्तर– असहयोग आन्दोलन गाँधीजी के जीवन के युग का ही नाम हो गया। यह शांति की दृष्टि से नकारात्मक किंतु प्रभाव की दृष्टि से बहुत सकारात्मक था।

8. 1924 ई. में जेल से रिहा होने पर गांधीजी ने किन कार्यों पर जोर दिया?

उत्तर– आयातित वस्त्रों के स्थान पर खादी से बने कपड़े के उपयोग पर जोर, छुआ–छूत को समाप्त करना, बाल–विवाह समाप्त करना तथा हिन्दू–मूसलमानों की बीच सौहार्द्र स्थापित करना।

9. साइमन कमीशन (श्वेत कमीशन) भारत में कब व क्यों आया था?

उत्तर– 1928 ई. में उपनिवेश की स्थितियों की जाँच–पड़ताल के लिए। इसमें एक भी सदस्य भारतीय नहीं होने के कारण भारतीयों ने इसका विरोध किया।

10. औपनिवेशिक भारत में मनाये जाने वाले स्वतंत्रता दिवस पर क्या कार्यक्रम आयोजित किये जाते थे?

उत्तर– राष्ट्रीय ध्वज फहराकर समारोह की शुरूआत होती। शेष दिवस में रचनात्मक कार्य होते, जैसे– सूत कताई, अछूतों की सेवा, हिन्दू–मूसलमानों का पुनर्मिलन एवं निषिद्ध कार्य करके मनाया जाता था।

11. रजवाडों में राष्ट्रवादी सिद्धान्त को बढ़ावा देने के लिए किनकी स्थापना की गई?

उत्तर– प्रजा मण्डलों की स्थापना।

12. दाण्डी यात्रा का कवरेज किस पत्रिका ने किया था?

उत्तर– अमेरिकी समाचार पत्रिका टाइम ने।

13. गाँधी को किस कार्यकर्ता ने समझाया की आन्दोलनों को पुरूषों तक ही सीमित न रखे?

उत्तर– समाजवादी कार्यकर्ता कमला देवी चट्टोपाध्याय।

14. दाण्डी यात्रा कब व कहां से प्रारम्भ हुई तथा कब व कहां समाप्त हुई?

उत्तर– 12 मार्च, 1930 ई. को साबरमती आश्रम से प्रारम्भ तथा 6 अप्रैल, 1930 को दाण्डी में समाप्त हुई।

15. गोलमेज सम्मेलनों के समय इंग्लैण्ड का प्रधानमंत्री कौन था?

उत्तर– मैकडोनाल्ड।

16. दूसरे गोलमेज सम्मेलन से लौटकर गाँधीजी ने पुनः सविनय अवज्ञा आरम्भ किया उस समय भारत का वायसराय कौन था?

उत्तर– लार्ड विलिग्डन।

17. महात्मा गाँधी ने दलितों के लिए पृथक निर्वाचिका का विरोध क्यों किया था?

उत्तर– गाँधी का मानना था कि ऐसा करने पर दलितों का समाज की मुख्य धारा में एकीकरण नहीं हो पाएगा और वे सवर्ण हिन्दूओं से हमेशा के लिए अलग हो जाएंगें।

18. कांग्रेस के मंत्रिमण्डलों ने इस्तीफा कब व क्यों दिया?

उत्तर– अक्टूबर 1939 ई. में, कांग्रेस चाह रही थी कि द्वितीय विश्व युद्ध में अंग्रेजों की सहायता के बदले युद्ध समाप्ति पर पूर्ण स्वतंत्रता मिलेगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

19. मुस्लिम लीग ने मुक्ति दिवस कब व क्यों मनाया?

उत्तर– दिसम्बर 1939 ई. कांग्रेस मंत्रिमण्डलों द्वारा त्याग–पत्र दिये जाने पर।

20. मुस्लिम लीग ने 1940 ई. के लाहौर अधिवेशन में क्या प्रस्ताव रखा?

उत्तर– उपमहाद्वीप के मुस्लिम बहुल इलाकों के लिए कुछ स्वायत्तता की मांग का प्रस्ताव रखा।

21. भारत छोड़ो आन्दोलन के समय स्वतंत्र सरकार (प्रति सरकार) की स्थापना कहां–कहां हुई थी ?

उत्तर– पश्चिम में सतारा एवं पूर्व में मेदिनीपुर में।

22. प्रति सरकार (समानान्तर सरकार) ने क्या–क्या कार्य किए ?

उत्तर– (i) जन अदालतों का आयोजन

(ii) रचनात्मक कार्य

23. द्वितीय विश्व युद्ध में भारतीयों की भागीदारी प्राप्त करने का प्रयास किस वायसराय ने किया ?

उत्तर– लार्ड लिनलिथगों।

24. कैबिनेट मिशन भारत कब आया था ? उसका क्या प्रयास था ?

उत्तर– मार्च 1946 ई. को। कांग्रेस व मुस्लिम लीग को एक ऐसी संघीय व्यवस्था पर राजी करने का प्रयास किया जिसमें भारत के भीतर ही प्रांतों को सीमित स्वायत्तता दी जा सकती थी।

25. मोहनदास करमचंद गाँधी को राष्ट्रपिता की उपाधि किसने दी ?

उत्तर– दिल्ली में संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने।

26. गाँधीजी की जीवनी किसने लिखी थी ?

उत्तर– डी.जी. तेंदुलकर ने।

27. ए बंच ऑफ ओल्ड लेटर्स (पुराने पत्रों का पुलिंदा) का संकलन किसने किया था ?

उत्तर– पं. जवाहर लाल नेहरू ने राष्ट्रीय आंदोलन के दौरान लिखे गए पत्रों का संकलन किया था।

28. चरखे को राष्ट्रवाद का प्रतीक क्यों चुना गया ?

उत्तर– यह जन सामान्य से जुड़ा हुआ था। यह स्वदेशी व आर्थिक प्रगति का प्रतीक था।

29. गाँधीजी ने खुद को आम लोगों जैसा दिखाने के लिए क्या किया ?

उत्तर– आम लोगों की तरह वस्त्र पहनते थे, उनकी ही तरह रहते थे और उनकी ही भाषा बोलते थे।

30. गाँधीजी लोगों से मिलने वाले पत्रों को किस समाचार पत्र में प्रकाशित करते थे ?

उत्तर– हरिजन समाचार पत्र में।

निबंधात्मक प्रश्न– (अंक 4)

1. असहयोग आन्दोलन का सविस्तार उल्लेख कीजिए।

उत्तर– महात्मा गाँधी द्वारा देश की स्वतन्त्रता के लिए चलाये गये आंदोलनों में पहला बड़ा आंदोलन असहयोग आंदोलन 1920 में चलाया गया। इस आन्दोलन के प्रमुख कारण–

(i) रॉलेट एक्ट–1919 में ब्रिटिश सरकार ने रॉलेट एक्ट पारित किया जिसके अनुसार किसी भी भारतीय को बिना मुकदमा चलाए जेल में बन्द किया जा सकता था। गाँधीजी ने देशभर में 'रॉलेट एक्ट' के विरुद्ध एक अभियान चलाया।

(ii) जलियाँवाला बाग हत्याकाण्ड–अप्रैल, 1919 में अमृतसर के जलियांवाला बाग में ब्रिटिश सैनिकों ने निहत्थे भारतीयों पर गोलियां चलाई थी। इस घटना में असहयोग आंदोलन को जन्म देने में अहम भूमिका निभाई थी।

(iii) ब्रिटिश सरकार की वादाखिलाफी– पहले विश्व युद्ध के बाद भारत में संवैधानिक सुधार करने का वादा किया गया था, लेकिन ऐसा नहीं किया गया।

(iv) आर्थिक कठिनाइयां– पहले विश्व युद्ध के बाद भारत में महंगाई बढ़ गई थी।

(v) ब्रिटिश सरकार के अन्याय– पंजाब में सरकार की बर्बर कार्रवाइयों के ख़िलिफ़ न्याय की मांग थी।

(vi) खिलाफत का मुद्दा खिलाफत– मुद्दे पर ब्रिटिश सरकार के कार्यों का विरोध करना।

असहयोग आंदोलन के कार्यक्रम असहयोग आंदोलन के दौरान कई कार्यक्रमों को अपनाया गया था, जैसेः–

(i) सरकारी उपाधियों और अवैतनिक पदों का त्याग

(ii) सरकारी विद्यालयों और महाविद्यालयों का बहिष्कार

(iii) विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार

(iv) सरकारी समारोहों का बहिष्कार

(v) अस्पृश्यता का अंत

(vi) हिंदू–मुस्लिम एकता को बढ़ावा देना

असहयोग आन्दोलन की प्रगति– विद्यार्थियों ने सरकारी स्कूल व कॉलेज, वकीलों ने अदालत तथा श्रमिकों ने कारखानें छोड़ दिए। 1921 में 396 हड़तालें हुई जिसमें 6 लाख श्रमिक शामिल हुए। सरकार ने लोकप्रिय नेताओं को जेल में डालकर आंदोलन को दबाना चाहा। लेकिन शीघ्र ही आन्दोलन अपने चरम उत्कर्ष पर पहुँच गया। इस आन्दोलन में देश की सम्पूर्ण जनता ने भाग लिया। चौरी–चौरा काण्ड व असहयोग आंदोलन की समाप्तिः चौरी–चौरा में जब असहयोग आंदोलन अपने चरम उत्कर्ष पर था। तब 5 फरवरी 1922 को क्रांतिकारियों ने चौरी–चौरा पुलिस थाने को आग लगा दी जिसमें 22 पुलिसकर्मी जिन्दा जल गए। अतः 12 फरवरी 1922 को गाँधीजी ने असहयोग आंदोलन वापस ले लिया।

<u>असहयोग आन्दोलन का महत्त्व एवं प्रभाव–</u>

(i) सकारात्मक आन्दोलन–लुई फिशर के अनुसार असहयोग भारत और गाँधीजी के जीवन के एक युग का ही नाम हो गया। असहयोग शान्ति की दृष्टि से नकारात्मक किन्तु प्रभाव की दृष्टि से बहुत सकारात्मक था। इसके लिए प्रतिवाद, परित्याग तथा स्व–अनुशासन आवश्यक थे। यह स्वशासन के लिए एक प्रशिक्षण था।

(ii) अंग्रेजी शासन की नींव हिलना–1857 के विद्रोह के बाद पहली बार असहयोग आन्दोलन के परिणामस्वरूप अंग्रेजी शासन की नींव हिल गई।

(iii) जन आन्दोलन–असहयोग आन्दोलन ने राष्ट्रीय आन्दोलन को व्यापक एवं जनप्रिय बना दिया।

(iv) राष्ट्रीयता का प्रसार–असहयोग आन्दोलन ने देशवासियों में राष्ट्रीयता का प्रसार किया। 1922 तक गाँधीजी ने भारतीय राष्ट्रवाद को एकदम परिवर्तित कर दिया।

2. महात्मा गाँधी ने राष्ट्रीय आन्दोलन के स्वरूप को किस तरह बदल डाला?

उत्तर–महात्मा गाँधी ने राष्ट्रीय आन्दोलन के स्वरूप को निम्नलिखित तरीकों से बदल डाला–

(i) विश्व स्तर पर ख्याति– 1915 में भारत आने से पहले गाँधीजी दक्षिण अफ्रीका में सत्याग्रह को सफल बना चुके थे। उन्होंने मानववाद, समानता आदि के लिए प्रयास किए तथा रंगभेद और जातीय भेदभाव के विरुद्ध सत्याग्रह किया तथा विश्व स्तर पर ख्याति प्राप्त की।

(ii) राष्ट्रीय आन्दोलन को विशिष्ट वर्गीय आन्दोलन से जन–आन्दोलन में बदलना गाँधीजी ने असहयोग आन्दोलन के माध्यम से राष्ट्रीय आन्दोलन में किसानों, श्रमिकों और कारीगरों को भी शामिल कर एक जन आन्दोलन में परिणत कर दिया।

(iii) भारत के आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक शोषण के लिए ब्रिटिश भारत सरकार जिम्मेदार–गाँधीजी ने अपने भाषणों तथा लेखों के माध्यम से ब्रिटिश सत्ता को बता दिया कि भारत में फैली गरीबी, बेरोजगारी, भुखमरी, दरिद्रता, निम्न जीवन स्तर, अशिक्षा और अंधविश्वास के लिए ब्रिटिश शासन जिम्मेदार है।

(iv) जनता की मांग–गांधीजी एक कुशल संगठनकर्ता थे। उन्होंने राष्ट्रवादी संदेश का संचार अंग्रेजी भाषा के स्थान पर मातृभाषा में किया। भारत के विभिन्न भागों में कांग्रेस की नवीन शाखाएँ खोली गई तथा देशी राज्यों में 'प्रजामण्डलों' की स्थापना की गई।

(v) जननेता तथा अन्याय व शोषण के प्रति आवाज मुखरित करना–गाँधीजी समझते थे कि जब तक वे किसानों, मजदूरों और जनसाधारण के प्रति सरकार, जमींदारों, ताल्लुकदारों आदि के द्वारा किए जा रहे अन्याय व शोषण के विरुद्ध समझते थे कि जब तक वे किसानों, मजदूरों और जनसाधारण के प्रति सरकार, जमींदारों, ताल्लुकदारों आदि के द्वारा किए जा रहे अन्याय व शोषण के विरुद्ध आवाज नहीं उठाएँगे तब तक जनता उन्हें अपने बीच का व्यक्ति नहीं समझेगी। इसलिए उन्होंने गरीब किसानों, मजदूरों और आम आदमी के शोषण के विरुद्ध अपनी आवाज बुलंद की।

(vi) साम्प्रदायिक एकता के समर्थक– गाँधीजी हिन्दू और मुसलमान दोनों को अपनी दो आँखें मानते थे। वें साम्प्रदायिक एकता के हामी थे। वे हिन्दू और मुसलमान में कोई भेद नहीं मानते थे। उन्होंने हिन्दुओं और मुसलमानों का समर्थन प्राप्त करने के लिए खिलाफत आन्दोलन का समर्थन किया।

(vii) नारी सशक्तिकरण के समर्थक– गाँधीजी नारी सशक्तिकरण के समर्थक थे। वे स्त्री और पुरुष में कोई भेदभाव नहीं करते थे। उन्होंने नारियों को राष्ट्रीय आन्दोलन में शामिल होने, चरखा कातने, खादी का प्रचार–प्रसार करने, शराब व नशाबंदी का विरोध करने को प्रेरित किया।

(viii) प्रमुख समाज सुधारक– गाँधीजी ने समाज सुधार के कार्यों पर भी बहुत अधिक बल दिया। उन्होंने साबरमती आश्रम में स्वयं अपने हाथों से कार्य किया, 'हरिजन सेवक पत्र' के माध्यम से अस्पृश्यता के विरुद्ध शंखनाद किया। जब देश में धार्मिक घृणा व उन्माद फैला तो उन्होंने कई बार आमरण अनशन किया और दंगाग्रस्त इलाकों का दौरा कर शान्ति स्थापना की। उन्होंने चर्खा चलाने, स्वदेशी वस्त्रों का प्रयोग करने, विदेशी वस्त्रों का बहिष्कार करने, दलितोद्धार, स्वयं साधारण वस्त्र पहनने तथा सामान्य लोगों की तरह रहने, जनसामान्य की भाषा का प्रयोग करने आदि पर बल दिया।

इस प्रकार गाँधीजी ने अपनी गतिविधियों और कार्यकलापों के माध्यम से भारत के राष्ट्रीय आन्दोलन का स्वरूप बदल डाला।

3. **टिप्पणी लिखिए–**

(i) खिलाफत आंदोलन (ii) रॉलेट एक्ट

(iii) दांडी यात्रा या नमक सत्याग्रह (iv) गोलमेज सम्मेलन।

उत्तर – संक्षिप्त टिप्पणियां –

(i) **खिलाफत आंदोलन–**

खिलाफत आंदोलन (1919–1920) मुहम्मद अली और शौकत अली के नेतृत्व में भारतीय मुसलमानों का एक आंदोलन था। यह आंदोलन मुख्यतः मुसलमानो के धर्म उत्तराधिकारी खलीफा के पद को समाप्त करने से जुडा हुआ था। इस आंदोलन की निम्नलिखित माँगें थीं– पहले के ऑटोमन साम्राज्य के सभी इस्लामी पवित्र स्थानों पर तुर्की सुल्तान अथवा खलीफा का नियंत्रण बना रहे, जजीरात–उल–अरब (अरब, सीरिया, इराक, फिलिस्तीन) इस्लामी सम्प्रभुता के अधीन रहें तथा खलीफा के पास इतने क्षेत्र हों कि वह इस्लामी विश्वास को सुरक्षित करने के योग्य बन सके। कांग्रेस ने इस आंदोलन का समर्थन किया और गाँधी जी ने इसे असहयोग आंदोलन के साथ मिलाने की कोशिश की।

(ii) **रॉलेट एक्ट –**

भारतवासियों द्वारा ब्रिटिश सरकार के विरुद्ध बढ़ते विरोध को देखते हुए ब्रिटिश सरकार ने भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन को कुचलने के लिए कठोर कानून बनाये। 1919 में ब्रिटिश सरकार ने रॉलेट एक्ट पास किया जिसके अनुसार किसी भी भारतीय को बिना किसी जाँच के कारावास में बन्द किया जा सकता था। यह एक ऐसा कानून था जिसके खिलाफ कोई भी अपील दलील नहीं की जा सकती थी इसलिए इसे 'काला कानून' भी कहा गया। रॉलेट एक्ट के पारित किये जाने से गाँधीजी को प्रबल आघात पहुँचा। उन्होंने इस काले कानून के विरुद्ध एक देशव्यापी अभियान चलाया। गाँधीजी की अपील पर अनेक नगरों में हड़ताल की गई। पंजाब के लोगों ने रॉलेट एक्ट का घोर विरोध किया। ब्रिटिश सरकार ने अमृतसर के स्थानीय नेताओं

को गिरफ्तार कर लिया। इसके विरोध में अप्रैल, 1919 में अमृतसर के जलियाँवाला बाग में लोगों ने एक विशाल सभा आयोजित की। एक अंग्रेज ब्रिगेडियर डायर ने प्रदर्शनकारियों पर गोलियाँ चलवायीं, जिससे 400 से अधिक लोग मारे गए और हजारों घायल हो गए। इस घटना को जलियावाला बाग हत्याकांड कहा जाता है।

(iii) दांडी यात्रा या नमक सत्याग्रह –

दांडी यात्रा या नमक सत्याग्रह, महात्मा गांधी के नेतृत्व में औपनिवेशिक भारत में अहिंसक विरोध का एक अभियान था। यह यात्रा गांधीजी के नेतृत्व में उनके 78 सहयोगियों के साथ 12 मार्च, 1930 को अहमदाबाद के साबरमती आश्रम से शुरू होकर 5 अप्रैल 1930 तक चलीं जिसके बाद 6 अप्रैल को गांधीजी ने अपने हाथों से समुद्र तट पर नमक उठाकर नमक कानून को तोड़ा और इसी में साथ ही नमक सत्याग्रह की शुरुआत हुई।

- यह यात्रा ब्रिटिश सरकार के नमक पर बढ़ते दमनकारी कर के ख़िलाफ़ थी।
- इस यात्रा का मकसद अहिंसक विरोध के जरिए ब्रिटिश सरकार के नमक एकाधिकार का विरोध नमक सत्याग्रह के प्रभाव।
- सरकार ने गांधीजी सहित लगभग 60,000 लोगों को गिरफ्तार कर लिया।
- लोगों द्वारा व्यापक पैमाने पर सविनय अवज्ञा की गई। नमक कर के अलावा, अन्य अलोकप्रिय कर कानूनों की अवहेलना की जा रही थी जैसे कि वन कानून, चौकीदार कर, भूमि कर आदि।

इस आंदोलन के तीन मुख्य प्रभाव थेः

- इसने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम को पश्चिमी मीडिया में सुर्खियों में ला दिया।
- इसने महिलाओं और दलित वर्गों सहित अनेक लोगों को सीधे स्वतंत्रता आंदोलन के संपर्क में लाया।
- इसने साम्राज्यवाद से लड़ने के एक साधन के रूप में अहिंसक सत्याग्रह की शक्ति को दर्शाया।

(iv) गोलमेज सम्मेलन –

अंग्रेज सरकार द्वारा भारत में संवैधानिक सुधारों पर चर्चा के लिए 1930–32 के बीच लंदन में तीन गोलमेज सम्मेलन आयोजित किये गए। ये सम्मलेन मई 1930 में साइमन आयोग द्वारा प्रस्तुत की गयी रिपोर्ट के आधार पर संचालित किये गए थे।

- **प्रथम गोलमेज सम्मेलन (1930)**

पहला गोलमेज सम्मेलन नवम्बर 1930 में आयोजित किया गया जिसमें देश के प्रमुख नेता शामिल नहीं हुए, इसी कारण अंततः यह बैठक निरर्थक साबित हुई।

- **दूसरा गोल मेज सम्मेलन (1931)**

दूसरा गोलमेज सम्मेलन 1931 के आखिर में लंदन में आयोजित हुआ। उसमें गाँधी जी कांग्रेस का नेतृत्व कर रहे थे। लंदन में हुआ यह सम्मेलन गांधीजी और भीमराम अम्बेडकर के मध्य दलितों के पृथक नेतृत्व के मुद्दे

को लेकर असहमति के कारण किसी नतीजे पर नहीं पहुँच सका इसलिए गाँधी जी को खाली हाथ लौटना पड़ा।

- **तीसरा गोलमेज सम्मेलन (1932)**

तीसरा और अंतिम सत्र नवम्बर 1932 को प्रारम्भ हुआ। मात्र 46 प्रतिनिधियों ने इस सम्मलेन में भाग लिया क्योंकि अधिकतर मुख्य भारतीय राजनीतिक प्रमुख इस सम्मलेन में मौजूद नहीं थे।

इस प्रकार तीनो गोलमेज सम्मेलन असफल रहे।

4. भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में महात्मा गाँधी के योगदान का वर्णन कीजिये।

उत्तर –भारत के स्वतंत्रता संग्राम मे महात्मा गाँधी जी का योगदान अतुलनीय है। गाँधीजी के विविध क्षेत्रों में योगदान को निम्न बिन्दुओं के अन्तर्गत स्पष्ट किया जा सकता है–

(i) राजनीतिक क्षेत्र में –

भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन को विशिष्टवर्गीय आन्दोलन से जनांदोलन बनाया भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन में गाँधीजी का सबसे बड़ा योगदान राष्ट्रीय आन्दोलन को जन–आन्दोलन में परिणत करने का था। गाँधीजी ने अपनी पहली महत्त्वपूर्ण सार्वजनिक सभा, जो फरवरी, 1916 में बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के उद्घाटन समारोह में हुई, में अपने भाषण में मजदूर गरीबों की ओर ध्यान न देने के कारण भारतीय विशिष्ट वर्ग को आड़े हाथों लिया। इसके बाद उन्होंने अपनी वेशभूषा को गरीब भारतीयों की वेशभूषा के अनुरूप ढाला ताकि गरीब जनता उसे अपने जैसा समझते हुए राष्ट्रीय आन्दोलन से जुड़े। इसके अतिरिक्त उन्होंने विभिन्न धर्मों के बीच सौहार्द बढ़ाने का प्रयास किया।

राजनीतिक दृष्टि से गांधीजी द्वारा देश में कई छोटे और बड़े आंदोलन किये गये जिनमे से समस्त देशवासियों को प्रभावित करने वाले प्रमुख आंदोलन इस प्रकार रहे –

- असहयोग आन्दोलन 1920 में गाँधीजी ने असहयोग आन्दोलन चलाया जिसमें लाखों लोगों ने हिस्सा लिया। उनके कहने पर भारतीयों ने चाहे वे क्लर्क थे, वकील थे या कारीगर थे, सबने अपना काम करना बन्द कर दिया। विद्यार्थियों ने विद्यालय जाना छोड़ दिया। सभी आजादी की लड़ाई में कूद पड़े।
- सविनय अवज्ञा आन्दोलन 1930 में गाँधीजी ने सविनय अवज्ञा आन्दोलन प्रारम्भ कर दिया। उन्होंने नमक कानून तोड़ा जिसके लिए उन्हें जेल जाना पड़ा।
- भारत छोड़ो आन्दोलन अगस्त, 1942 में गाँधीजी ने 'अंग्रेजो भारत छोड़ो' आन्दोलन शुरू किया। गाँधीजी ने इसके लिए 'करो या मरो' का नारा बुलन्द किया था।

(ii) सामाजिक सुधार के क्षेत्र में –

- **गाँधीजी एक समाज सुधारक के रूप में–**

प्रथमतः, गाँधीजी ने हिन्दू–मुस्लिम एकता स्थापित की तथा उन्हें अंग्रेजों के विरुद्ध लड़ने के लिए एकजुट

किया। इसका उदाहरण खिलाफत आन्दोलन के साथ असहयोग आन्दोलन को जोड़ना था। दूसरे, समाज सुधारक के रूप में उन्होंने जातीय प्रथा का विरोध किया। उन्होंने यथासम्भव दलितों का उद्धार किया तथा पहली बार अछूतों को हरिजन नाम से संबोधित किया। उनके उद्धार के लिए हरिजन नामक पत्र निकाला। वे छुआछूत के विरुद्ध लड़े तथा सभी वर्गों और धर्मों से सौहार्दपूर्ण सम्बन्ध बनाने पर बल दिया। तीसरे, उन्होंने बाल–विवाह, छुआछूत का विरोध किया तथा भारतीयों को मत– मतांतरों के बीच सच्चा संयम लाने पर बल दिया।

▪ आर्थिक क्षेत्र में– एक आर्थिक सुधार के रूप में उन्होंने निम्न प्रमुख कार्य किए–

(a) आर्थिक स्थिति के सुधार के लिए उन्होंने चरखा चलाने तथा खादी पहनने पर बल दिया जिससे देशी कपड़ा उद्योग को बढ़ावा मिला। गाँवों के विकास और कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देने पर जोर दिया, जिन्हें छोटी पूँजी से परिवार के सदस्य घर से चलाकर अतिरिक्त आय प्राप्त कर सकते थे। उन्होंने मशीनीकरण की नीति का विरोध किया। वे इस बात के विरुद्ध थे कि. धन का केन्द्रीकरण केवल कुछ ही लोगों के हाथों में हो जाए।

(b) उन्होंने अहमदाबाद के मिल मजदूरों को अपना वेतन बढ़वाने के लिए हड़ताल करने को कहा तथा भारत के सभी वर्गों में आर्थिक समानता लाने पर जोर दिया।

(c) गाँधीजी किसानों के हित के लिए लड़े तथा उनकी रक्षा के लिए स्वयं आगे आए। चंपारन सत्याग्रह, खेड़ा सत्याग्रह इसके उदाहरण हैं।

निष्कर्ष – भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में महात्मा गांधी का योगदान अतुलनीय था। अहिंसा और सविनय अवज्ञा के उनके दर्शन तथा असहयोग एवं सविनय अवज्ञा की उनकी रणनीति और उनके नेतृत्त्व ने भारतीय जनता को एकजुट करने के साथ ब्रिटिशों को भारतीयों की मांगों को मानने के लिये मजबूर किया था। गांधी की विरासत आज भी विश्व भर के लोगों को न्याय और स्वतंत्रता के लिये लड़ने हेतु प्रेरित करती है।

अध्याय–12 संविधान का निर्माण
अंकभार–6

1. भारत का संविधान कब अस्तित्व में आया?

उत्तर– दिनांक 26 जनवरी 1950

2. भारत के संविधान को किस अवधि के बीच सूत्रबद्ध किया गया?

उत्तर– भारत के संविधान को 9 दिसंबर 1946 से 26 नवंबर 1949 के बीच सूत्रबद्ध किया गया।

3. भारतीय संविधान सभा के कुल कितने सत्र हुए?

उत्तर– 11

4. संविधान सभा के कुल 11 सत्र हुए जिनमें से कितने दिन बैठकों में गए?

उत्तर– 165 दिन

5. भारत आजाद कब हुआ?

उत्तर– 15 अगस्त 1947 को

6. रॉयल इंडियन नेवी (शाही भारतीय नौसेना) के सिपाहियों का विद्रोह कब हुआ?

उत्तर– 1946 के वसंत में

7. संविधान सभा में उद्देश्य प्रस्ताव कब और किसने प्रस्तुत/पेश किया था?

उत्तर– 13 दिसंबर 1946 को जवाहरलाल नेहरू ने संविधान सभा के सामने उद्देश्य प्रस्ताव पेश किया।

8. संविधान सभा के अध्यक्ष कौन थे?

उत्तर– राजेन्द्र प्रसाद

9. संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष कौन थे?

उत्तर– भीमराव अम्बेडकर

10. भारत सरकार के संवैधानिक सलाहकार कौन थे?

उत्तर– बी. एन.राव

11. 'हम सिर्फ नकल करने वाले नहीं हैं।' ये शब्द किसने, कब तथा कहाँ कहे थे?

उत्तर– 'हम सिर्फ नकल करने वाले नहीं हैं।' ये शब्द जवाहरलाल नेहरू ने 13 दिसंबर 1946 को संविधान सभा में कहे थे।

12. संविधान सभा के किस सदस्य को संविधान सभा की चर्चाओं पर ब्रिटिश साम्राज्यवाद का स्याह साया दिखाई देता था ?

उत्तर– संविधान सभा के कम्युनिस्ट सदस्य सोमनाथ लाहिड़ी को

13. सोमनाथ लाहिड़ी कौन थे? उनके संविधान सभा के बारे में क्या विचार थे?

उत्तर– (i) सोमनाथ लाहिड़ी संविधान सभा में एक कम्युनिस्ट सदस्य थे।

(ii) उनका विचार था कि संविधान सभा वास्तव में अंगेजों द्वारा बनाई गई है एवं यह अंग्रेजों की योजना को साकार करने का कार्य कर रही है।

14. जब गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट के तहत 1937 में चुनाव हुए तो 11 में से कितने प्रांतों में कांग्रेस की सरकार बनी?

उत्तर–8

15. भारत सरकार के प्रशासनिक अधिकारी एस.एन. मुखर्जी की संविधान निर्माण में क्या भूमिका थी?

उत्तर– एस.एन. मुखर्जी की भूमिका मुख्य योजनाकार की थी। एस.एन. मुखर्जी जटिल प्रस्तावों को स्पष्ट

वैधिक भाषा में व्यक्त करने की क्षमता रखते थे।

16. भारतीय संविधान का प्रारूप तैयार करने में किन दो प्रशासनिक अधिकारियों ने प्रमुख भूमिका निभाई।

उत्तर –भारतीय संविधान का प्रारूप तैयार करने में एस. एन. मुखर्जी तथा बी. एन. राव नामक दो प्रशासनिक अधिकारियों ने प्रमुख भूमिका निभाई।

17. ब्रिटिश शासन में किस कानून के जरिए प्रांतीय विधायिकाओं में सीमित प्रतिनिधित्व की व्यवस्था लागू हुई थी?

उत्तर– 1919 के मोंटेग्यू चेम्सफोर्ड अधिनियम द्वारा।

18. 1919 के मोंटेग्यू चेम्सफोड सुधारों की रूपरेखा किसने तैयार की थी?

उत्तर– एडविन मोंटेग्यू ने।

19. "पृथक निर्वाचिका एक ऐसा विष है जो हमारे देश की पूरी राजनीति में समा चुका है" यह किसने कहां?

उत्तर – सरदार वल्लभ भाई पटेल ।

20. भारतीय संविधान के निर्माण से पहले के कुछ वर्ष उथल पुथल वाले कैसे थे?

उत्तर– (i) 1942 ई० में चला भारत छोड़ो आंदोलन।

(ii) सुभाष चंद्र बोस की आजाद हिंद फौज द्वारा की गई कार्यवाहियों।

(iii) मुस्लिम लीग द्वारा तीव्रता से फैलाया जा रहा सांप्रदायिकता का विष।

21. संविधान सभा का गठन कब हुआ ? उसके कितने सदस्य थे?

उत्तर –(i) संविधान सभा का गठन जुलाई 1946 ई० में किया गया था।

(ii) इसके कुल सदस्य 389 थे।

(iii) इसमें कांग्रेस के 82 प्रतिशत सदस्य थे।

22. संविधान सभा का प्रथम अधिवेशन कब बुलाया गया था ? इसका उद्देश्य क्या था?

उत्तर– (i) संविधान सभा का प्रथम अधिवेशन 9 दिसंबर 1946 ई० को बुलाया गया था।

(ii) इसका उद्देश्य भारतीय संविधान का निर्माण करना था।

23. संविधान सभा में भाषायी अल्पसंख्यकों ने कौन सी दो माँगें कीं?

उत्तर– (i) उन्हे मातृभाषा में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता मिले।

(ii) भाषाओं के आधार पर प्रांतो का पुनर्गठन किया जाए।

24. संविधान सभा में कितने सदस्यों ने उल्लेख भूमिका निभाई? इनमें से किन्हीं दो सदस्यों के नाम लिखें।

उत्तर– (i) संविधान सभा में 6 सदस्यों ने उल्लेखनीय भूमिका निभाई।

(ii) इनमें से दो सदस्यों के नाम जवाहरलाल नेहरू एवं बी. आर. अंबेडकर थे।

25. संविधान सभा में प्रमुख भूमिका निभाने वाले कांग्रेस के तीन सदस्य कौन थे?

उत्तर– संविधान सभा में प्रमुख भूमिका निभाने वाले कांग्रेस के तीन सदस्य जवाहरलाल नेहरू, वल्लभभाई पटेल एवं डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद थे।

26. दमित जातियों के विकास के लिए संविधान सभा द्वारा दिये गये किन्हीं दो सुझावों का उल्लेख कीजिए ? अथवा संविधान सभा अछूतों की समस्या का समाधान किस प्रकार करना चाहती थी?

उत्तर–(i) अस्पृश्यता का उन्मूलन किया जाए।

(ii) हिंदू मंदिरों के द्वार सभी जातियों के लिए खोल दिए जाएँ।

(iii) निचली जातियों को विधायिकाओं और सरकारी नौकरियों में आरक्षण दिया जाए।

27. दमित जातियों के दो मुख्य समर्थक नेता कौन थे?

उत्तर– दमित जातियों के दो मुख्य समर्थक नेता बी0 आर0 अंबेडकर एवं जे. नागप्पा थे।

28. संविधान सभा ने भाषा के विवाद को हल करने के लिए क्या रास्ता निकाला?

उत्तर–(i) देवनागरी लिपि में लिखी हिंदी भारत की राजकीय भाषा होगी।

(ii) प्रथम 15 वर्षों तक सरकारी कामों में अंग्रेजी का प्रयोग जारी रहेगा। प्रत्येक प्रॉत को एक क्षेत्रीय भाषा चुनने का अधिकार होगा।

29. भारतीय संविधान के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले त्रिगुट में कौन कौन से सदस्य शामिल थे?

उत्तर– (i) जवाहरलाल नेहरू

(ii) वल्लभ भाई पटेल

(iii) राजेंद्र प्रसाद।

30. किसके पास संविधान सभा में संविधान के प्रारूप को पारित करवाने की जिम्मेदारी थी?

उत्तर– भीमराव अम्बेडकर के पास संविधान सभा में संविधान के प्रारूप की जिम्मेदारी थी।

31. बी ० पोकर बहादुर ने मुसलमानों के लिए पृथक निर्वाचिका का समर्थन क्यों किया ?

उत्तर– (i) मुसलमानों की आवश्यकताओं को गैर मुसलमान अच्छी प्रकार नहीं समझ सकते।

(ii) मुसलमानों की शासन में सार्थक हिस्सेदारी के लिए ।

32. बी. पोकर बहादुर की मुसलमानों के लिए पृथक निर्वाचिका की मांग से अधिकाँश राष्ट्रवादी क्या भड़क उठे ?

उत्तर– (i) वे इसे लोगों को बाँटने की एक चाल समझते थे।

(ii) वे इसे एक ऐसा विष समझते थे जिसने संपूर्ण राजनीति को विषैला कर दिया है।

33. गोविंद वल्लभ पंत ने बी. पोकर बहादुर द्वारा की गईपृथक् निर्वाचिका की मांग की क्यों आलोचना की?

उत्तर–(i) वह इसे एक आत्मघाती माँग समझते थे।

(ii) इस कारण अल्पसंख्यक स्थायी रूप से अलग थलग हो जाएंगे।

34. 'उन्हें सहारों की जरूरत है। उन्हें एक सीढ़ी चाहिए।' ये शब्द किसने तथा किनके लिए कहे?

उत्तर– ये शब्द एन० जी० रंगा ने गरीबों एवं दबे कुचले लोगों के लिए कहे।

35. आदिवासियों का प्रसिद्ध वक्ता कौन था? उसने किस बात पर बल दिया?

उत्तर– (i) आदिवासियों का प्रसिद्ध वक्ता जयपाल सिंह थे।

(ii) उन्होंने आदिवासियों की सुरक्षा तथा आम जनता के स्तर पर लाने के लिए आवश्यक परिस्थितियों की रचना करने पर बल दिया।

36. जयपाल सिंह आदिवासियों के लिए सीटों का आरक्षण क्यों जरूरी मानते थे?

उत्तर– (i) जयपाल सिंह आदिवासियों एवं शेष समाज के मध्य भावनात्मक एवं भौतिक अंतर को कम करना चाहते थे

(ii) वह चाहते थे कि आदिवासियों की आवाज अन्य लोग भी सुने।

37. पृथक निर्वाचिको का समर्थन करने वाले किन्हीं दो नेताओं के नाम लिखें।

उत्तर– पृथक् निर्वाचिका का समर्थन करने वाले किन्ही दो नेताओ के नाम बी0 पोकर बहादुर एवं बी0 आर0 अम्बेडकर थे।

38. पृथक निर्वाचिका आत्मघाती साबित होगी क्योंकि इससे अल्पसंख्यक बहुसंख्यकों से कट जाएंगे? यह किसने कहाँ।

उत्तर– बेगम ऐजाज रसूल।

39. संविधान सभा में यह किसने कहा कि अल्पसंख्यक शब्द की व्याख्या आर्थिक स्तर पर की जानी चाहिए?

उत्तर– किसान आंदोलन के नेता और समाजवादी विचारों वाले एन.जी. रंगा ने।

40. हिन्दुस्तानी भाषा के प्रश्न पर महात्मा गाँधी को क्या लगता था? अथवा गाँधीजी ने इस बात पर बल क्यों दिया कि भारत की राष्ट्रीय भाषा हिन्दुस्तानी होनी चाहिए?

उत्तर–महात्मा गाँधी का मानना था कि हरेक को एक ऐसी भाषा बोलनी चाहिए जिसे लोग आसानी से उर्दू के मेल से बनी समझ सके। हिंदी और हिन्दुस्तानी भारतीय जनता के बहुत बड़े भाग की भाषा थी। यह हिंदू और मुसलमान दोनों के द्वारा महात्मा गाँधी को लगता था कि यह बहुसांस्कृतिक भाषा विविध समुदायों के बीच संचार की है: वह हिंदुओं और मुसलमानों को, उत्तर और दक्षिण के लोगों को एकजुट कर सकती है।

41. 'मेरा मानना है कि पृथक निर्वाचिका अल्पसंख्यकों के लिए आत्मघाती साबित्त होगी और उन्हें बहुत भारी नुकसान पहुँचाएगी। अगर उन्हें हमेशा के लिए अलग – थलग कर दिया गया तो वे कभी भी खुद को बहुसंख्यकों में रूपांतरित नहीं कर पाएँगे। निराशा का भाव शुरू से उन्हें अपंग बना देगा।' यह कथन किसका है?

उत्तर– गोविंद वल्लभ पंत।

42. संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष भीमराव अम्बेडकर के साथ कौनसे दो वकील काम कर रहे थे, जिन्होंने संविधान के प्रारूप पर महत्वपूर्ण सुझाव दिए?

उत्तर–(i) गुजरात के के. एम. मुंशी

(ii) मद्रास के अल्लादि कृष्णा स्वामी अय्यर।

43. संविधान सभा के कम्युनिस्ट सदस्य सोमनाथ लाहिड़ी को संविधान सभा की चर्चाओं पर ब्रिटिश साम्राज्यवाद का स्याह साया क्यों दिखाई देता था ?

उत्तर– 1946–47 के जाड़ों में जब संविधान सभा में चर्चा चल रही थी तो अंग्रेज अभी भी भारत में ही थे। जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में अंतरिम सरकार शासन तो चला रही थी परंतु उसे सारा काम वायसराय तथा लन्दन में बैठी ब्रिटिश सरकार की देखरेख में करना पड़ता था। लाहिड़ी ने अपने साथियों को समझाया कि संविधान सभा अंग्रेजों ने बनाई है और वहां अंग्रेजों की योजना को साकार करने का काम कर रही है।

44. भारतीय संविधान में विषयों की कितनी सूचियों का उल्लेख हैं। उनका नाम लिखिए ? अथवा संविधान के मसौदे में कितनी सूचियां बनायी गयी थीं?

उत्तर– तीन सूचियां हैः– (i) केंद्रीय सूची
(ii) राज्य सूची
(iii) समवर्ती सूची।

45. भारतीय संविधान के अनच्छेद 356 के बारे में आप क्या जानते है?

उत्तर– अनुच्छेद 356 में गवर्नर की सिफारिश पर केंद्र सरकार को राज्य सरकार के सारे अधिकार अपने हाथ में लेने का अधिकार दे दिया गया।

46. संविधान में केंद्र को अधिक शक्तिशाली बनाने के लिए क्या प्रावधान किए गए ? कोई दो लिखिए।

उत्तर–(i) केंद्रीय सूची में सभी महत्त्वपूर्ण विषय रखे गए।

(ii) अनुच्छेद 356 के अधीन गवर्नर की सिफारिश पर केंद्र सरकार राज्य सरकार के सभी अधिकारों को अपने हाथ में ले सकती है।

47. राज्यों को केंद्र की अपेक्षा अधिक शक्तिशाली बनाए जाने के पक्ष में जो सदस्य थे उनमें सबसे उल्लेखनीय कौन थे?

उत्तर– राज्यों को केंद्र की अपेक्षा अधिक शक्तिशाली बनाए जाने के पक्ष में जो सदस्य थे उनमें उल्लेखनीय मद्रास के के संतनम थे।

48. हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाए जाने के विरोध में क्या तर्क दिया गया?

उत्तर (i) अनेक लोग सोचते थे कि हिंदी को उन पर जबरदस्ती थोपा जा रहा है।

(ii) दक्षिण भारत के लोग हिंदी भाषा को नहीं समझते थे।

49. भारतीय संविधान के किन दो अभिलक्षणों पर काफी हद तक सहमति थी?

उत्तर– (i) प्रत्येक वयस्क भारतीय को मताधिकार देना।

(ii) धर्मनिरपेक्षता की नीति पर बल देना।

50. भारतीय संविधान में दिए गए कोई तीन मौलिक अधिकार बताए।

उत्तर– (i) समानता का अधिकार (अनुच्छेद 14, 16,17)

(ii) धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 25 से 28)

(iii) सांस्कृतिक व शैक्षिक अधिकार (अनुच्छेद 29, 30)

51. केंद्रीय सूची के विषय में आप क्या जानते हैं?

उत्तर– भारतीय संविधान की केंद्रीय अथवा संघ सूची में राष्ट्रीय महत्त्व के विषय दिए गए हैं। इन पर कानून बनाने का अधिकार केवल केंद्र को है। इनमें प्रमुख हैं विदेश नीति, राष्ट्रीय सुरक्षा।

52. राज्य सूची के विषय में आप क्या जानते हैं.?

उत्तर– राज्य सूची के विषयों पर कानून बनाने का अधिकार केवल राज्य सरकारों के पास हैं। इनमें महत्त्वपूर्ण हैं स्थानीय स्वशासन, पुलिस एवं सार्वजनिक स्वास्थ्य।

53. समवर्ती सूची पर प्रकाश डालिए।

उत्तर –भारतीय संविधान की समवर्ती सूची में 52 (मूलतः47) विषय सम्मिलित हैं। इन विषयों पर केंद्र एवं राज्य सरकारें दोनों ही कानून बना सकती हैं लेकिन टकराव की स्थिति में केंद्रीय सरकार को प्राथमिकता दी जाती है।

54. वयस्क मताधिकार क्या है?

उत्तर– वयस्क मताधिकार का अर्थ है कि प्रत्येक स्त्री पुरुष जिसकी आयु 18 वर्ष अथवा इससे अधिक है बिना किसी भेदभाव के मत देने का अधिकार

प्र–55. संविधान सभा में कौन–कौन से सदस्यों ने शक्तिशाली केन्द्र की आवश्यकता पर जोर दिया और क्यों?

उत्तर–(i) डॉ. भीमराव अम्बेडकर

(ii) गोपालस्वामी अय्यर

(iii) बालकृष्ण शर्मा

(iv) सड़कों पर हो रही हिंसा का हवाला देते हुए बहुत सारे सदस्यों ने बार– बार यह कहा कि केन्द्र की शक्तियों में भारी इजाफा होना चाहिए ताकि सांप्रदायिक हिंसा को रोक सके।

56. "वह एक शक्तिशाली और एकीकृत केन्द्र चाहते हैं, 1935 के गवर्नमेंट एक्ट में हमने जो केन्द्र बनाया था उससे भी ज्यादा शक्तिशाली केन्द्र।" यह किसने कहा?

उत्तर– डॉ भीमराव अम्बेडकर ने।

57. हिन्दी और उर्दू के मेल से बनी उस भाषा का नाम लिखिए जिसे महात्मा गाँधी राष्ट्रीय भाषा का दर्जा दिलाना चाहते थे?

उत्तर– हिन्दुस्तानी भाषा

58. राष्ट्रीय आंदोलन के दौरान किस राजनेता ने दमित जातियों के लिए पृथक निर्वाचिका की माँग की थी?

उत्तर– डॉ भीमराव अम्बेडकर ने।

59. ब्रिटिश शासन में कब कार्यपालिका को आंशिक रूप से प्रांतीय विधायिका के प्रति उत्तरदायी बनाय गया और कब उसे पूरी तरह विधायिका के प्रति उत्तरदायी बना दिया गया?

उत्तर– (i) 1919 के मोटेग्यू चेम्सफोर्ड अधिनियम के द्वारा कार्यपालिका को आंशिक के प्रति उत्तरदायी बनाया गया।

(ii) 1935 के गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट के द्वारा कार्यपालिका को पूरी तरह विधायिका के प्रति उत्तरदायी बना दिया गया।

60. यह सुझाव किसने दिया कि देवनागरी लिपि में लिखी हिंदी भाषा भारत की राजकीय भाषा होगी ?

उत्तर– भाषा समिति ने।

61. भारत में हुए विभिन्न जन आंदोलनों का एक महत्त्वपूर्ण पहलू कौन सा था?

उत्तर– व्यापक हिन्दू – मुस्लिम एकता इन जन आंदोलनों का एक अहम पहलू था।

62. संविधान सभा के किस सदस्य ने महात्मा गाँधी के आह्वान पर दक्षिण भारत में हिन्दी का प्रचार जारी रखा?

उत्तर– श्रीमती दुर्गा बाई ने।

63. संविधान सभा के एक शुरूआती सत्र में संयुक्त प्रान्त के किस एक कांग्रेसी सदस्य ने इस बात के लिए पुरजोर शब्दों में आवाज उठाई कि हिंदी को संविधान निर्माण की भाषा के रूप में इस्तेमाल किया जाए? अथवा यह किसने कहा कि हिंदी को राजभाषा नहीं बल्कि राष्ट्रभाषा घोषित किया।

उत्तर– आर.वी. धुलेकर।

64. "अर्धरात्रि के इस क्षण में जब दुनिया सो रही है, भारत जीवन और स्वतंत्रता की ओर जाग रहा है।" यह कथन किसका है?

उत्तर– पं. जवाहरलाल नेहरू।

65. संविधान सभा में यह प्रस्ताव किसने पेश किया कि भारत का राष्ट्रीय ध्वज पट्टियों का तिरंगा झंडा होगा जिसके बीच में गहरे नीले रंग का चक्र होगा।ष केसरिया, सफेद और गहरे हरे रंग की तीन बराबर चौड़ाई वाली

उत्तर– पं. जवाहरलाल नेहरू ने।

66. 1947 ई० में भारत के विभाजन के पश्चात् भारत सरकार नवजात राष्ट्र को किन दो प्रमुख समस्याओं के एकीकरण की समस्या का सामना करना पड़ा।

उत्तर– 1947 ई० में भारत के विभाजन के पश्चात् भारत सरकार को शरणार्थियों की समस्या एवं देशी रियासतों के एकीकरण की समस्या का सामना करना पड़ा।

67. अंग्रेजी सरकार ने प्रांतीय सरकारों में भारतीयों की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए कौन से संवैधानिक सुधार पारित किए?

उत्तर– अंग्रेजी सरकार ने प्रांतीय सरकारों में भारतीयों की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए 1909 ई०, 1919 ई० तथा 1935 ई० के संवैधानिक सुधार पारित किए।

दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न (3 अंक) –

1. उद्देश्य प्रस्ताव में किन आदर्शों पर जोर दिया गया था?

उत्तर–13 दिसम्बर, 1946 को जवाहर लाल नेहरू ने संविधान सभा के सामने उद्देश्य प्रस्ताव प्रस्तुत किया, जिसमें संविधान के मूल आदर्शों की रूपरेखा प्रस्तुत की गई तथा फ्रेमवर्क सुझाया जिसके तहत संविधान का कार्य आगे बढ़ाना था। यथा–

(i) इसमें भारत को एक 'स्वतन्त्र सम्प्रभु गणराज्य' घोषित किया गया।

(ii) इसमें समस्त नागरिकों को स्वतंत्रता, समानता और न्याय का आश्वासन दिया गया।

(iii) इसमें इस बात पर भी बल दिया गया कि अल्पसंख्यकों, पिछड़े व जनजातीय क्षेत्रों एवं दमित व अन्य पिछड़े वर्गों के लिए पर्याप्त रक्षात्मक प्रावधान किए जाएँगे।

(iv) इसी अवसर पर नेहरू ने बोलते हुए कहा कि उनकी दृष्टि अतीत में हुए उन ऐतिहासिक प्रयोगों की ओर जा रही है जिनमें अधिकारों के ऐसे दस्तावेज तैयार किए गए थे।

(v) नेहरू ने कहा कि भारतीय संविधान का उद्देश्य होगा– लोकतंत्र के उदारवादी विचारों और आर्थिक न्याय के समाजवादी विचारों का एक–दूसरे में समावेश करें तथा भारतीय संदर्भ में इनकी रचनात्मक व्याख्या करें।

2. संविधान सभा के ऐसे दो महत्त्वपूर्ण अभिलक्षणों का उल्लेख कीजिए जिन पर संविधान सभा में काफी हद तक सहमति थी।

उत्तर– संविधान के कुछ ऐसे महत्त्वपूर्ण अभिलक्षण भी हैं, जिन पर संविधान सभा में काफी हद तक सहमति थी। यथा–

(i) वयस्क मताधिकार – संविधान का एक केन्द्रीय अभिलक्षण वयस्क मताधिकार है। इस पर संविधान सभा में प्रायः आम सहमति थी। यह सहमति प्रत्येक वयस्क भारतीय को मताधिकार देने पर थी। इसके पीछे एक खास किस्म का भरोसा था जिसके पूर्व उदाहरण अन्य देश के इतिहास में नहीं थे। दूसरे लोकतंत्रों में पूर्ण वयस्क मताधिकार धीरे–धीरे कई चरणों से गुजरते हुए, लोगों को मिला।

(ii) धर्मनिरपेक्षता पर बल – हमारे संविधान का दूसरा महत्त्वपूर्ण अभिलक्षण था– धर्मनिरपेक्षता पर बल। संविधान की प्रस्तावना में धर्मनिरपेक्षता के गुण तो नहीं गाए गए थे परन्तु संविधान व समाज को चलाने के लिए भारतीय सन्दर्भों में उसके मुख्य अभिलक्षणों का जिक्र आदर्श रूप में किया गया था। ऐसा मूल अधिकारों की श्रृंखला को रचने के जरिये किया गया, विशेषकर 'धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकारा' (अनुच्छेद 25–28), 'सांस्कृतिक एवं शैक्षिक अधिकार' (अनुच्छेद 29–30) एवं 'समानता का अधिकार' (अनुच्छेद 14, 16, 17)। भारतीय राजनीतिक धर्मनिरपेक्षता में राज्य व धर्म के बीच पूर्ण विच्छेद नहीं रहा। संविधान सभा ने इन दोनों के बीच एक विवेकपूर्ण फासला बनाने की कोशिश की है।

3. सविधान सभा ने भाषा के विवाद को हल करने के लिए क्या रास्ता निकाला?

उत्तर– संविधान सभा की भाषा समिति ने राष्ट्रीय भाषा के सवाल पर हिन्दी के समर्थकों और विरोधियों के बीच पैदा हो गए गतिरोध को तोड़ने के लिए फार्मूला विकसित कर लिया था। समिति ने सुझाव दिया कि देवनागरी लिपि में लिखी हिंदी भारत की राजकीय भाषा होगी। समिति का मानना था कि हिन्दी को राष्ट्रभाषा बनाने के लिए हमें धीरे–धीरे आगे बढ़ना चाहिए। प्रथम 15 वर्षों तक सरकारी कार्यों में अंग्रेजी का इस्तेमाल जारी रहेगा प्रत्येक प्रांत को अपने कामों के लिए कोई एक क्षेत्रीय भाषा चुनने का अधिकार होगा।

इस प्रकार संविधान सभा की भाषा समिति ने हिन्दी को राष्ट्रभाषा की बजाय राजभाषा कहकर विभिन्न पक्षों की भावनाओं को शांत करने और सर्वस्वीकृत समाधान पेश करने का प्रयास किया था।

4. महात्मा गाँधी को ऐसा क्यों लगता था कि हिन्दुस्तानी राष्ट्रभाषा होनी चाहिए ?

(अथवा)

महात्मा गाँधी हिन्दुस्तानी को राष्ट्रीय भाषा क्यों बनाना चाहते थे? व्याख्या कीजिए।

उत्तर– 1930 के दशक तक भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने यह मान लिया था कि हिन्दुस्तानी को राष्ट्रीय भाषा का दर्जा दिया जाए। गाँधीजी का मानना था कि हरेक व्यक्ति को ऐसी भाषा बोलनी चाहिए जिसे लोग आसानी से समझ सकें। हिन्दी और उर्दू के समिश्रण से बनी 'हिन्दुस्तानी' भारतीय जनता के बहुत बड़े हिस्से की भाषा थी और यह विविध संस्कृतियों के आदान–प्रदान से समृद्ध हुई एक साझी भाषा थी। जैसे–जैसे समय बीता, बहुत तरह के स्त्रोतों से नए–नए शब्द और अर्थ इसमें समाते गए और उसे विभिन्न क्षेत्रों के बहुत सारे लोग समझने लगे।

महात्मा गाँधी को लगता था कि यह बहुसांस्कृतिक भाषा विविध समुदायों के बीच संचार की आदर्श भाषा हो सकती है। वह हिन्दुओं और मुसलमानों को उत्तर और दक्षिण के लोगों को एकजुट कर सकती है। इन सभी कारणों से गाँधीजी हिन्दुस्तानी को राष्ट्रभाषा बनाना चाहते थे।

5. प्रश्न 3. प्रांतों के लिए ज्यादा शक्तियों के पक्ष में क्या तर्क दिए गए?

उत्तर–राज्यों के अधिकारों की सबसे शक्तिशाली हिमायत मद्रास के सदस्य के संतनम ने प्रस्तुत की। उन्होंने प्रान्तों के लिए ज्यादा शक्तियों के पक्ष में निम्नलिखित तर्क दिये–

(i) उन्होंने कहा कि न केवल राज्यों को बल्कि केन्द्र को ताकतवर बनाने के लिए शक्तियों का पुनर्वितरण आवश्यक है। यदि केन्द्र के पास जरूरत से ज्यादा शक्तियाँ होंगी तो वह प्रभावी ढंग से कार्य नहीं कर पाएगा। उसके कुछ दायित्वों को कम करने से और उन्हें राज्यों को सौंप देने से केन्द्र ज्यादा मजबूत हो सकता है।

(ii) संतनम का दूसरा तर्क यह था कि शक्तियों का मौजूदा वितरण उन्हें पंगु बना देगा। राजकोषीय प्रावधान प्रांतों को खोखला कर देगा क्योंकि भू–राजस्व के अलावा ज्यादातर कर केन्द्र सरकार के अधिकार में दे दिए गए हैं। यदि पैसा ही नहीं होगा तो राज्यों में विकास

परियोजनाएँ कैसे चलेंगी।

(ii) संतनम ने एक और तर्क देते हुए कहा कि अगर पर्याप्त जाँच–पड़ताल किए बिना शक्तियों का प्रस्तावित वितरण लागू कर दिया गया तो हमारा भविष्य अंधकार में पड़ जाएगा। उन्होंने कहा कि कुछ ही सालों में सारे प्रान्त केन्द्र के विरुद्ध उठ खड़े होंगे। उड़ीसा के एक सदस्य के अनुसार बेहिसाब केन्द्रीकरण के कारण केन्द्र बिखर जाएगा।

6. संविधान सभा में हुई चर्चाएँ जनमत से कैसे प्रभावित होती थी? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर–(i) जब संविधान सभा में बहस होती थी तो विभिन्न पक्षों के तर्क समाचार–पत्रों में छपते थे तथा समस्त प्रस्तावों पर सार्वजनिक रूप से बहस चलती थी।

(ii) सामूहिक सहभागिता बनाने के लिए देश की जनता के सुझाव भी आमन्त्रित किये जाते थे।

(iii) कई भाषायी अल्पसंख्यक अपनी मातृभाषा की रक्षा की माँग करते थे।

(iv) धार्मिक अल्पसंख्यक अपने विशेष हित सुरक्षित करवाना चाहते थे और दलित जाति के लोग शोषण के अन्त की माँग करते हुए राजकीय संस्थाओं में आरक्षण चाहते थे।

7. वे कौनसी ऐतिहासिक ताकतें थी जिन्होंने संविधान का स्वरूप तय किया?

उत्तर– भारतीय संविधान सभा द्वारा 9 दिसम्बर 1946 से 26 नवम्बर 1949 तक संविधान का निर्माण किया गया। संविधान के स्वरूप को प्रभावित करने वाली प्रमुख ताकतें निम्नलिखित थीः–

(i) भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेसः–

संविधान के स्वरूप को तय करने वाली प्रमुख ताकतों में कांग्रेस पार्टी की भूमिका सर्वाधिक थी। संविधान सभा में लगभग 82 प्रतिशत सदस्य इसी पार्टी के थे। कांग्रेसके प्रमुख नेताओं में जवाहर लाल नेहरू, सरदार वल्लभ भाई पटेल व डॉ. राजेन्द्र प्रसाद प्रमुख थे। जवाहर लाल नेहरू ने संविधान सभा में उद्देश्य प्रस्ताव पेश किया। सरदार पटेल ने अनेकानेक रिपोर्टों के प्रारूप लिखे तथा राजेन्द्र प्रसाद ने संविधान सभा की अध्यक्षता की।

(ii) दलित एवं आदिवासी ताकतें:–

संविधान सभा के स्वरूप को प्रभावित करने वाली ताकतों में दलित एवं आदिवासी नेता भी प्रमुख भूमिका निभा रहे थे। इनमें सर्वाधिक भूमिका बी. आर. अम्बेडकर की थी। संविधान सभा की प्रारूप समिति की अध्यक्षता करते हुए अम्बेडकर ने संविधान सभा में दलित जातियों के पक्ष में पुरजोर दलिलें देकर विशेष रियायतें प्राप्त की।

(iv) जनमत सहभागिताः–

संविधान सभा में हुई चर्चाओं को अखबारों में छापा जाता था जिसे पढ़कर जनता भी अपनी तीव्र प्रतिक्रिया व्यक्त करती थी। अतः जनमत को भी संविधान के स्वरूप को प्रभावित करने वाली ताकत माना जाता है।

(v) बुद्धिजीवी वर्गः– संविधान के स्वरूप को तय करने में बुद्धिजीवी वर्ग ने भी प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप से महती भूमिका निभाई। इन्होंने देश की जनता को जाग्रत करके राष्ट्रीयता के स्वरूप को ही बदल डाला।

8. विभिन्न समूह 'अल्पसंख्यक' शब्द को किस तरह परिभाषित कर रहे थे?

उत्तर–सामान्यतः अल्पसंख्यक शब्द से हमारा तात्पर्य राष्ट्र की कुल जनसंख्या में किसी वर्ग अथवा समुदाय के कम अनुपात से है परन्तु अलग–अलग लोगों ने अपने– अपने ढंग से अल्पसंख्यक शब्द को परिभाषित किया है, जो इस प्रकार हैं–

(i) मद्रास के बी. पोकर बहादुर के अनुसार मुसलमान अल्पसंख्यक थे, क्योंकि मुसलमानों की आवश्यकताओं को गैर–मुसलमान अच्छी प्रकार से नहीं समझ सकते, न ही अन्य समुदायों के लोग मुसलमानों का कोई सही प्रतिनिधि चुन सकते हैं।

(ii) कुछ लोग दमित वर्ग के लोगों को हिन्दुओं से अलग करके देख रहे थे, और उनके लिए अधिक स्थानों का आरक्षण चाह रहे थे।

(iii) एन.जी. रंगा के अनुसार असली अल्पसंख्यक गरीब और दबे–कुचले लोग थे। रंगा आदिवासियों को अल्पसंख्यक मानते थे। उनका शोषण व्यापारियों, जमींदारों तथा सूदखोरों द्वारा किया जा रहा था। जयपालसिंह ने भी आदिवासियों को अल्पसंख्यक बताया।?

(iv) एन.जी. रंगा के अनुसार अल्पसंख्यक तथाकथित पाकिस्तानी प्रान्तों में रहने वाले हिन्दू, सिख और यहाँ तक मुसलमान भी अल्पसंख्यक नहीं हैं। असली अल्पसंख्यक इस देश की जनता है, यह जनता इतनी दमित, उत्पीड़ित और कुचली हुई हैं कि अभी तक साधारण नागरिक को मिलने वाले लाभ नहीं उठा पा रही है।

शेखावाटी मिशन– 100 : सत्र 2024-25
मॉडल प्रश्न पत्र-1
कक्षा–12 विषय–इतिहास

खंड–अ

1. निम्न प्रश्नों (i) से (xviii) के उत्तर का सही विकल्प चयन कर उत्तर पुस्तिका में लिखिए – (अंकभार प्रत्येक 1 अंक)

(i) विशाल स्नानागार व माल गोदाम कौनसे पुरास्थल की विशिष्ट विशेषताएं हैं –

(a) कालीबंगा (b) हड़प्पा

(b) मोहनजोदड़ो (d) राखीगढ़ी

(ii) कौनसे हड़प्पाई पुरास्थल से एक साथ दो अलग–अलग फसलें उगाने के अवशेष प्राप्त हुए हैं –

(a) कालीबंगा (b) चन्हूदड़ो

(c) धोलावीरा (d) राखीगढ़ी

(iii) प्रभावती गुप्ता द्वारा दंगुन गांव किसे दान में दिया गया –

(a) गौतम बुद्ध (b) आचार्य चनालस्वामी

(c) भाट सारथी (d) वी. एस. सुकंथाकर

(iv) किन शासकों को उनके मातृनाम से जाना जाता था –

(a) गुप्त (b) मौर्य

(c) सातवाहन (d) शक

(v) बराबर की गुफाएं स्थित हैं –

(a) बिहार (b) कर्नाटक

(c) उड़ीसा (d) महाराष्ट्र

(vi) महावीर स्वामी से पहले जैन परंपरा में 23 शिक्षक हो चुके थे, उन्हे कहा जाता था –

(a) श्रमण (b) महाश्रमण

(c) उपदेशक (d) तीर्थंकर

(vii) किस विदेशी यात्री को हठीला यात्री कहा गया है –

(a) इब्नबतूता (b) मनुकी

(c) बर्नियर (d) अल बिरूनी

(viii) वीर शैव परंपरा के प्रवर्तक कौन थे –

(a) रैदास (b) गुरु नानक

(c) बासवन्ना (d) चैतन्य महाप्रभु

(ix) शैव मत से संबंधित भक्ति आंदोलन के संत किस नाम से जाने जाते थे –

(a) नयनार (b) अलवार

(c) नटराज (d) गौरांग

(x) विजयनगर के शासकों की उपाधि थी –

शेखावाटी मिशन–100

(a) नायक (b) राय

(c) सम्राट (d) रावल

(xi) हंपी को राष्ट्रीय महत्व के स्थल के रूप में मान्यता कब मिली –

(a) 1815 ई. (b) 1976 ई.

(c) 2007 ई. (d) 2001 ई.

(xii) आईने अकबरी की रचना किसने की

(a) रहीम (b) चाणक्य

(c) अबुल फजल (d) बाणभट्ट

(xiii) असम के वे लोग जो जमीन के बदले राजा को सैनिक सेवा देते थे, कहलाते थे –

(a) पायक (b) अमीन

(c) सुयूरगल (d) पटवारी

(xiv) ब्रिटेन में कपास आपूर्ति संघ की स्थापना कब हुई–

(a) 1815 ई. (b) 1861 ई.

(c) 1866 ई. (d) 1865 ई.

(xv) बंगाल में धनवान रैयत को क्या कहते थे –

(a) मंडल (b) जोतदार

(c) अमला (d) बंटाईदार

(xvi) व्यपगत सिद्धान्त/हड़प नीति लागू की –

(a) लार्ड डलहौजी (b) लार्ड वेलेजली

(c) लार्ड रिपन (d) लार्ड कैनिंग

(xvii) महात्मा गाँधी द्वारा सम्पादित नहीं किया गया समाचार पत्र था –

(a) यंग इंडिया (b) हरिजन

(c) इंडियन ऑपिनियन (d) कॉमनवील

(xviii) केबिनेट मिशन भारत आया था –

(a) मार्च 1946 (b) अप्रैल 1946

(c) मई 1946 (d) जून 1946

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति करो (i से vi) – (अंकभार प्रत्येक 1 अंक)

(i) धम्म के प्रचार के लिए अशोक ने ..... नामक विशेष अधिकारियों की नियुक्ति की।

(ii) आरंभिक अभिलेखों में से एक में प्रसिद्ध शक राजा ..... द्वारा सुदर्शन सरोवर के जीर्णोद्धार का वर्णन मिलता है।

(iii) .....ऐसी महिलाएं हैं, जिन्होंने निर्वाण प्राप्त कर लिया।

(iv) बर्नियर द्वारा मुगलकालीन शहरों ..... को नाम दिया गया।

(v) मुगल काल में राज्यादेश को ..... कहते थे।

(vi) ..... में बंगाल में इस्तमरारी बंदोबस्त लागू किया गया।

3. अति लघुत्तरात्मक प्रश्न – (i से xi) (अंकभार प्रत्येक 1 अंक)

निम्न प्रश्नों के उत्तर एक शब्द या एक पंक्ति में दीजिए –

(i) उन दो पुरास्थलों के नाम बताइए जिनके आधार पर पुरातत्ववेत्ता यह मानते हैं कि हड़प्पाई लोगों द्वारा कृषि के लिए जल संचय किया जाता था।

(ii) स्त्रीधन को परिभाषित कीजिए ।

(iii) सातवाहन राजाओं को उनके मातृनाम से चिन्हित किया जाता था, तो क्या सातवाहन राजवंश में राज सिंहासन का उत्तराधिकार मातृवंशिक होता था ?

(iv) इब्नबतूता ने किन दो भारतीय शहरों का वर्णन किया है, उनका नाम लिखिए।

(v) बर्नियर के अनुसार भारत और यूरोप के बीच मूल भिन्नताओं/असमानताओं में से दो कौन–सी हैं ?

(vi) किस सूफी संत की काव्य रचना गुरु ग्रंथ साहिब में संकलित हैं ?

(vii) किस प्रकार मीराबाई ने जातिवादी समाज की रूढ़ियों का उल्लंघन किया ?

(viii) मुगलकालीन ग्रामीण समाज के बारे में जानकारी प्राप्त करने के दो स्रोतों के नाम बताइए।

(ix) सूर्यास्त कानून क्या था ?

(x) ए बंच ऑफ ओल्ड लेटर्स (पुराने पत्रों का पुलिंदा) का संकलन किसने किया था ?

(xi) "पृथक निर्वाचिका एक ऐसा विष है जो हमारे देश की पूरी राजनीति में समा चुका है।" यह किसने कहा ?

खंड–ब

लघु उत्तरात्मक प्रश्न – (उत्तर सीमा लगभग 50 शब्द)

4. प्रयाग प्रशस्ति में समुद्रगुप्त की चारित्रिक विशेषताओं का मूल्यांकन किस प्रकार किया गया है ? (2 अंक)

5. अभिलेख आज भी इतिहास जानने के महत्वपूर्ण स्त्रोत हैं। स्पष्ट कीजिए। (2 अंक)

6. वर्ण और जाति में कोई दो अंतर बताइए। (2 अंक)

7. उलुक एवं दावा में अंतर स्पष्ट कीजिए। (2 अंक)

8. मंदिर स्थापत्य में गोपुरम का क्या महत्व है ? (2 अंक)

9. विजयनगर के शासक जल संचय के लिए जागरूक थे। स्पष्ट कीजिए। (2 अंक)

10. मुगलकाल में भूमि का वर्गीकरण किस प्रकार/कितने भागों में किया गया ? (2 अंक)

11. पांचवीं रिपोर्ट क्या थी ? (2 अंक)

12. 1857 की क्रांति में शाहमल के योगदान का मूल्यांकन कीजिए। (2 अंक)

13. दमित जातियों के विकास के लिए संविधान सभा द्वारा दिये गये किन्हीं दो सुझावों का उल्लेख कीजिए। (2 अंक)

खंड–स

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – (उत्तर सीमा लगभग 100 शब्द)

14. क्या आप इस तथ्य से सहमत हैं कि हड़प्पा सभ्यता के शहरों की जल निकास प्रणाली, नगर–योजना की ओर

संकेत करती है? (3 अंक)

अथवा

"हडप्पा सभ्यता के पतन में अनेक कारण उत्तरदायी थे।" उल्लेख कीजिए। (3 अंक)

15. कबीरदास आज भी उन लोगों के लिए प्रेरणा के स्त्रोत हैं जो सत्य की खोज में रूढ़िवादी, धार्मिक सामाजिक संस्थाओं, विचारों और व्यवहारों को प्रश्नवाचक दृष्टि से देखते हैं। विश्लेषण कीजिए। (3 अंक)

अथवा

कर्नाटक की वीरशैव परम्परा पर एक टिप्पणी लिखिए। (3 अंक)

16. 1857 के घटनाक्रम को निर्धारित करने में धार्मिक विश्वासों की किस हद तक भूमिका थी ? (3 अंक)

अथवा

विद्रोहियों के बीच एकता स्थापित करने के लिए क्या तरीके अपनाए गए ?

17. उद्देश्य प्रस्ताव में किन आदर्शों पर जोर दिया गया था ? (3 अंक)

अथवा

वे कौनसी ऐतिहासिक ताकतें थी जिन्होंने संविधान का स्वरूप तय किया ?

खंड–द

निबंधात्मक प्रश्न – (उत्तर सीमा लगभग 250 शब्द)

18. "साँची की खोज ने प्रारम्भिक बौद्ध धर्म सम्बन्धी हमारे ज्ञान को अत्यधिक रूपान्तरित कर दिया है।"व्याख्या कीजिये। (4 अंक)

अथवा

स्तूप क्यों और कैसे बनाए जाते थे? वर्णन कीजिए। (4 अंक)

19. असहयोग आन्दोलन का सविस्तार उल्लेख कीजिए। (4 अंक)

अथवा

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में महात्मा गाँधी के योगदान का वर्णन कीजिये।

20. भारत के मानचित्र में निम्नलिखित ऐतिहासिक स्थलों का अंकन कीजिए –

(i) साबरमती (ii) अजंता (iii) प्रयाग

(iv) दौलताबाद (v) बनावली (5 अंक)

अथवा

(i) चंपारण (ii) सांची (iii) हंपी

(iv) कालीबंगा (v) अवध

शेखावाटी मिशन–100

शेखावाटी मिशन–100 : सत्र 2024-25
मॉडल प्रश्न पत्र-II
कक्षा–12 विषय–इतिहास

खंड–अ

1. निम्न प्रश्नों (i) से (xviii) के उत्तर का सही विकल्प चयन कर उत्तर पुस्तिका में लिखिए – (अंकभार प्रत्येक 1 अंक)

(i) हड़प्पा सभ्यता की सबसे विशिष्ट पुरावस्तु है ?

(a) मृदभांड (b) मोहर

(b) औजार (d) आभूषण

(ii) भारतीय पुरातात्विक सर्वेक्षण के पहले डायरेक्टर जनरल थे ?

(a) व्हीलर (b) जॉन मार्शल

(c) जनरल कनिंघम (d) एस एन संव

(iii) मगध की प्रारंभिक राजधानी थी ?

(a) पाटलीपुत्र (b) राजगाह

(c) वाराणसी (d) चम्पा

(iv) किस प्रसिद्ध शासक ने स्वयं को अनूठा ब्राह्मण और साथ ही क्षत्रियों के दर्प का हनन करने वाला बताया था ?

(a) वसिधि–पुत्र सिरि पुलुमायि (b) समुद्रगुप्त

(c) गोतमी–पुत्र सिरि–सातकनि (d) अशोक

(v) कैलाशनाथ मंदिर स्थित है

(a) सारनाथ (b) अजन्ता

(c) साँची (d) नागपुर

(vi) जैन साधु और साध्वी पालन करते थे ?

(a) अष्टांगिक मार्ग (b) मध्यम मार्ग

(c) पंच महाव्रत (d) उपरोक्त सभी

(vii) मुहम्मद बिन तुगलक ने किस विदेशी यात्री को दिल्ली का काजी नियुक्त किया था?

(a) अलबिरूनी (b) बर्नियर

(c) मनूची (d) इब्नबतूता

(viii) गरीब नवाज उपनाम से प्रसिद्ध सूफी संत कौन थे?

(a) शेखा निजामुद्दीन औलिया (b) सलीम चिश्ती

(c) ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती (d) अमीर खुसरो

(ix) खालसा पंथ की स्थापना की थी ?

(a) गुरु नानक (b) गुरु अर्जुन देव

(c) गुरु अर्जुनदेव (d) गुरु गोविन्द सिंह

(x) विजयनगर के सभी राजकीय आदेशो पर कन्नड़ लिपि में क्या अंकित होता था ?

(a) हिन्दू सूरतराण (b) श्री विरूपाक्ष

(c) श्री तिरुपति (d) उपरोक्त सभी

(xi) हम्पी को यूनेस्कों ने विश्व पुरातत्व स्थल कब घोषित किया ?

(a) 1986 ई. (b) 1982 ई.

(c) 1976 ई. (d) 1972 ई.

(xii) बाबरनामा ग्रंथ किस भाषा में हैं ?

(a) अरबी (b) तुर्की

(c) संस्कृत (d) फारसी

(xiii) राजस्व वसूल करने वाले अधिकारी को जाना जाता था ?

(a) दीवान (b) अमील गुजार

(c) सुबेदार (d) मनसबदार

(xiv) बंगाल में इस्तमरारी बंदोबस्त कब लागू किया गया?

(a) 1793 ई. (b) 1790 ई.

(c) 1780 ई. (d) 1770 ई.

(xv) कुदाल किसके जीवन का प्रतीक था ?

(a) संथाल (b) पहाड़िया

(c) रैयत (d) जमीदार

(xvi) व्यपगत सिद्धान्त/हड़प नीति लागू की –

(a) लार्ड कैनिग (b) लार्ड वेलेजली

(c) लार्ड डलहौजी (d) लार्ड रिपन

(xvii) मुस्लिम लीग ने प्रत्यक्ष कार्यवाही दिवस का आह्वान कब किया ?

(a) 16 अगस्त 1946 ई. (b) 15 अगस्त 1941 ई.

(c) 8 अगस्त 1946 ई. (d) 16 अगस्त 1947 ई.

(xviii) गाँधीजी के राजनीतिक परामर्शदाता कौन थे ?

(a) मो. अली जिन्ना (b) मोतीलाल नेहरू

(c) गोपाल कृष्ण गोखले (d) लोकमान्य तिलक

Q.2 रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिएः–

(i) सुदर्शन झील का पुनर्निर्माण ..... ने करवाया था।

(ii) पाँचवी शताब्दी ईस्वी के ..... अभिलेख से रेश्म बुनकरों की एक श्रेणी का वर्णन मिलता है।

(iii) बौद्ध दर्शन के अनुसार विश्व ..... है।

(iv) दान में दिया गया राजस्व अनुदान ..... कहलाता था।

(v) बर्नियर ने मुगलकालीन शहरों को .....का नाम दिया।

(vi) ..... के सींमाकन के बाद संथालों की बस्तिया बड़ी तेजी से बढ़ी।

शेखावाटी मिशन–100

Q.3 अति लघुत्तरात्मक प्रश्न– (i से vi) – (अंकभार प्रत्येक 1 अंक)

निम्न प्रश्नों के उत्तर एक शब्द अथवा एक पंक्ति में दीजिए–

(i) मिट्टी से बने हल का प्रतिरूप कहाँ से मिला है ?

(ii) स्त्रीधन को परिभाषित कीजिए ?

(iii) पुरुष सूक्त कहाँ से लिया गया है ?

(iv) अलबिरूनी का जन्म कब व कहाँ हुआ था ?

(v) 'ताराबाद' क्या है ?

(vi) बाबा फरीद की काव्य रचनाएं किस ग्रंथ में संकलित है ?

(vii) जजिया कर क्या था ?

(ix) खेतीहर किसान जमीन की हदों की पहचान कैसे करते थे ?

(x) संथाल विद्रोह कब व किसके नेतृत्व में हुआ ?

(xi) असहयोग आन्दोलन को वापस क्यों लिया गया ?

(xii) शक्तिशाली केन्द्र के पक्ष में कौनसे सदस्य थे ?

खण्ड–ब

लघु उत्तरात्मक प्रश्न–उत्तर सीमा लगभग 50 शब्द– (प्रश्न 4 से 13 तक अंकभार प्रत्येक का 2 है।)

Q.4 मगध के शक्तिशाली महाजनपद के रूप में उदय के दो कारण बताइए ?

Q.5 अशोक के धम्म व उसकी जनकल्याणकारी अवधारणा को समझाइए ?

Q.6 गोत्र प्रणाली के दो नियमों का उल्लेख कीजिए ?

Q.7 बर्नियर ने भूमि पर राजकीय स्वामित्व को राज्य व उसके निवासियों दोनों के लिए हानिकारक क्यो माना ?

Q.8 आप कैसे कह सकते हैं कि विजयनगर के प्रधानमंत्री रामराय द्वारा सुल्तानों के प्रति अपनाई गई नीति जोखिमपूर्ण थी ?

Q.9 विजयनगर में कृषि क्षेत्रों को किलेबंद भू–भाग में क्यो समाहित किया जाता था ?

Q.10 खुद–काश्त व पाहि काश्त किसानों में अन्तर स्पष्ट कीजिए ?

Q.11 जोतदारों की स्थिति क्या थी ? वे जमींदारों से किस प्रकार प्रभावशाली होते थे ?

Q.12 1857 के विद्राह को कुचलने के लिए अंग्रेजों द्वारा उठाये गये दो कदम बताइए ?

Q.13 आदिवासियों का प्रसिद्ध वक्ता कौन था ? उसने किस बात पर बल दिया ?

खंड–स

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – (उत्तर सीमा लगभग 100 शब्द)

Q.14 "मोहनजोदड़ो एक नियोजित शहरी केन्द्र था। व्याख्या कीजिए। 3

अथवा

1800 ई.पू. तक हडप्पाई सभ्यता का अन्त किन कारणों से हुआ? उल्लेख कीजिए।

Q.15 किस प्रकार मीरा ने जातिवादी समाज की रूढियों का उल्लघन किया ? 3

अथवा

महान एवं लघु परम्पराओं से आप क्या समझते है ?

Q.16 1857 की क्रांति के लिए उत्तरदायी प्रमुख राजनैतिक कारण बताइए ? 3

अथवा

विद्रोहियों के बीच एकता स्थापित करने के लिए क्या तरीके अपनाए गए ?

Q.17 संविधान सभा के ऐसे दो महत्वपूर्ण अभिलक्षणों का उल्लेख कीजिए जिन पर संविधान सभा में काफी हद तक सहमति थी। 3

अथवा

संविधान सभा ने भाषा के विवाद को हल करने के लिए क्या रास्ता निकाला ?

खंड–द

निबंधात्मक प्रश्नः– (उत्तर शब्द सीमा लगभग 250 शब्द)

Q.18 जैन धर्म की महत्तवपूर्ण शिक्षाओं को संक्षेप में लिखिए ? 4

अथवा

साँची के स्तूप के संरक्षण में भोपाल की बेगमो की भूमिका की चर्चा कीजिए।

Q.19 असहयोग आन्दोलन एक तरह का प्रतिरोध कैसे था ? उल्लेख कीजिए। 4

अथवा

नमक यात्रा के परिणाम स्वरूप अंग्रेजों के साथ संवादों की समीक्षा कीजिए।

Q.20. भारत के रेखा मानचित्र में निम्नलिखित स्थलों को अंकित कीजिए 5

(i) बम्बई (ii) सूरत (iii) कालीबंगा (iv) साँची (v) झाँसी

अथवा

(i) दिल्ली (ii) लोथल (iii) दांडी (iv) नागपुर (v) कलकत्ता

मानचित्र कार्य

प्रमुख सैन्धव पुरास्थल
N
300 km
200 mi
© d-maps.com
हड़प्पा
बनावली
कालीबंगा
राखीगढ़ी
मोहनजोदड़ो
कोटदीजी
चन्हुदड़ो
धौलावीरा
लोथल
नागेश्वर

प्रमुख बौद्ध स्थल
N
300 km
200 mi
© d-maps.com
श्रावस्ती
लुम्बिनी / कपिलवस्तु
कुशीनारा
सारनाथ
बोधगया
भरहूत
सांची
नासिक
अजंता
अमरावती
नागार्जुनकोंडा
Mercator

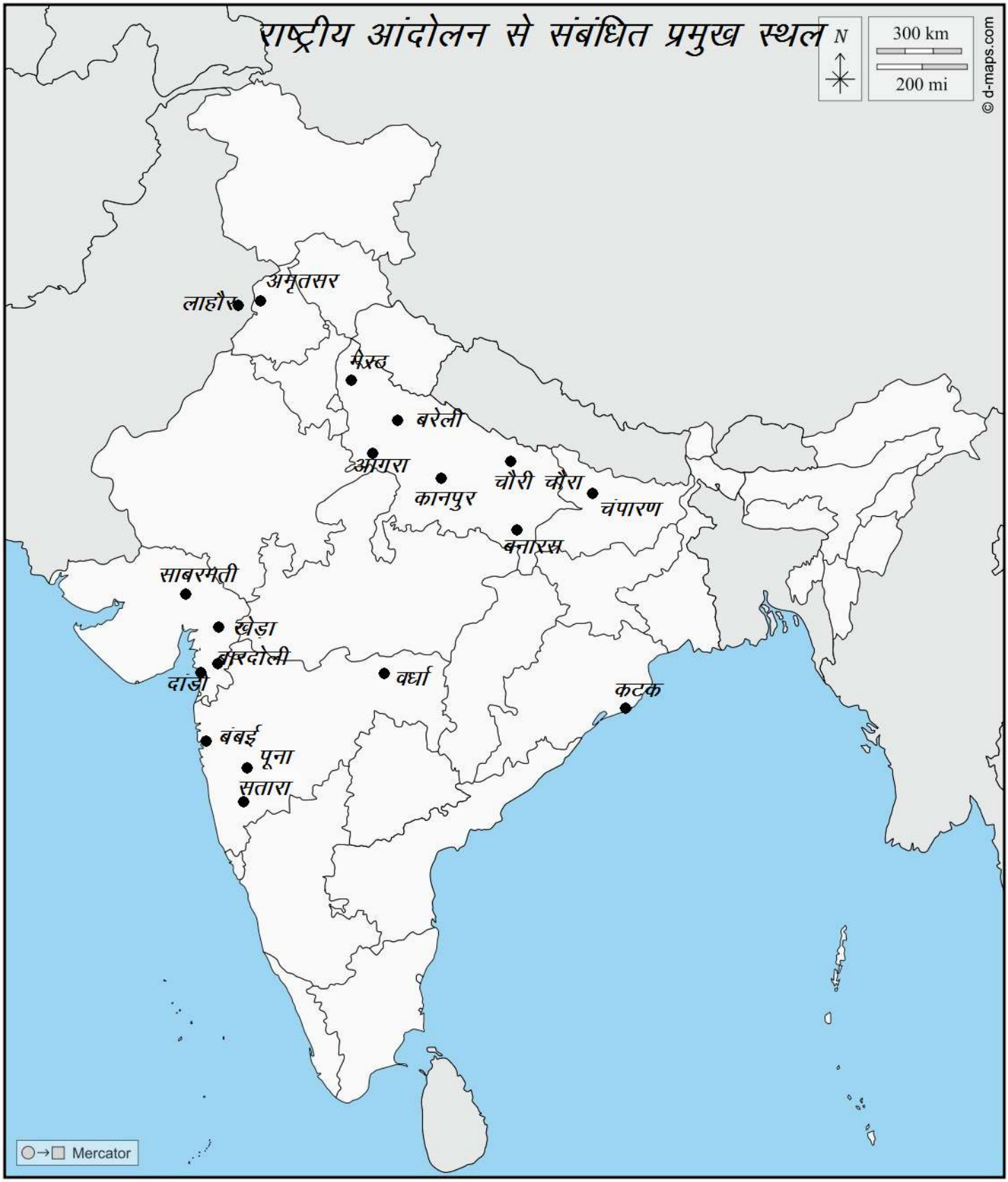
राष्ट्रीय आंदोलन से संबंधित प्रमुख स्थल
N
300 km
200 mi
© d-maps.com
अमृतसर
लाहौर
मेरठ
बरेली
आगरा
कानपुर
चौरी चौरा
चंपारण
बनारस
साबरमती
खेड़ा
बारदोली
दांडी
वर्धा
कटक
बंबई
पूना
सतारा
Mercator

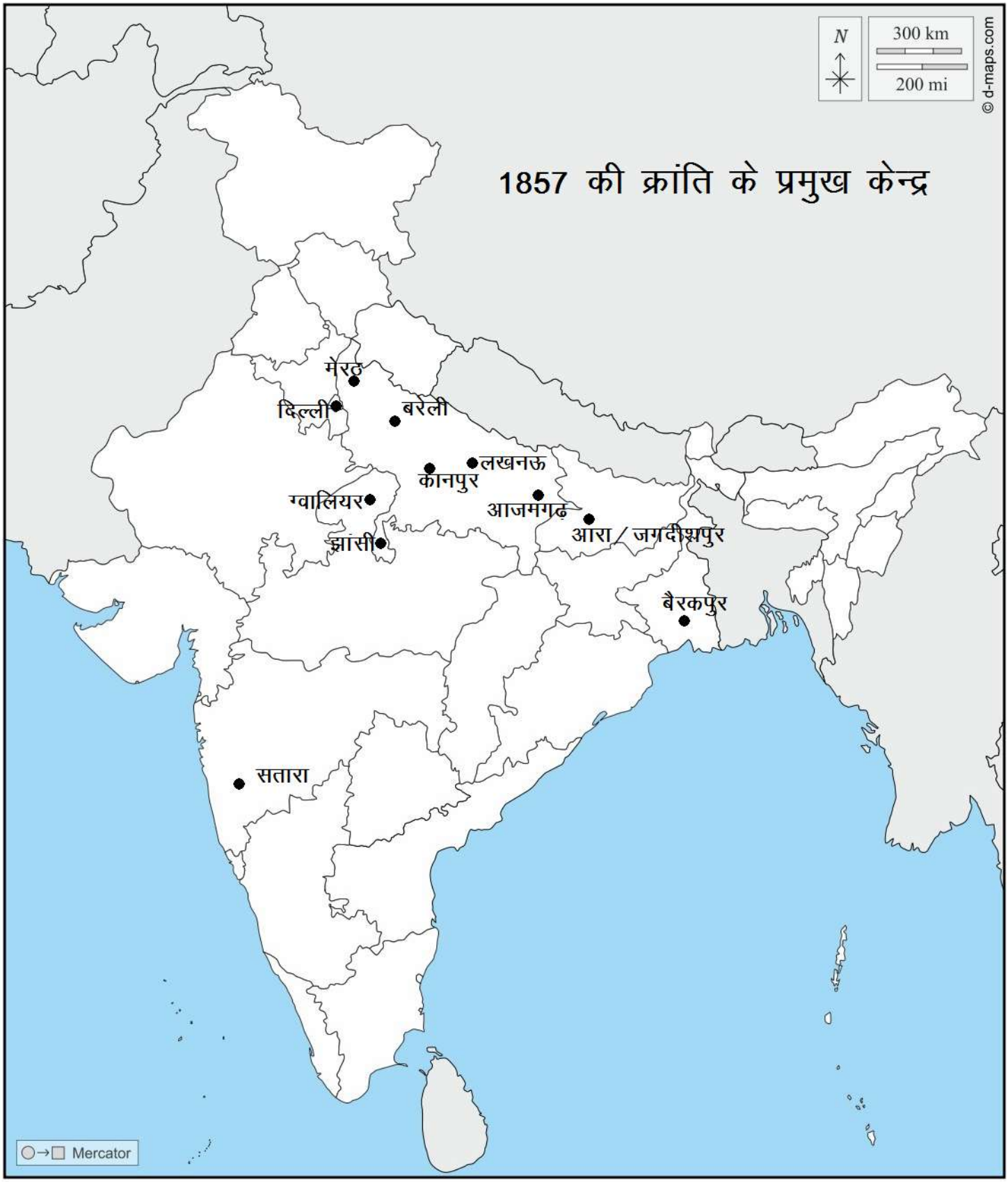
1857 की क्रांति के प्रमुख केन्द्र
N
300 km
200 mi
© d-maps.com
मेरठ
दिल्ली
बरेली
लखनऊ
कानपुर
ग्वालियर
आजमगढ़
आरा / जगदीशपुर
झांसी
बैरकपुर
सतारा
Mercator

प्रमुख ऐतिहासिक स्थल
N
300 km
200 mi
© d-maps.com
तक्षशिला
पानीपत
मथुरा
आमेर
फतेहपुर सीकरी
अजमेर
इलाहबाद
पाटलीपुत्र
बर्धमान
मंदसौर
कलकत्ता
सूरत
बम्बई
मद्रास / चेन्नई
Mercator

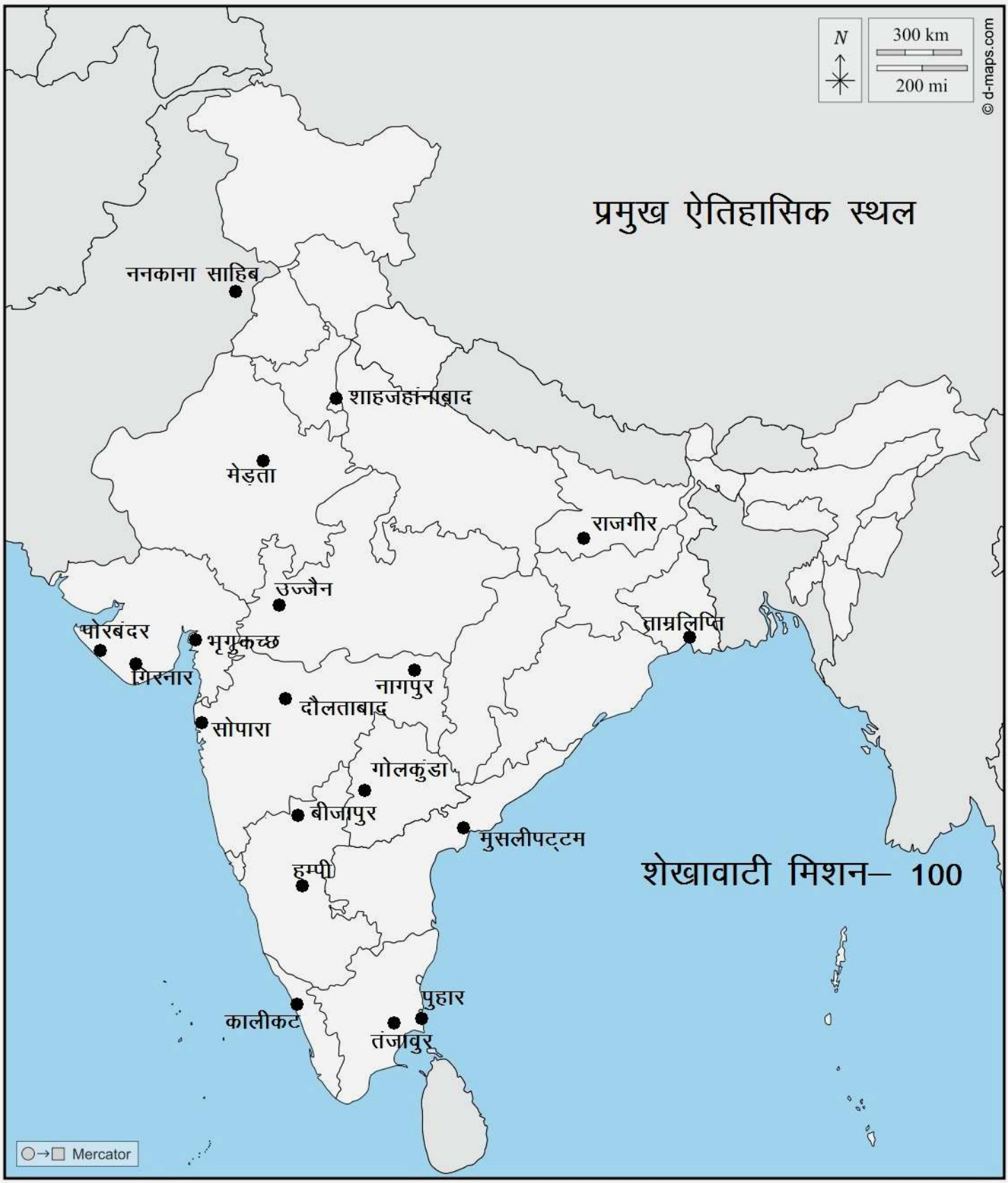
प्रमुख ऐतिहासिक स्थल
N
300 km
200 mi
© d-maps.com
ननकाना साहिब
शाहजहांनाबाद
मेड़ता
राजगीर
उज्जैन
ताम्रलिप्ति
पोरबंदर
भृगुकच्छ
गिरनार
नागपुर
दौलताबाद
सोपारा
गोलकुंडा
बीजापुर
मुसलीपट्टम
हम्पी
शेखावाटी मिशन– 100
पुहार
कालीकट
तंजावुर
Mercator

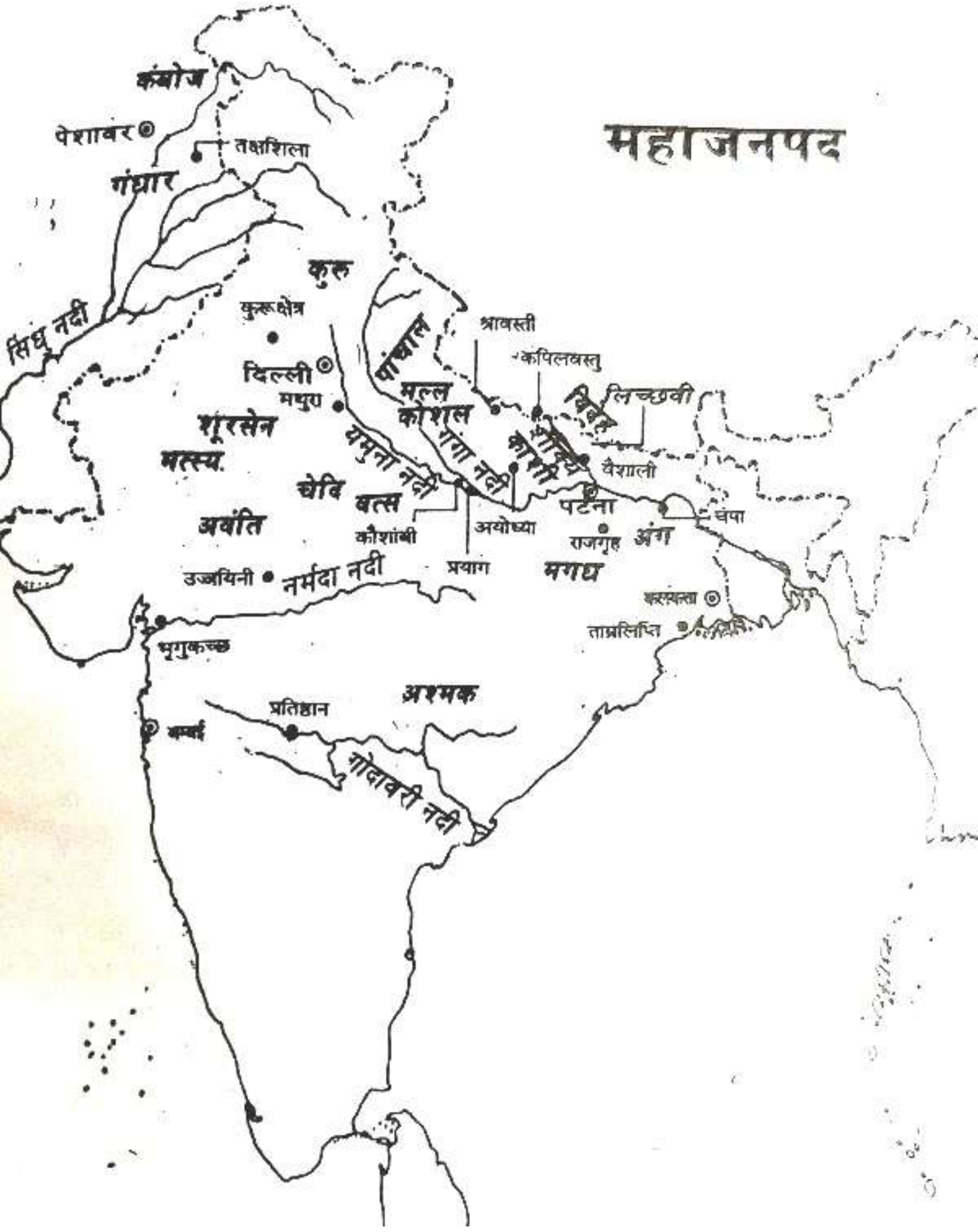

महाजनपद

कंबोज
पेशावर
तक्षशिला
गंधार
कुरु
कुरुक्षेत्र
सिंधु नदी
पांचाल
श्रावस्ती
कपिलवस्तु
दिल्ली
मथुरा
मल्ल
कोशल
शूरसेन
लिच्छवी
यमुना नदी
गंगा नदी
काशी
मत्स्य
वैशाली
चेदि
वत्स
पटना
चंपा
अवंति
कौशांबी
अयोध्या
राजगृह
अंग
प्रयाग
मगध
उज्जयिनी
नर्मदा नदी
ताम्रलिप्ति
भृगुकच्छ
अश्मक
प्रतिष्ठान
बम्बई
गोदावरी नदी